@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 6 सितंबर 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 297 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

राष्ट्रपति ने शिक्षकों को किया समानित

● कहा- एनईपी से भारत बनेगा ज्ञान की महाशक्ति

● राष्ट्रपति ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे विशेष रूप से उन छात्रों, खासकर लड़कियों, पर ध्यान दें जो शर्मीली हैं या कम विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि से आती हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में देश भर के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को देश के भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण बताया और भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने का आह्वान किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा, 'भोजन, वस्त्र और आवास की तरह शिक्षा भी व्यक्ति के सम्मान और सुरक्षा के लिए आवश्यक है। संवेदनशील शिक्षक बच्चों में सम्मान और सुरक्षा की भावना विकसित करने का काम करते हैं।' उन्होंने अपने शिक्षक के रूप में बिताए समय को याद करते हुए कहा, 'वह मेरे जीवन का सबसे सार्थक दौर था।' उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सक्षम बनाती है। सबसे गरीब पृष्ठभूमि के बच्चे भी शिक्षा की शक्ति से प्रगति की ऊंचाइयों को छू सकते हैं। स्नेहपूर्ण और समर्पित शिक्षक बच्चों की उड़ान को ताकत देने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार यह है कि उनके छात्र जीवन भर उन्हें याद रखते हैं और परिवार, समाज व देश के लिए उल्लेखनीय योगदान देते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के विस्तार और वंचित वर्ग की लड़कियों के लिए विशेष शैक्षिक सुविधाओं पर जोर देती है। हालांकि, शिक्षा से संबंधित किसी भी पहल की सफलता मुख्य रूप से शिक्षकों पर निर्भर करती है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है। इसके लिए हमारे शिक्षकों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए।

स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और कौशल शिक्षा, इन तीनों क्षेत्रों में हमारे संस्थानों और शिक्षकों को सक्रिय योगदान देना होगा। शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में स्थापित करेगा।'

धोखाधड़ी मामले में बढ़ीं शिल्पा और राज की मुश्किलें

मुंबई पुलिस ने जारी किया लुक आउट नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और पति राज कुंद्रा से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मुंबई पुलिस ने 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में अब अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया।

क्राइम ब्रांच ने जारी किया सर्कुलर

मामले में अधिक जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने यह लुक आउट सर्कुलर जारी किया है, क्योंकि यह दंपति अक्सर अंतरराष्ट्रीय यात्राएं करता रहता है। उन्होंने बताया कि अदाकारा और उनके पति के खिलाफ 14 अगस्त को जुहू पुलिस स्टेशन में एक कारोबारी से लोन कम निवेश सौदे में लगभग 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया था।

इसलिए जारी होता है लुक आउट सर्कुलर

लुकआउट सर्कुलर एक ऐसी व्यवस्था है जिसका इस्तेमाल किसी व्यक्ति को देश छोड़ने से रोकने या उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जाता है, आमतौर पर एमीग्रेशन और सीमा नियंत्रण चौकियों को अलर्ट जारी करके।

घबराएं नहीं, आपकी समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएंगे : मुख्यमंत्री योगी

सीएम ने जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं

एजेंसी

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन कर लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। शुक्रवार को जनता दर्शन में उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, आपकी समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित कराएंगे। सरकार सबकी समस्या दूर करने को संकल्पित है।'

जनता दर्शन में सीएम योगी ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ऑफिस (सीएमओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जनता दर्शन की फोटो शेयर करके लिखा, 'अंत्योदय के लक्ष्य के साथ बिना भेदभाव, सबकी समृद्धि एवं खुशहाल जीवन का लक्ष्य, यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर स्थित गोरखनाथ परिसर में आयोजित 'जनता दर्शन' में आए लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं का स्थायी समाधान निश्चित समयावधि में किया जाए। साथ ही, उनका फीडबैक भी अवश्य लिया जाए।'

शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए।

बाढ़ पीड़ितों को मदद और निगरानी 24×7 जारी: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 5 सितंबर। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि उनकी सरकार बाढ़ की स्थिति पर पूरी नजर रख रही है। सरकारी अमला बाढ़ प्रभावितों की 24×7 मदद कर रहा है। उन्हें भोजन, पानी, चिकित्सा, शौचालय सुविधाओं के अलावा जरूरी मदद लगातार उपलब्ध कराई जा रही है। बाढ़ प्रभावित किसानों के मवेशियों को भी चारा उपलब्ध कराया जा रहा है और जरूरत पड़ने पर लोगों को लगातार राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री का कहना है कि यमुना का पानी फिलहाल उतार पर है, इसलिए दिल्ली के लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। वह खुद हालात पर लगातार निगरानी रख रही हे, शासन पूरी तरह चाक-चौबंद है, साथ ही जनप्रतिनिधि भी बाढ़ प्रभावितों से मिलकर उनके कष्टों का निवारण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे बाढ़ से प्रभावित फसलों का भी आकलन करें, ताकि उन्हें उचित मुआवजा देने पर भी गंभीरपूर्वक विचार किया जा सके। राजधानी में बाढ़ की स्थिति, प्रभावित क्षेत्रों के हालात और पीड़ितों को जरूरी मदद को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कैंप कार्यालय 'मुख्यमंत्री जनसेवा सदन' से डिविजनल कमिश्नर व सभी जिलों के डीएम के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक की और जरूरी व स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि यमुना में बाढ़ का पानी लगातार कम हो रहा है और संभव है कि हालात जल्द सामान्य हो जाएं। इसके बावजूद हमारी सरकार बाढ़ प्रभावितों की लगातार मदद में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि सभी वरिष्ठ अफसरों को कहा गया है कि वे बाढ़ से प्रभावित इलाकों में चौबीस घंटे निगरनी रखें और राहत शिविरों में भोजन, पानी, चिकित्सा, शौचालय व अन्य जरूरी सेवाओं का उचित प्रबंध करें।

शेष पृष्ठ 3 पर

उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना नदी के किनारे बसे इलाके शुक्रवार को डूबे दिखे।

युद्ध में सफलता के लिए 'सरप्राइज' फैक्टर महत्वपूर्ण : सीडीएस अनिल चौहान

राष्ट्र की सुरक्षा के लिए भारतीय सेनाएं 365 दिन, 24×7 के फार्मूले पर हमेशा तैयार हैं'

एजेंसी

गोरखपुर । 'भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां' विषयक संगोष्ठी के मुख्य अतिथि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने कहा कि युद्ध में सफलता हासिल करने के लिए सरप्राइज एक महत्वपूर्ण फैक्टर होता है। उरी सर्जिकल स्ट्राइक में भारत ने जमीन के रास्ते जाकर आतंकी ठिकानों को बर्बाद किया, बालाकोट में एयर स्ट्राइक का सहारा लिया गया। जबकि पहलगाम हमले के बाद लो एयर स्पेस, ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। भारतीय सेनाओं ने हर बार दुश्मन को सरप्राइज कर अपना टारगेट पूरा किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा के लिए भारतीय सेनाएं 365 दिन, 24×7 के फार्मूले पर हमेशा तैयार हैं। आतंकवादी कहीं भी हो, उसे ढूढ़कर मारा जाएगा। सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा एक व्यापक और महत्वपूर्ण विषय है। हर वर्ग और व्यक्ति इसे अपने नजरिए से देखता है। किसी देश के राजदूत इसे द्विपक्षीय या बहुपक्षीय दृष्टि से देखतेहैं, तो अर्थशास्त्री इसे आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से। सैनिक का दृष्टिकोण भिन्न होता है। उन्होंने बताया कि आचार्य चाणक्य ने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए चार तथ्य बताए हैं:, राष्ट्र के आंतरिक खतरे, बाह्य खतरे, बाहरी सहयोग से आंतरिक खतरे और आंतरिक सहयोग से बाहरी खतरे। सीडीएस ने कहा कि समग्र रूप से राष्ट्र की सुरक्षा के लिए तीन घटक महत्वपूर्ण होते हैं। भूमि की सुरक्षा, विचारधारा की सुरक्षा और नागरिकों की सुरक्षा। राष्ट्र की सुरक्षा के लिए इन तीनों की सुरक्षा अनिवार्य है। इस संदर्भ में उन्होंने तीन घेरों सैन्य सुरक्षा, राष्ट्र की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा की विस्तार से चर्चा की।

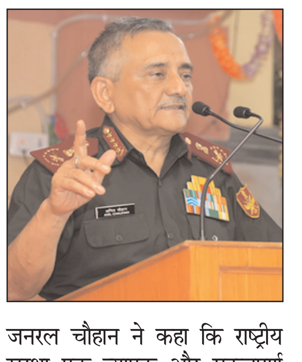

बीड़ी विवाद पर तेजस्वी का कांग्रेस से किनारा

● बोले- 'बिहार पर आपत्तिजनक बयान दिया है तो जरूर मांगें माफी'

एजेंसी

पटना। केरल कांग्रेस द्वारा बीड़ी की तुलना बिहार से करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। तेजस्वी यादव इस मामले से किनारा लेते नजर आए और स्पष्ट तौर पर कहा कि अगर बिहार को लेकर कोई आपत्तिजनक बात कही गई है तो उस पर जरूर माफी मांगनी चाहिए। दरअसल, इससे पहले केरल कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया था कि बीड़ी और बिहार 'बी' से शुरू होते हैं। अब इसे पाप नहीं माना जा सकता। साथ ही उन्होंने जीएसटी का स्लैब भी शेयर किया था, जिसमें तंबाकू, सिगार और सिगरेट पर जीएसटी 28 से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि बीडी पर टैक्स 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। तेजस्वी यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए बीड़ी विवाद पर पूरी जानकारी नहीं होने की बात कही। उन्होंने साफ किया, 'अगर बिहार को लेकर कोई आपत्तिजनक बयान दिया है तो उसको लेकर लोगों को जरूर माफी मांगनी चाहिए।' राजद नेता ने हालिया जीएसटी बदलाव पर कहा, 'इसे तब लागू किया गया था, जब नीतीश सरकार और उनके मंत्री दावा करते थे कि बिहार को उपभोक्ता राज्य होने के कारण बड़ा लाभ होगा। अब जीएसटी स्लैब में बदलाव पर सरकार फिर लाभ की बात कर रही है।' तेजस्वी ने तंज कसते हुए कहा, 'पहले सही बोल रहे थे या अब? सरकार को यह तय करना चाहिए, क्योंकि वे खुद भ्रमित हैं।' हाल ही में एनडीए द्वारा बुलाए गए बिहार बंद पर राजद कार्यकर्ताओं पर गुंडागर्दी के आरोपों का जवाब देते हुए तेजस्वी ने कहा, ÷एनडीए बताए कि कौन गुंडागर्दी कर रहा है? बंद में आम नागरिकों का कोई समर्थन नहीं मिला। राजद कार्यकर्ता जनता के हित में काम कर रहे हैं।' 'माई-बहन मान योजना' के तहत फॉर्म भरवाने पर उठे सवालों पर उन्होंने कहा, ÷सभी दल फॉर्म भरवाते हैं। हमारे कार्यकर्ता भी यह काम कर रहे हैं। जब हमारी सरकार बनेगी तो योजना का लाभ जरूर मिलेगा।'

12200 करोड़ सट्टा कांड का मुख्य आरोपी हर्षिल जैन दुबई से गिरफ्तार

● एसएमसी ने अहमदाबाद एयरपोर्ट पर हिरासत में लिया

एजेंसी

गांधीनगर। 2200 करोड़ रुपए के बहुचर्चित सट्टा कांड का मुख्य आरोपी हर्षिल जैन कानून के शिकंजे में आ गया है। एसएमसी (स्टेट मॉनिटरिंग सेल) की टीम ने दुबई पुलिस की मदद से उसे गिरफ्तार कर शुक्रवार को अहमदाबाद एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। यह मामला 2023 में सामने आया था, जब पीसीबी ने अहमदाबाद के मधुपुरा स्थित एक बिल्डिंग पर छापा मारकर बड़े पैमाने पर डब्बा ट्रेडिंग और क्रिकेट सट्टा कांड का भंडाफोड़ किया था। इस दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था और आगे की जांच एसएमसी को सौंपी गई थी। जांच में खुलासा हुआ था कि इस सट्टा नेटवर्क में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सिम कार्ड खरीदे गए और बड़े पैमाने पर अवैध सट्टेबाजी को अंजाम दिया गया। जांच में हर्षिल जैन का नाम प्रमुख रूप से सामने आया था। हर्षिल जैन के ऑफिस से ही डब्बा ट्रेडिंग और सट्टा घोटाले का संचालन किया जा रहा था। इसके बाद उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू की गई। दुबई पुलिस की मदद से उसे ढूंढ निकाला गया और भारत प्रत्यर्पित किया गया। इस केस में अब तक कुल 36 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और हर्षिल जैन 37वां आरोपी है। हालांकि, इस घोटाले के अन्य मुख्य आरोपी अमित मजीठिया और सौरभ चंदवाकर अब भी फरार बताए जा रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए एसएमसी लगातार प्रयासरत है। गिरफ्तारी के बाद हर्षिल जैन से पूछताछ जारी है और एसएमसी को उम्मीद है कि इस मामले में और बड़े खुलासे हो सकते हैं। स्टेट मॉनिटरिंग सेल के डीआईजीपी निर्लिप्त राय ने बताया कि आरोपी लंबे समय से देश छोड़कर फरार था। उसे यूएई में लोकेट करने के बाद सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया। इसके बाद आरोपी को यूएई से भारत लाया गया और आज उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

शिक्षक प्रधानमंत्री के 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'अमृतकाल' विजन के प्रेरक हैं: विजेंद्र गुप्ता

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली, 5 सितम्बर। दिल्ली विधानसभा के माननीय अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होकर भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान दार्शनिक और प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 137वीं जयंती पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। यह कार्यक्रम महामना मालवीय मिशन, दिल्ली द्वारा डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की 137वीं जयंती के उपलक्ष्य में मालवीय स्मृति भवन में आयोजित किया गया जहां विशिष्ट अतिथि, शिक्षाविद् एवं मिशन के सदस्य शामिल थे। अपने संबोधन में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि शिक्षक दिवस डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की स्मृति में मनाया जाता है, जो मानते थे कि शिक्षा राष्ट निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है और शिक्षक समाज के सच्चे संरक्षक हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छात्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा जताई, तो उन्होंने विनम्रता से अनुरोध किया कि इसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए,जो आज पूरे देश में आदर और श्रद्धा के साथ निभाई जाती है। उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का जीवन हमें सिखाता है कि शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं बल्कि मूल्य, अनुशासन और सत्य के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता भी प्रदान करते हैं। अध्यक्ष ने कहा कि यह दिन महामना मदन मोहन मालवीय की प्रेरणादायी विरासत को भी याद करता है, जिनकी शिक्षा संबंधी दृष्टि मात्र साक्षरता तक सीमित नहीं थी, बल्कि उसमें चरित्र निर्माण और नैतिक शक्ति का भी समावेश था। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक और महान राष्टनेता के रूप में उन्होंने शिक्षा को सामाजिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का महत्वपूर्ण आधार माना। उन्होंने विद्या, सेवा और संस्कार को सशक्त समाज के मूल स्तंभ बताया। श्री गुप्ता ने कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि महामना मालवीय मिशन शिक्षा, सेवा और संस्कृति के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के माध्यम से इस दृष्टि को आगे बढ़ा रहा है। गुप्ता ने कहा, प्राचीन गुरुकुलों से लेकर आधुनिक कक्षाओं तक, गुरु-शिष्य परंपरा भारत की सभ्यता का केंद्र रही है। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल परीक्षा के लिए नहीं बल्कि जीवन के लिए तैयार करते हैं, उनमें जिज्ञासा, सृजनशीलता, अनुशासन और करुणा का विकास करते हैं। जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, जिम्मेदार, लोकतांत्रिक मूल्यों, समावेशिता और ईमानदारी से युक्त नागरिक बनाने में शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत और अमृत काल के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए श्री गुप्ता ने कहा, प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित नया भारत आज हमारे कक्षाओं में तैयार हो रहा है।

शेष पृष्ठ 3 पर

ये ड्रोन विजुअल दिल्ली के मयूर विहार का है। शुक्रवार को पूरा इलाका पानी में डूबा दिखा।

'बीड़ी विवाद' पर रविशंकर प्रसाद ने कहा- तेजस्वी यादव को एक्सपोज करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ सांसद रविशंकर प्रसाद ने केरल कांग्रेस के विवादित ट्वीट 'बी फॉर बीड़ी, बी फॉर बिहार' पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इसे बिहार विधानसभा चुनाव में मुद्दा बनाकर राजद नेता तेजस्वी यादव को एक्सपोज करेंगे, क्योंकि बिहार को अपमानित करने का काम कांग्रेस की ओर से किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटना पर तेजस्वी यादव की चुप्पी को बिहार की जनता देख रही है और उन्हें करारा जवाब मिलेगा। मीडिया से बातचीत के दौरान प्रसाद ने इसे बिहार और यहां की जनता की अस्मिता पर हमला बताया। उन्होंने कांग्रेस की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह पोस्ट बिहार के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति का अपमान है।

दिल्ली पुलिस ने 15 विदेशी नागरिकों को किया डिपोर्ट, 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में घुसपैठियों के खिलाफ पुलिस सर्च अभियान चल रही है। इसी क्रम में पुलिस ने द्वारका में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया है। द्वारका के पुलिस उपायुक्त के मुताबिक पुलिस ने अगस्त महीने में 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशियों को निर्वासन के लिए भेजा। ये 15 लोग द्वारका में अवैध रूप से रह रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक द्वारका की ऑपरेशन यूनिट और पुलिस नियमित रूप से उन विदेशी नागरिकों के बारे में खुफिया जानकारी जुटा रही है, जो अवैध रूप से इलाके में रह रहे हैं या घूम रहे हैं। द्वारका के मोहन गार्डन थाने की 5, एंटी-नारकोटिक्स सेल की 5, उत्तम नगर थाने की 3 और डाबरी थाने की 2 टीमों ने द्वारका की निगरानी में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। ये टीमें उन विदेशी नागरिकों को पकड़ने के लिए सक्रिय हुईं, जो बिना वैध वीजा के देश में तय समय से ज्यादा समय तक रह रहे हैं, अवैध रूप से प्रवेश कर चुके हैं और द्वारका जिले के क्षेत्र में रह रहे या घूम रहे हैं।

गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों की जांच को लेकर हाईकोर्ट में लगाई याचिका

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें देशभर के गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों की जांच कराने की मांग की गई है। याचिका में विशेष रूप से बाराबंकी स्थित श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी का जिक्र किया गया है, जहां कथित तौर पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की मान्यता के बिना छात्रों को विधि पाठ्यक्रमों में दाखिला दिए जाने का मामला उठाया गया है। जानकारी अनुसार याचिकाकर्ता सौरभ सिंह की ओर से अधिवक्ताओं सिद्धार्थ शंकर दुबे और अनिमेष उपाध्याय द्वारा दाखिल इस याचिका में अदालत से अनुरोध किया गया है कि बीसीआई को निर्देशित किया जाए कि वह अपनी वेबसाइट पर सभी मान्यता प्राप्त और गैर-मान्यता प्राप्त विधि महाविद्यालयों की सूची सार्वजनिक रूप से जारी करे। याचिका को न्यायालय की रजिस्ट्री में प्रस्तुत कर दिया गया है और इसकी सुनवाई अगले सप्ताह होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। गौरतलब है कि 1 सितंबर से एबीवीपी सहित विभिन्न छात्र संगठनों ने विश्वविद्यालय में विधि पाठ्यक्रमों की अनियमितताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया था।

बिट्स पिलानी गोवा कैंपस में एक और छात्र की मौत, एसआईटी जांच की मांग

पणजी (एजेंसी)। दक्षिण गोवा स्थित बिट्स पिलानी (केके बिड़ला गोवा परिसर) में गुरुवार को 20 वर्षीय छात्र ऋषि नायर अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाया गया। पुलिस के अनुसार, मोबाइल कॉल का जवाब न मिलने पर छात्रावास का दरवाजा तोड़ा गया, जहां ऋषि को बिस्तर पर बेसुध हालत में पाया गया। यह घटना परिसर में पिछले 10 महीनों में पांचवीं और एक महीने के भीतर दूसरी मौत है। जानकारी के मुताबिक, ढाई महीने पहले हैदराबाद में प्रेमिका की आत्महत्या के बाद ऋषि अवसाद में चला गया था। माता-पिता ने उसे गोवा परिसर में शिफ्ट किया था और वो वहीं रह भी रहा था। गुरुवार सुबह उससे जब संपर्क नहीं किया जा सका तो परिजन छात्रावास पहुंचे और उसके बाद ही शव बरामद हुआ। मौत के कारणों की जांच की जा रही है। इससे पहले दिसंबर 2024 से अब तक छात्र ओम प्रियन सिंह, अथर्व देसाई, कृष्णा कसेरा और कुशाग्र जैन की मौत भी छात्रावास में हो चुकी है।

जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित

मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटना पर चिंता जताते हुए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समिति गठित की है। उन्होंने कहा, कि ऐसी घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। जांच रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी। वहीं, कांग्रेस नेता ओलेंसियो सिमोस ने लगातार होती मौतों को लेकर राज्य सरकार और गृह मंत्रालय पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कोर्टालिम क्षेत्र के लोग सदमे में हैं और यह कानून-व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है। उन्होंने विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाने की मांग दोहराई।

सैनी सरकार पर सुरजेवाला का हमला बोले- जंगलराज से भी आगे निकल गया हरियाणा राज्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। भिवानी कोर्ट परिसर में गुरुवार को दिनदहाड़े हुई गोलीबारी ने प्रदेश को दहला दिया। बताया जाता है कि बदमाशों ने कोर्ट में पेशी पर आए रोहतक निवासी युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद अदालत जैसे संवेदनशील स्थल पर सुरक्षा को लेकर विपक्षी नेताओं ने कड़ी चिंता जताई जा रही है। राज्यसभा सांसद कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सूबे की भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए आरोप लगाया है कि भाजपा ने हरियाणा को पूरी तरह से अपराध के आतंक और जंगलराज के अंधेरे में झोंक दिया है। अब प्रदेश में क़ानून का राज तो दूर, न्याय की दहलीज पर भी बेख़ौफ़ होकर कहर बरपाते गुंडो की गोलियों का शोर है। उन्होंने कहा, आज हरियाणा के भिवानी कोर्ट परिसर में बदमाशों ने दिनदहाड़े ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर रोहतक से आए युवक को लहूलुहान कर दिया। हरियाणा में भाजपा के फैलाए गुंडाराज में अब क्या कोर्ट-कचहरी पर भी अपराधियों और माफियाओं का कब्ज़ा हो गया है? भाजपा ने हरियाणा के लोगों की ज़िंदगी अब गुंडों, बदमाशों, अपराधियों और माफियाओं के हवाले करके, पूरा प्रदेश ही सौंप दिया है। सुरजेवाला ने सीएम पर कटाक्ष करते हुए कहा, विपक्ष के नेताओं को धमकाने और हर बात पर चुटकुले सुनाने-कहकहे लगाने वाले हरियाणा के सीएम नायब सैनी सत्ता के महल में मखमली चादर तानकर सोए हैं। वे यही नहीं रुके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी हमला करते हुए उन्होंने कहा, बाकी प्रदेश के लोगों को खोखले वादे और केवल चुनावी झांसे देने वाले पीएम मोदी का तो अगले चुनाव तक हरियाणा से कोई मतलबी नाता है नहीं।

कर्नाटक में ईवीएम नहीं बैलेट पेपर से होगा चुनाव, कांग्रेस की चाल से सकते में आयोग!

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे देश में ईवीएम मशीन से चुनाव और 'वोट चोरी' को लेकर विपक्ष का विरोध जारी है। सरकार से वैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की जा रही है। विपक्ष का कहना है कि ईवीएम से चुनाव में गड़बड़ी हो रही है। हालांकि, चुनाव आयोग ने विपक्ष के दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। आयोग कहा कहना है कि ईवीएम को हैक करना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है, लेकिन इन सबके बीच कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने वैलेट पेपर से चुनाव कराने का फैसला लिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक कैबिनेट ने गुरुवार को राज्य चुनाव आयोग को राज्य में आगामी पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय वैलेट पेपर से कराने की सिफारिश करने के अपने फैसले की घोषणा की। कर्नाटक के कानून और संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने कैबिनेट बैठक के बाद इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि लोगों में ईवीएम को लेकर विश्वास और विश्वसनीयता कम हो रही है।

पाटिल ने वोटर लिस्ट में सुधार को लेकर भी सरकार के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने राज्य चुनाव आयोग द्वारा वोटर लिस्ट में संशोधन को आसान बनाने के लिए जरुरी कानूनी उपाय करने और मौजूदा नियमों में संशोधन करने का फैसला किया है। कानून और संसदीय कार्यमंत्री पाटिल ने बताया कि वैलेट पेपर से चुनाव का फैसला सरकार ने सोच समझ कर लिया है। उन्होंने बताया कि वैलेट पेपर को समर्थन देने का कैबिनेट का यह फैसला बेंगलुरु में पंचायतों और पांच नवगठित नगर निगमों के चुनावों से पहले मतदाता सूची के एसआईआर की सिफारिश के साथ आया है।

पाटिल ने बताया कि स्थानीय निकाय चुनाव अब तक विधानसभा चुनावों के लिए तैयार मतदाता सूचियों पर निर्भर रहे थे। अब एक ऐसी पद्धति डेवलप की जाएगी, जिससे लोगों की निर्भरता नहीं रहेगी। इसके लिए राज्य चुनाव आयोग को सिफारिश भेजा जाएगा।

पाटिल ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में कर्नाटक और पूरे देश में मतदाता सूची में बेमेल, नाम जोड़ने और हटाने के कारण वोट चोरी की व्यापक चिंताएं रही हैं। उन्होंने कहा कि अब हमने राज्य निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची में संशोधन करने की सिफारिश करने का फैसला लिया है, ताकि यह तय किया जा सके कि कर्नाटक में मतदाताओं को मतदान करने के अवसर से वंचित न किया जाए।

दुबई के साईं भक्त ने 1 करोड़ 58 लाख रुपये का सोना दान किया

शिरडी (एजेंसी)। श्रद्धा और धैर्य का महामंत्र देने वाले शिरडी के साईं बाबा के दर्शन के लिए हर साल देश-विदेश से करोड़ों भक्त शिरडी आते हैं। इस अवसर पर भक्त साईं बाबा को उदारतापूर्वक दान देते हैं। शिरडी के साईं बाबा को 2008 में हैदराबाद के आदिनारायण रेड्डी ने एक स्वर्ण सिंहासन भेंट किया था। तब से, इसे साईं बाबा को मिला सबसे बड़ा दान माना जाता था। लेकिन 17 साल बाद, आज एक बार फिर, दुबई के एक साईं भक्त ने 1 किलो 623 ग्राम 600 मिली ग्राम वजन के दो सुनहरे ओम साईं राम पत्र भेंट किए हैं। इसका मूल्य 1 करोड़ 58 लाख रुपये है और इस भक्त ने गुप्त दान किया है और साईं बाबा संस्थान से अपना नाम उजागर न करने का अनुरोध किया है। संस्थान से जुड़े सूत्र बताते हैं कि दुबई का ये भक्त, जिन्होंने साईं बाबा को सोना चढ़ाया है, साईं बाबा की समाधि के दर्शन के लिए हर महीने शिरडी आते हैं। वे आरती में भी शामिल होते हैं। साईं दर्शन के बाद, वे हमेशा संस्थान को लगभग 1 लाख रुपये का दान देते हैं। वे कई वर्षों से साईं बाबा को सोने की कोई वस्तु दान करना चाहते थे। आखिरकार, गुरुवार के पावन दिन, उन्होंने दो सुनहरे ओम साईं राम पत्र अर्पित करके अपनी इच्छा पूरी की। दुबई के इस भक्त द्वारा दिए गए स्वर्ण दान को साईं बाबा संस्थान ने समाधि मंदिर के दोनों द्वारों पर स्थापित किया है जहाँ से भक्त दर्शन के बाद बाहर निकलते हैं। इससे भक्त मंदिर से बाहर निकलते समय ? साईं राम का जाप करते हैं। इस दान की जानकारी देते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर ने कहा, यह भक्त चाहता था कि उसका दान गुप्त रहे। इसलिए, उसके नाम की घोषणा नहीं की गई है। इस अवसर पर संस्थान द्वारा भक्त को शॉल, साईं मूर्ति और उदी भेंटकर सम्मानित किया गया।

तेजस्वी के डांस पर बड़े भाई तेज प्रताप का सियासी तंज! हर किसी का अपना हुनर है, श्रीकृष्ण भी नाचते थे

मुंबई (एजेंसी)। इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पूर्वी राज्य बिहार में चल रही सियासत के बीच, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव विपक्ष की मतदाता अधिकार यात्रा के समापन के एक दिन बाद, पटना के मरीन ड्राइव एक्सप्रेसवे पर लड़कों के साथ नाचते नज़र आए। यह वीडियो उनकी बहन रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर शेयर किया और वायरल हो गया। तेजस्वी खुशी-खुशी ग्रुप में शामिल हो गईं और उन्होंने कुछ ट्रेंडिंग डांस स्टेप्स सीख लिए और यहां तक ??कि बॉलीवुड अभिनेता और शीर्ष डांसर ऋतिक रोशन के सिग्नेचर स्टेप्स की नकल करने की भी कोशिश की।

हालांकि, इसको लेकर सियासत तेज हो गई है। तेजस्वी यादव के बड़े भाई तेज प्रताप यादन ने भी उनपर तंज कसा है। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने तेजस्वी यादव के नाचते हुए वायरल वीडियो पर कहा कि अगर वह नाच रहे हैं तो मैं क्या कर सकता हूं? अगर वह नाचना चाहते हैं, तो वह नाचेंगे। उन्हें कौन रोक सकता है? कई बार ऐसा होता है जब मैं बांसुरी बजाता हूं। हर किसी का अपना कौशल होता है... युवा नृत्य करने के लिए प्रेरित होंगे। श्री कृष्ण भी नाचते थे।

वीडियो में तेजस्वी यादव को एक समर्पित प्रशिक्षु की तरह युवा लड़कों से ट्रेंडी डांस स्टेप्स सीखते हुए देखा जा सकता है, जो उन्हें युवा पीढ़ी का एक सच्चा नेता बनाता है। वीडियो शेयर करते हुए, यादव ने लिखा, ÷16 दिवसीय मतदाता अधिकार यात्रा कल गर्मी, बारिश और उमस के बीच संपन्न हुई। रात में, सिंगापुर से मेरे भतीजे ने सुझाव दिया कि हम ड्राइव पर चलें। रास्ते में, हमें कुछ युवा कलाकार मित्र मिले जो गा रहे थे और रील बना रहे थे। उन्होंने हमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, इसलिए हमने कोशिश की। हम सब मिलकर, युवाओं की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं, सपनों और आशाओं के साथ तालमेल बिठाते हुए, जाति और धर्म से ऊपर उठकर, सद्भाव, सरलता और सहजता से काम करेंगे और सरकार में बदलाव के माध्यम से एक नया बिहार बनाने का संकल्प लेंगे।÷

ज्ञानवापी, काशी और मथुरा पर बातचीत के लिए तैयार, महमूद मदनी ने आरएसएस के सुझाव का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने शुक्रवार को मुस्लिम समुदायों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बीच बातचीत का समर्थन किया और संवेदनशील धार्मिक मुद्दों पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हालिया टिप्पणियों का स्वागत किया। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, एक इस्लामिक विद्वान ने कहा कि उनके संगठन ने पहले ही बातचीत के पक्ष में एक प्रस्ताव पारित कर दिया है, और इस बात पर ज़ोर दिया है कि मतभेद तो हैं, लेकिन उन्हें कम करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

मदनी ने एएनआई को बताया कि बहुत सारे किंतु-परंतु हैं। मेरे संगठन ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि बातचीत होनी चाहिए। मतभेद हैं, लेकिन हमें उन्हें कम करने की ज़रूरत है... हम बातचीत के सभी प्रयासों का समर्थन करेंगे। हाल ही में, आरएसएस प्रमुख ने ज्ञानवापी और मथुरा-काशी पर बयान दिए। मुस्लिम समुदाय तक पहुँचने के उनके प्रयासों की प्रशंसा और सराहना की जानी चाहिए। हम सभी प्रकार की बातचीत का समर्थन करेंगे। ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा-काशी विवाद पर भागवत की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए, मदनी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस तरह की बातचीत को मान्यता मिलना ज़रूरी है।

इससे पहले, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि राम मंदिर संघ द्वारा आधिकारिक रूप से समर्थित एकमात्र आंदोलन है, हालाँकि सदस्यों को काशी और मथुरा आंदोलनों की वकालत करने की अनुमति है। उन्होंने भारत में इस्लाम की स्थायी उपस्थिति पर ज़ोर दिया, जनसांख्यिकी संतुलन के लिए प्रत्येक भारतीय से तीन बच्चे पैदा करने का आग्रह किया, और नागरिकों के लिए नौकरियों की वकालत करते हुए, असंतुलन के लिए धर्मांतरण और अवैध प्रवासन को ज़िम्मेदार ठहराया।

मदनी ने हाल के वर्षों में राजनीतिक भाषा और विमर्श के स्तर में गिरावट की भी आलोचना की। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि विपक्षी नेताओं और राज्य के नेताओं सहित सभी राजनीतिक दल के नेता अनुचित और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। मौलाना मदनी ने पहलगाम आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करने के लिए देश के नागरिक समाज को भी श्रेय दिया और कहा कि अगर यह घटना किसी और देश में हुई होती, तो बहुत अराजकता फैल जाती।

तेजस्वी का बड़ा आरोप कहा- बिहार तो छोड़िए एक वार्ड तक बंद नहीं करा सकती भाजपा

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मां की गाली देने के विरोध में एनडीए के बिहार बंद को राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने विफल बताया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बिहार बंद कराना तो बहुत दूर की बात है भाजपा पंचायत का एक वार्ड तक बंद नहीं करा पाई। उनका बिहार बंद पूरी तरह फेल हो गया है। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी ने कल बिहार में दुनिया भर की गुंडागर्दी की। भाजपाई गुंडों ने सरेआम महिलाओं को पीटा, शिक्षिकाओं को पीटा, गर्भवती महिलाओं को रोका, बुजुर्गों को धक्का दिया, छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार किया, बच्चों को स्कूल जाने से रोका, एम्बुलेंस को रोका, शहीद के परिजनों को पीटा लेकिन फिर भी ये लोग एक वार्ड तक बंद नहीं करा पाए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि जैसे उनकी रैली में पुलिस और प्रशासन पर दबाव दिया जाता है, उसी तरह बिहार बंद के लिए भी पुलिस को बोल देना चाहिए था। वे ही ट्रैफिक रुकवा देते। तेजस्वी ने कहा, गुजरात के रहने वाले मोदी ने वोट की खेती के लिए बिहार बंद में आम बिहारियों को परेशान करने का मस्ती भरा निर्णय ले लिया। बता दें कि बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इससे पहले भाजपा और विपक्षी दल अपनी जमीन मजबूत करने के लिए पूरी ताकत से मैदान में उतर गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को गाली देने के विरोध में एनडीए ने बिहार बंद का आव्हान किया था। जिसे एनडीए सफल बता रहा है और विपक्ष का दावा है कि बिहार बंद पूरी तरह फेल हो गया है।

कर्नाटक सरकार पहली बार करा रही लैंगिक अल्पसंख्यकों का सर्वेक्षण

-सर्वे में विभागीय अधिकारियों के साथ, ट्रांसजेंडर के सदस्य भी लेंगे भाग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने गुरुवार को पहली बार लैंगिक अल्पसंख्यकों के शुरुआती सर्वेक्षण की शुरुआत की। ये सर्वे राज्य के सभी जिलों में कराए जाएंगे। इस सर्वे के साथ पूर्व देवदासियों का फिर सर्वेक्षण भी किया गया है। हालांकि पूर्व देवदासियों का सर्वे सिर्फ 15 जिलों में होगा। पहली बार हो रहे इस सर्वे में विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ, ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्य भी भाग लेंगे। यह सर्वेक्षण 15 सितंबर से शुरू होगा और 45 दिनों तक चलेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये सर्वेक्षण उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के बारे में सटीक जानकारी एकत्र करने और सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक पुनर्वास प्रदान करने के लिए किए जाएंगे, जिन जिलों में पूर्व देवदासियों के सर्वे कराए जाएंगे, उनमें बेलगावी, विजयपुरा, बागलकोट, रायचूर, कोप्पल, धारवाड़, हावेरी, गडग, कलबुर्गी, यादगीर, चित्रदुर्ग, दावणगिरि, शिवमोग्गा, बल्लारी और विजयनगर शामिल हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि कर्नाटक राज्य महिला विकास निगम द्वारा किए जा रहे दोनों सर्वेक्षण 15 सितंबर को शुरू होंगे और 45 दिनों के अंदर पूरे हो जाएंगे। सर्वेक्षण कराने की तैयारी का काम पहले ही पूरा हो चुका है। इस प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए, सरकार ने दो ऐप तैयारी किए हैं और एक हेल्पलाइन नंबर (1800 599 2025) भी शुरू किया है।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि लैंगिक अल्पसंख्यकों का सर्वेक्षण राज्य भर के सभी तालुका सरकारी अस्पतालों और जिला सरकारी अस्पतालों में किया जाएगा, जबकि पूर्व देवदासी महिलाओं का पुनः सर्वेक्षण 15 जिलों के तालुका बाल विकास परियोजना अधिकारियों के कार्यालयों में किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि देवदासी पुनर्वास परियोजना इकाई के अधिकारी स्तर के कर्मचारी पूर्व देवदासी महिलाओं का सर्वेक्षण करेंगे।

बता दें लैंगिक सर्वेक्षण वह प्रक्रिया है जिसमें किसी संगठन, समाज या कार्यस्थल में पुरुष, महिला, ट्रांसजेंडर, नॉन-बाइनरी आदि के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है उस बारे में जानकारी जुटाना है। इसके अलावा भेदभाव, अवसर, वेतन और अन्य जनसांख्यिकीय पहलुओं पर जानकारी इकट्ठा करना है। ये सर्वेक्षण लैंगिक असमानताओं की पहचान करने, पूर्वाग्रहों को उजागर करने और अधिक न्यायसंगत व समतापूर्ण कार्यस्थल बनाने में मदद करते हैं। सिद्धारमैया सरकार ने लैंगिक अल्पसंख्यकों के भेदभाव का पता लगाने के लिए यह सर्वे शुरू कराने का फैसला किया है, जिसे अल्पसंख्यक महिलाओं को रिझाने का एक सियासी दांव समझा जा रहा है। इससे पहले सिद्धरमैया सरकार ने सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4 फीसदी आरक्षण देने का बिल पास किया था।

पश्चिम बंगाल में नया बवाल: टीएमसी कुणाल घोष और भाजपा के मिथुन चक्रवर्ती के बीच तनातनी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के एक धाकड़ नेता और विपक्षी भाजपा के एक दमदार चेहरे के बीच तकरार छिड़ गई है और मामला हाई कोर्ट तक जा पहुंचा है। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने गुरुवार को कहा कि उन्हें पता चला है कि अभिनेता से भारतीय जनता पार्टी नेता बने मिथुन चक्रवर्ती ने कलकत्ता हाई कोर्ट में उनके खिलाफ 100 करोड़ रुपये की दीवानी मानहानि का मुकदमा दायर किया है। बता दें कि यहां अगले साल यानी 2026 में विधानसभा चुनाव होने हैं इसके साथ ही आए दिन नए नए बवाल भी शुरु हो गए हैं।

टीएमसी के वरिष्ठ नेता घोष ने कहा कि उन्होंने भी चक्रवर्ती के खिलाफ बैंकशाल अदालत में आपराधिक मानहानि का मुकदमा दायर करवा दिया है, जिसमें अभिनेता द्वारा उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें अभी तक चक्रवर्ती के वकील से कोई नोटिस नहीं मिला है और वह अदालत में मुकदमे की सुनवाई का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। घोष ने कहा कि उन्हें सूत्रों से पता चला कि चक्रवर्ती ने उनके खिलाफ उच्च न्यायालय में दीवानी मानहानि का मुकदमा दायर किया है। चक्रवर्ती ने पहले घोष को एक कानूनी नोटिस भेजा था। घोष के वकील अयान चक्रवर्ती ने कहा कि उन्होंने नोटिस का जवाब पहले ही भेज दिया था। घोष ने कहा कि जब चक्रवर्ती का मुकदमा सुनवाई के लिए आएगा, तो वह उच्च न्यायालय से अभिनेता के खिलाफ लगाए गए आरोपों की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग करेंगे। सूत्रों के अनुसार, मिथुन चक्रवर्ती ने दावा किया है कि कुणाल घोष ने जानबूझकर राजनीतिक द्वेष के तहत उनके और उनके परिवार के खिलाफ झूठे और दुर्भावनापूर्ण टिप्पणियां कीं। घोष ने कथित तौर पर टिप्पणी की थी कि अभिनेता चिटफंड घोटाले में शामिल थे और जांच से बचने के लिए तृणमूल छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे।

चीन ने बीजिंग से दिए कई संदेश, इधर भारत 53 देशों के साथ बैठक कर दिखाई अपनी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में दो घटनाएं ऐसी हुई हैं, जिनकी पूरी दुनिया में चर्चा हो रही। एक तो चीन की राजधानी बीजिंग में हुई मिलिट्री परेड और दूसरी भारत में 53 देशों के प्रतिनिधियों ने बैठक कर बड़ी कार्ययोजना पर चर्चा की। दोनो ही घटनाओं शक्ति सामर्थ और एकजुटता से जुड़े हुए संदेश थे। सबसे पहले बात करते हैं चीन की। जहां चीन ने कुछ दिनों पहले ही मिलिट्री परेड का आयोजन किया था। इस शक्ति प्रदर्शन में दुनिया के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने शिरकत की थी। एक्सपर्ट की नजर में इसका सबसे बड़ा मकसद अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देशों को संदेश देना था कि चीन अब झुकने वाला नहीं है। वहीं, फाइटर जेट से लेकर अल्ट्रा मॉडर्न टेक्नोलॉजी से लैस मिसाइल को दुनिया के सामने पेश कर राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने यह संदेश भी दे दिया कि चीन अब डिफेंस तकनीक के क्षेत्र में भी पीछे नहीं है। इससे अमेरिका समेत तमाम वेस्टर्न पावर में खलबली मची हुई है।

इधर, राजधानी दिल्ली में 53 देशों के 67 प्रतिनिधियों का महाजुटान हुआ है। इस महाकार्यक्रम में कई मसलों पर विचार-विमर्श हुआ। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा से जुड़ी अपने तरह की यह पहली महाबैठक थी। इंडियन आर्मी ने दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में विदेशों से भारत में तैनात रक्षा अताशे के लिए वार्षिक ब्रीफिंग आयोजित की। इस मौके पर समकालीन वैश्विक शांति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों तथा उन पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया गया। सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि इस कार्यक्रम में 53 देशों से आए 67 रक्षा अताशे शामिल हुए। इस दौरान भारत की सुरक्षा नीतियों, रणनीतिक प्राथमिकताओं और वैश्विक चुनौतियों के प्रति दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में भारत के सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी हिस्सा लिया और विदेशी अताशे के साथ बातचीत की। उन्होंने उभरते क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों, भारत की रणनीतिक सोच और भारतीय सेना की प्राथमिकताओं पर अपने विचार साझा किए। सेना ने बताया कि इन चर्चाओं से रक्षा सहयोग को बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक शांति व स्थिरता की दिशा में साझा समझ विकसित होगी। भारतीय सेना ने ब्रीफिंग के दौरान आत्मनिर्भर भारत अभियान और स्वदेशी रक्षा उत्पादन की दिशा में हो रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। अधिकारियों के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य न केवल भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना है बल्कि मित्र देशों के साथ सहयोग के नए आयाम भी स्थापित करना है।

सेना द्वारा साझा की गई तस्वीरों में विदेशी रक्षा अताशे और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को विभिन्न सत्रों में भाग लेते हुए देखा जा सकता है। कार्यक्रम ने भागीदार देशों के प्रतिनिधियों को भारत की सैन्य दृष्टि और दीर्घकालिक रणनीतिक दिशा को बेहतर ढंग से समझने का अवसर दिया। भारतीय सेना के मुताबिक, इस तरह के संवाद से आपसी विश्वास और सहयोग की भावना को बल मिलता है। साथ ही यह अवसर वैश्विक स्तर पर शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने वाली सामूहिक पहल को मजबूत करता है। करीब चार घंटे चले इस वार्षिक सत्र में रक्षा अताशे ने भारतीय सैन्य नेतृत्व के साथ कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया और भविष्य में रक्षा साझेदारी को गहरा करने पर सहमति जताई।

दिल्ली की सड़कों पर 36 साल बाद लौटेंगी डबल डेकर बसें

दिल्ली। राजधानी दिल्ली की सड़कों पर 36 साल बाद डबल डेकर बसों की वापसी होगी। 1989 में पुराने बेड़े की जर्जर हालत और सीएनजी युग की शुरुआत के चलते इन्हें बंद कर दिया गया था। अब दिल्ली सरकार इन्हें इलेक्ट्रिक स्वरूप में दोबारा चलाने की तैयारी में है। इसके लिए बसों का ट्रायल रन चुनिंदा रूट पर जल्द शुरू किया जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के लिए अशोक लेलैंड ने डीटीसी को सीएसआर फंड से एक इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस दी है, जिसे ओखला डिपो में खड़ा किया गया है। बस की ऊंचाई 4.75 मीटर और लंबाई 9.8 मीटर है। इसमें 63 से अधिक यात्री एक साथ सफर कर सकते हैं। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बताया कि दो और बसें जल्द मिलने की उम्मीद है। पूर्व उपायुक्त (परिवहन विभाग) अनिल छिकारा का कहना है कि डबल डेकर बस की वापसी तकनीकी और इंफ्रास्ट्रक्चर की चुनौतियों से निपटने के बाद ही संभव होगी। यह पहल दिल्लीवासियों को सुनहरे दिनों से जोड़ेगी। ट्रायल के दौरान बैटरी की परफॉर्मेंस, रूट पर सुरक्षा और यात्रियों की सुविधा का आकलन किया जाएगा। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। फ्लाईओवर की ऊंचाई, सड़कों पर लटकी पेड़ों की टहनियां और ओवरहेड बिजली की तारें इन बसों के संचालन में बाधा बन सकती हैं। इसके लिए डीटीसी अधिकारी रूट मैपिंग कर रहे हैं ताकि सुरक्षित मार्ग तय किया जा सके। राजधानी में डबल डेकर बसों का संचालन 1949 में डीटीसी के अधीन शुरू हुआ था। पीले, हरे और लाल रंग की ये बसें दिल्ली की शान हुआ करती थीं। भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे कश्मीरी गेट, पुरानी दिल्ली, करोल बाग और कनॉट प्लेस तक पहुंचने के लिए लोग अक्सर इन्हीं बसों को चुनते थे। यात्रियों के लिए ऊपरी डेक से दिल्ली की गलियों और बाजारों का नजारा अविस्मरणीय अनुभव होता था। दिल्ली सरकार का दावा है कि इलेक्ट्रिक डबल डेकर बसों की वापसी पर्यावरण हितैषी और जनता के अनुकूल कदम है। इससे न सिर्फ यात्रा सुगम होगी बल्कि दिल्ली के आधुनिक, ऐतिहासिक रूप को एक साथ जोड़ने का अवसर मिलेगा।

ट्विनसिटी को साफ व स्वच्छ बनाने में हर शहरवासी करें सहयोग

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली/यमुनानगर। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को सफल बनाने को लेकर मेयर सुमन बहमनी ने बीरवार को निगम अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने अधिकारियों से स्वच्छता अभियान को लेकर शहर की जा रही विभिन्न गतिविधियों, जागरूकता अभियान व अन्य कार्यकलापों की जानकारी ली। वहीं, शहर की सफाई व्यवस्था, पानी निकासी, डोर टू डोर कचरा प्रबंधन, कैल कचरा प्लांट में कचरा निस्तारण, सफाई कर्मचारियों की संख्या में बढ़ोतरी करने, संसाधन बढ़ाने समेत विभिन्न विषयों पर गहनता से चर्चा की। मेयर सुमन बहमनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान को कामयाब बनाने के लिए अधिक से अधिक शहरवासियों को स्वच्छता अभियान से जोड़े। सरकार द्वारा चलाए गए इस अभियान में सभी शहरवासियों के सहयोग से ट्विनसिटी को सुंदर, साफ व स्वच्छ बनाने का काम करें। बैठक में सबसे पहले मेयर ने स्वच्छता अभियान को लेकर की जा रही गतिविधियों की जानकारी ली। विशेष अधिकारी (सफाई) अनिल कुमार यादव (एचसीएस) व अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने मेयर बहमनी को बताया कि अभियान के तहत शहर के सभी बाजारों, चौकों, मार्गों व सड़कों को साफ, सुंदर व अतिक्रमण मुक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिए पहले ट्विनसिटी के सभी बाजारों के दुकानदारों, सब्जी मंडी व अन्य सामाजिक संस्थाओं के साथ बैठक कर उन्हें सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने की अपील की गई है। बाजारों में डोर टू डोर जाकर अतिक्रमण न करने, सूखा व गीला कचरा अलग अलग रखने के लिए दो डस्टबिन रखने, प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने, खुले में कचरा न डालने के बारे में समझाया जा रहा है। अभी लोगों को हाथ जोड़कर समझाया जा रहा है। निगम के इस अभियान में अधिकतर दुकानदार व शहरवासी सहयोग कर रहे हैं। जो सहयोग नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निगम की टीमें घर-घर जाकर भी लोगों को कचरा केवल निगम के वाहनों में ही डालने के लिए जागरूक कर रहे हैं। बेसहारा पशुओं को पकड़ा जा रहा है। अभियान के दौरान 70 से अधिक बेसहारा पशुओं को पकड़कर गोशाला में पहुंचाया जा चुका है। हर वार्ड में मुख्य मार्गों, गलियों, नालियों की सफाई की जा रही है। खाली प्लॉटों में जमा गंदगी, उगी झाड़ियों को साफ किया जा रहा है। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि सभी अधिकारी मिलकर इस अभियान को कामयाब बनाएं। सरकार द्वारा चलाया गया यह अभियान तभी कामयाब होगा, जब हमारा शहर का अलग रूप निकलकर सामने आए। हर वार्ड, कॉलोनी, मार्ग, चौक व बाजार चकाचक होंगे। मेयर बहमनी ने आमजन से अपील की कि वे अपने घर व दुकान के बाहर सामान रखकर अतिक्रमण न करें। खुले में कचरा न फेंके। गीला व सूखा कचरा अलग अलग करके निगम के वाहनों में डाले। शहर को सुंदर व साफ बनाने में निगम का सहयोग करें। मौके पर सीएसआई हरजीत सिंह, सीएसआई विनोद बेनीवाल व अन्य मौजूद रहे।

बिजवासन में बनेगा पहला डॉग शेल्टर

नई दिल्ली। एमसीडी ने दिल्ली में पहला डॉग शेल्टर बिजवासन इलाके में बनाने की योजना तैयार की है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। इसके अलावा उसने द्वारका में कुत्तों की नसबंदी सेंटर का विस्तार करने का निर्णय लिया है। यहां पर काफी जगह है और उसमें एक नई यूनिट स्थापित हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में आदेश दिए थे कि लावारिस और आक्रामक कुत्तों को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि एक ओर जहां नसबंदी कार्यक्रम को तेज किया जाए, वहीं दूसरी ओर ऐसे खतरनाक कुत्ते जिनसे लोगों की सुरक्षा को खतरा है, उन्हें अलग रखकर शेल्टर होम में रखा जाए। इन्हीं निर्देशों के तहत एमसीडी ने बिजवासन में पहला शेल्टर बनाने की पहल शुरू की है। दो दिन पहले एमसीडी की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने प्रस्तावित स्थल का दौरा किया था। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस शेल्टर के निर्माण में देरी न हो। इस शेल्टर में न केवल आक्रामक और खतरनाक कुत्तों को रखा जाएगा, बल्कि यहां नसबंदी, इलाज और देखभाल की भी पूरी व्यवस्था होगी। इसी कड़ी में सत्या शर्मा ने द्वारका स्थित नसबंदी केंद्र में भी एक और नई यूनिट शुरू करने का आदेश दिया है। अभी यहां सिर्फ एक यूनिट ही चल रही है जबकि पर्याप्त जगह उपलब्ध है। नई यूनिट के शुरू होने से नसबंदी की गति और तेज होगी और आसपास के इलाकों में डॉग बाइट के मामलों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

बच्चे की गर्दन पर चाकू रखकर डिलीवरी बॉय ने खींचीं महिला की अश्लील तस्वीरें

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र की एक सोसाइटी में रहने वाली महिला ने डिलीवरी बॉय पर अश्लील फोटो व वीडियो बनाने और सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि आरोपी गौरव ने बच्चे की गर्दन पर चाकू रखकर उसके कपड़े उतरवाकर अश्लील फोटो व वीडियो बना ली थी। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने महिला की अश्लील फोटो पति को भेज दी। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी का सोसाइटी के पास ही सैलून है। वह घरों में सामान डिलीवरी करने का काम भी करता था। शहर की एक सोसाइटी में रहने वाली महिला के पति अहमदाबाद की एक निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। वो वही पर रहता है। महिला ने केस दर्ज कराकर आरोप लगाया है कि गुलिस्तानपुर गांव में गौरव नाम के लड़के का सैलनू है। वो सोसाइटी में दूध की डिलीवरी भी करता था। उसने भी दूध मंगवाना शुरू कर दिया। कभी घर का सामान भी मंगवा लेती थी। आरोप है कि एक दिन वो घर आया। तब बच्चे सो रहे थे। आरोपी ने बेटे की गर्दन पर चाकू रख दिया और जबरन उसके कपड़े उतरवाकर अश्लील वीडियो बना ली। बच्चे को मारने की धमकी देकर जबरदस्ती अपनी कहीं बातें वीडियो पर बुलवाकर रिकॉर्ड कर लिया। बेटी को गायब करने की धमकी दी। आरोप है कि आरोपी वीडियो की धमकी देकर बार-बार घर आने लगा और अश्लील हरकतें करता था। वीडियो को पति के पास भेजने की धमकी दी। एक दिन रात में भी बालकनी से कूदकर अंदर आ गया था। उसके बाद उसका घर में आना बंद हो गया, लेकिन वो जान से मारने व वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा।

दो और पेंटेड स्टॉर्क, ब्लैक नेक्ड आइबिस के नमूने मिले पॉजिटिव

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (दिल्ली चिड़ियाघर) में रविवार को हुए परीक्षण में दो पेंटेड स्टॉर्क और दो ब्लैक-नेक्ड आइबिस के नमूने एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) वायरस के लिए पॉजिटिव पाए गए। तीन पेंटेड स्टॉर्क और एक ब्लैक-नेक्ड आइबिस को उपचार के लिए बाड़े से अलग कर निगरानी में रखा गया है। अब तक जल पक्षी बाड़े में छह पेंटेड स्टॉर्क, दो ब्लैक-नेक्ड आइबिस और चार अन्य प्रवासी पक्षियों की मौत हो चुकी है। चिड़ियाघर प्रबंधन की ओर से एवियन इन्फ्लूएंजा एच5एन1 के प्रसार को रोकने के लिए गहन निगरानी और सख्त जैव-सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं। रविवार जल पक्षी बाड़े में किसी भी पक्षी या प्रवासी पक्षी की मृत्यु नहीं हुई है। चिड़ियाघर में एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि होने के बाद इसे बीते शनिवार से दर्शकों के लिए अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया है। यह कदम पेंटेड स्टॉर्क और ब्लैक-नेक्ड आइबिस की मौत के बाद लिया गया था, जिनके नमूनों में गुरुवार रात भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान की जांच में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई थी। चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू का यह तीसरा मामला है। इससे पहले 2016 और 2021 में भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बाघ, शेर और उनके शावकों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। चिड़ियाघर के निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में निगरानी और जैव-सुरक्षा उपायों को बढ़ा दिया गया है। निगरानी दल दिन में दो बार परिसर का सर्वेक्षण कर रहे हैं, और अन्य दल प्रवासी पक्षियों के बाड़ों, तालाबों और चारागाहों की सफाई और कीटाणुशोधन कर रहे हैं। अब तक एवियन इन्फ्लूएंजा संक्रमण के कारण 12 पक्षियों की मौत हो गई है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से जानवरों के स्वास्थ्य और व्यवहार पर नजर रखी जा रही है। कर्मचारियों को दस्ताने, मास्क, सुरक्षात्मक सूट और जूते के कवर उपलब्ध कराए गए हैं। तीन पेंटेड स्टॉर्क और एक काली गर्दन वाले आइबिस को उपचार के लिए अलग कर दिया गया है और वे निगरानी में हैं। रविवार तक, छह पेंटेड स्टॉर्क और दो काली गर्दन वाले आइबिस जलीय पक्षीशाला में मर चुके थे, जबकि चार प्रवासी पेंटेड स्टॉर्क तालाबों में मर चुके थे। अधिकारियों ने बताया कि दो पेंटेड स्टॉर्क और दो आइबिस के नमूनों में एच 5एन1 वायरस पाया गया। बीते बृहस्पतिवार को दो काली गर्दन वाले आइबिस की मौत हो गई और उनके नमूने राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (एनआईएचएसएडी), भोपाल भेजे गए। रिपोर्टों से पुष्टि हुई कि वे एच5एन1 एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस से संक्रमित थे। शुक्रवार को पेंटेड स्टॉर्क में भी बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद, चिड़ियाघर के अधिकारियों ने परिसर को अस्थायी रूप से जनता के लिए बंद कर दिया।

बाढ़ पीड़ितों को मदद और निगरानी 24×7 जारी: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री का स्पष्ट कहना था कि इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावितों की जान-माल की रक्षा करना हमारी सरकार का प्रमुख दायित्व है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगातार बारिश के कारण यमुना में आई बाढ़ के कारण नदी के निचले इलाकों में बसे लोगों को वहां से हटाना पड़ा। इमारी सरकार ने इन बाढ़ प्रभावितों के लिए राहत शिविरों का इतंजाम किया है और वहां उनका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि सभी डीएम को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं बाढ़ प्रभावित बुजुर्गों, महिलाओं व बच्चों का विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री के अनुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) भी बाढ़ प्रभावित इलाकों में लगातार निगरानी रख रहा है। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि आवश्यकता पड़ने पर वे क्षेत्र के सामाजिक संगठनों की भी मदद लें ताकि बाढ़ प्रभावितों को त्वरित व समय पर मदद मिल सके। सभी डीएम को यह भी निर्देश दिए गए हैं बाढ़ प्रभावित किसानों के मवेशियों व अन्य जानवरों को बाढ़ से सुरक्षित रखा जाए और उनके चारे आदि की व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री के अनुसार सरकारी अमला प्रभावित इलाकों की लगातार निगरानी कर यह सुनिश्चित कर रहा है कि किसी प्रकार की गंभीर नुकसान से बचा जा सके। यही हमारी सरकार का नैतिक व प्रशासनिक दायित्व है। उन्होंने डीएम को यह भी निर्देश जारी किए हैं कि वे बाढ़ से प्रभावित फसलों का भी आकलन करें ताकि उन्हें पीड्ति किसानों को उचित मुआवजा देने पर भी गंभीरतापूर्वक विचार किया जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि दिल्ली के सांसद, सरकार के मंत्री, विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जाकर पीड्तिों की मदद कर रहे हैं और समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं। इस जन-सहभागिता से राहत कार्य और अधिक प्रभावी हो रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि हरियाणा के निकटवर्ती इलाकों की दो-एक ड्रेनों का पानी दिल्ली के सीमावर्ती इलाकों के खेतों आदि में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने संबंधित डीएम को निर्देश जारी किए हैं, इस मसले का जल्द समाधान किया जाए और हरियाणा के संबंधित विभागों के अधिकारियों से बात कर वहां की ड्रेनों का सिस्टम ठीक करवाया जाए। डीएम ने सूचित किया है कि वहां कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट कहना है कि बाढ़ पीड्तिों के जीवन और उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। लगातार बारिश और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा पर सरकार का पूरा तंत्र सक्रिय है। वरिष्ठ अधिकारियों, आपदा प्रबंधन दल और स्वास्थ्य सेवाओं की टीमें हर समय तैयार हैं। किसी भी प्रकार की आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए हमारी सरकार पूरी तरह तैयार है।

शिक्षक प्रधानमंत्री के 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'अमृतकाल' विजन के प्रेरक हैं: विजेंद्र गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

शिक्षक इस दृष्टि को साकार करने वाली प्रेरक शक्ति हैं जो ऐसे नागरिक का निर्माण करते है जो न केवल कुशल हों बल्कि मूल्यों, नैतिकता और राष्ट्रीय गौरव में रचे-बसे हों। गुप्ता ने ज़ोर देकर कहा कि शिक्षकों में निवेश करना, राष्ट्र के भाग्य में निवेश करना है। उन्होंने शिक्षकों को अधिक मान्यता, संसाधन और सम्मान दिए जाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिनका योगदान अक्सर अनदेखा रह जाता है, लेकिन वे समाज पर अमिट छाप छोड़ते हैं। अपने वक्तव्य के अंत में, विजेंद्र गुप्ता ने देश के सभी शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएँ और अभिनंदन अर्पित करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनका ज्ञान, समर्पण और मार्गदर्शन भारत को एक विकसित और मूल्य-प्रधान राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रकाशमान करता रहेगा।

फोनपे डाउनलोड करवाकर 13.85 लाख की ठगी

नई दिल्ली। फोन-पे कस्टमर केयर नंबर गूगल पर सर्च करना सख्स को भारी पड़ गया। वहां से मिलने वाले नंबर पर फोन कर पीड़ित ने जब अपनी दिक्कत बताई तो आरोपियों ने एपीके फाइल भेजकर इसके जरिए फोन-पे डाउनलोड करने के लिए कहा। ऐसा करने पर तीन दिनों में पीड़ित के खाते से 13.85 लाख रुपये निकल लिए गए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने दो आरोपियों उमर मुख्तार और असलम उर्फ बाबा उर्फ मोहम्मद साहिर काजमी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के खाते में 1.90 लाख रुपये फ्रीज किए हैं। इसके अलावा इनके पास से छह बैंक अकाउंट, स्कूटी, पांच मोबाइल फोन, दो डेबिट कार्ड, आधार कार्ड और 20 पीपी फोटो भी बरामद हुए हैं। बाकी बैंक खातों की पड़ताल की जा रही है। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि वसुंधरा एंक्लेव निवसी कमला पति राम ने ठगी की शिकायत साइबर थाने में की थी।

15 जुलाई को पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन की तो उमर मुख्तार और असलम के नाम सामने आए। मंगलवार को पुलिस ने दोनों को उत्तम नगर से दबोच लिया। उमर ने बताया कि वह रैन बसेरा में रहता है। उसने असलम के कहने पर अकाउंट खोला था। असलम बिहार में मौजूद साइबर ठगों को मोल अकाउंड और सिमकार्ड उपलब्ध करवाता है। बदले में इनको ठगी की रकम का कमीशन मिलता है।

NAME CHANGE

I, MOHD YASEEN S/o Azimuddin R/o H.No.1531, Wazir Nagar, Kotla Mubarakpur, Delhi-110003 have changed my name to MD YASIN permanently

NAME CHANGE

I, ABHISHEK S/O RAJKUMAR BARI R/O 355 Gali No-3, Near Azad park, Bagh Kare Khan, Kishan Ganj, Malka Ganj, North Delhi, Delhi - 110007, have Changed the Name of my minor Daughter ANAYA aged 6 years and she shall hereafter be Known as AVIKA BARI.

PUBLIC NOTICE

It is for the general public information declared by my client VINOD KUMAR S/O Shripal Singh, Aged about 57 Years, Aadhar No.334413328907 R/o Vill& Post Office Nasirpur, New Delhi, has disowned and debarred his son namely ANKAJ YADAV S/o Sh. Vinod Kumar, Aadhar No.902809878542, Aged about 28 years and his daughter in law Smt. Komal Trivedi W/o Ankaj Yadav, Aadhar No.387163681518, Aged about 29 years from all their moveable and immoveable properties and cancelled all his relation with his as the aforesaid family of ANKAJ YADAV, of my client is totally out of his control and used to harass tourtured and misbehaved with my clients family. My client shall not be held responsible for any of his act, deed and things in whatsoever in any manner and if anyone deals with him/her shall be deal as per his/her own risk, cost and consequences

PUBLIC NOTICE

Mr. Vineet Pratap Chauhan and Mrs. Shivani Chauhan Owner of the Residential House bearing no. 324, Block-H, Sector - Alpha-02, Greater Noida, Mr. Vineet Pratap Chauhan and Mrs. Shivani Chauhan have lost Original GPA executed by Mr. Deep Chand in favour of Mr. R.S. Tiwari duly regd. vide doc no 267, vol no 15, page no 533-542 dated 06.03.2000, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if find the misplaced GPA aforesaid said person may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication.

RAHUL KUMAR GUPTA (ADVOCATE)
Off.: 43B, Third Floor, Patpargang Village, Mayur Vihar Phase-I, Delhi-1
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I MD MANJUR KHAN S/O YAKUB KHAN R/O HOUSE NO A 273 3RD FLOOR J J COLONY INDERPURI CENTRAL DELHI 110012 HAVE CHANGED MY NAME TO MANJUR KHAN

NAME CHANGE

I SHEHNAZ W/O MANJUR KHAN R/O HOUSE NO A 273 3RD FLOOR J J COLONY INDERPURI CENTRAL DELHI 110012 HAVE CHANGED MY NAME TO SHAHNAAZ KHAN

NAME CHANGE

I MOHD SALIM QUDDUS S/O MOHD IKRAM R/O H NO 2918 THIRD FLOOR KALAN MASJID TURKMAN GATE DELHI GPO NORTH DELHI 110006 HAVE CHANGED MY NAME TO ABDUL QUDDUS

NAME CHANGE

I MANZOOR AHMED S/O YAKOOB KHAN R/O HOUSE NO A 273 3RD FLOOR J J COLONY INDERPURI CENTRAL DELHI 110012 HAVE CHANGED MY NAME TO MANJUR KHAN

PUBLIC NOTICE

That Smt. Kranti W/o Sh. Virendra Singh Is The Owner Of Freehold Vacant Residential Plot No.- 48, Area Measuring- 140.23 Sq. Yds., Out Of Khasra No. - 192k, Situated At Balajl Enclave, Village- Beel Akbarpur, Tehsil-Dadri, District.gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh,, Vide Registered Gift Deed Having Doc. No. - 35414 dated-03.07.2025 At Sr Dadri, Gautam Budh Nagar, Executed By Her Husband Sh. Virendra Singh S/o Sh. Mathan Singh. Now She is Selling This Above-mentioned Property And This Property Is Going To Be Mortgage With Ujjvan Small Finance Bank And In This Regard If Any Person/bank/financial Institution Is Having Any Claim, Right, Lien, Any Objection Whatsoever In Regard To Above Property, Should Notified To The Undersigned Along With Documentary Evidence To Below Address Within 07 Days From The Date Of Publication Of This Notice, Failing Which Any Claim, Lien Or Objection Shall Be Deemed To Have Been Waived.

Harshit Goyal, Advocate
A-225, 2nd Floor, Sector-14, Kaushambi, Ghaziabad, U.P - 201010.

NAME CHANGE

I, SHANMUGATHAMMAL Mother of No. 2617355L Rank-LNK Name-MURUGAN S Presently residing at HOUSE NO-1/47, PILLAIYAR KOVIL STREET, VPO-POIGAI, DIST-TENKASI, TAMIL NADU-627852, have changed my name from SHANMUGATHAMMAL to SHANMUGATHAI for all future purposes vide Affidavit dated 05/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SUVARNA SIDDANNA BIRADAR Wife of No. 2617228W Rank-HAV Name-HOSUR MALLIKARJUN BHIMAPPA Presently residing at VPO-SHURPALI, TEH-JAMAKHANDI, DIST-BAGALKOT, KARNATAKA-587119, have changed my name from SUVARNA SIDDANNA BIRADAR to SUVARNA HOSUR for all future purposes vide Affidavit dated 05/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, J PACHAIYAMAL Mother of JC-443309X Rank-NB SUB Name-SELVAM J Presently residing at VILL-SINDIPET, PO-KOTTAPPOONDI, TEH-MELMALAYANUR, DIST-VILUPURAM, TAMIL NADU-604201, have changed my name from J PACHAIYAMAL to PACHAIYAMMAL for all future purposes vide Affidavit dated 05/09/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JAYARAMA GOUNDAR Father of JC-443309X Rank-NB SUB Name-SELVAM J Presently residing at VILL-SINDIPET, PO-KOTTAPPOONDI, TEH-MELMALAYANUR, DIST-VILUPURAM, TAMIL NADU-604201, have changed my name from JAYARAMA GOUNDAR to JAYARAMAN for all future purposes vide Affidavit dated 05/09/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Sher Singh S/O Laxman Singh, R/O 126, Gall No-5, Laxmi Kalan, South West Delhi, Vihar Colony, Near D.K. Depot, Dichaon Delhi-110043, declare that name of my father has been wrongly written as Lakshman Singh in my service record. The actual name of my father is Laxman Singh, respectively which may be amended accordingly

MISSING

I, Abhishek Kumar S/o Rajesh Kumar R/o H.no. 2 Humayu pur, Safdarjung Enclave, South Delhi New Delhi 110029 declare That my Father namely Rajesh Kumar is being missing since 7 years and is probably dead. That the case is pending before the Hon'ble court of Ms. Neha Priya Senior Civil Judge cum Rent Controller South District Saket Court and the NDOH is 06.09.2025

PUBLIC NOTICE

I Saurav Bharadwaj S/o Girish Mohan Bharadwaj R/o Flat No- AG-4, Ground Floor, Tower -A, Himalaya Pride, GH-10B, Techzone -4, Greater Noida West, Bishrakh, PO: l.a. Surajpur Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh - 201306 have changed the name of my minor Daughter Tisya Basnotra aged 14 years and she shall hereafter be known as TISYA BHARADWAJ.

NAME CHANGE

I hitherto known as Vadhi Kumar S/o Brahm Pal Singh R/o BE-254/3, Avantika Colony, Near Chiranjiv Vihar, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201002 have changed my name and shall hereafter be known as Vidhi Kumar.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given on behalf of Mrs. Akansha Singh to inform to the public at large that Mrs. Neelam is purchasing the Plot No. 39, area measuring 60 Sq. Yards, i.e. 50.16 Sq. Meters, out of Khasra No. 1052 Min., Situated at Village Dhargal, Pargana Jalalababad, Tehsil & Dist. Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001 from Mr. Satish Raghav, Mr. Kumar Raghav who became owners after the Death Of Late Mrs. Kiran died on 17.03.2019 and after his death, Mr. Satish Raghav, Mr. Kumar Raghav (sons) and Mrs. Asha Devi (Daughter) are the only legal heirs of Late Mrs. Kiran and there are no other legal heirs except above mentioned and same to be finance & mortgage by Hinduja Housing Finance Ltd., having its Branch at Loni, U.P. So, to comply the requirements of BANK/NBFC, we give this public notice that if any Person having any type of claim /right/title/interest/creating mortgage over the said property, may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within a week from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

Advocate Abhishek Singh
B-82, Ground Floor,
DLF Dilshad Extn.-II,
Bhopura, Ghaziabad, U.P.-201005
Mobile: 7706007066, 9310370510
Email: advabhisingh1993@gmail.com

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, BERENDAR KUMAR S/O Kavilas, R/O PLOT No.76, shis park dichaon kalan depot, NAJAFGARH, South West Delhi, Delhi-110043 declare that name of my minor son has been wrongly written as ARYAN in my minor SON namely ARYAN KUMAR aged 15 years in his school record. The actual name of my minor son is ARYAN KUMAR, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Vijay kumar S/O: Hira Lal, R/O RZ 6,3 gali no 2, veer nagar, west Sagarpur, nangal Raya, SO,West Delhi, Delhi 110046, declare that name of mine has been wrongly written as Vijay in my service record. The actual name of mine is VIJAY KUMAR, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Priti Devi W/O Subhash Kumar, R/O Add-B-34/2 Block-E,F ,B.J J Camp, Okhla indastrial Area, Okhla II, South Delhi, Delhi, 110020, declare that name of mine has been wrongly written written as Preeti Devi in my minor son namely Pratham Singh aged 17 years in his 10th class educational document The actual name of my mother is PRITI DEVI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, NAUSHAD HUSAIN S/O WAHID HUSAIN Residing at H No H NO-A-308 GALI NO-17, JAFRABAD NORTH EAST DELHI 110053 have changed my name to MOHD NOSHAD for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Ashok Kumar S/O: Hari Singh, R/O C-4/256, SULTANPURI, Nithari, North West Delhi, Delhi 110086, declare that name of mine has been wrongly written as Ashok in my minor sons Surya kumar aged 14 years and Aarush aged 12 years in his school record. The actual name of mine is Ashok Kumar, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information I, SUDESH KUMAR SAILANI, S/o RAM KISHAN SAILANI, R/o 58 MATA MOHALLA TEHKHAND VILLAGE Okhla Industrial Estate S.O South Delhi Delhi-110020, declare that name of mine and My Wife has been wrongly written as SUDESH and ANITA in my minor son namely LAKSHIT SAILANI aged 13 years in his School Records. The actual name of mine and my wife are SUDESH KUMAR SAILANI and ANITA SUDESH SAILANI, respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, POONAM DEVI W/O BALRAM SINGH, R/o 14, GALI.NO-8B, BLOCK-A, SINDHU FARM ROAD MEETHAPUR EXTN.. Badarpur, South Delhi, Delhi-110044, declare that name of my minor son has been wrongly written as BKAIT in my minor son namely BIKET KUMAR aged 15 years in his school record. The actual name of my minor son is BIKET KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I hitherto known as MODI BHOOMI W/O ARUN KUMAR GAUR resident of C/O ARUN KUMAR, FIRST FLOOR, PLOT NO-1070, SECTOR - 2, PINEWOOD ENCLAVE, WAVE CITY, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH -201002 have changed my name and shall hereafter be known as BHOOMI MODI.

NAME CHANGE

I, KALPANA RAI W/O VIJAY GARG R/O H.NO-387, SF, NEAR ROTARY PUBLIC SCHOOL, SECTOR-22A, MOLAHERA(65), GURGAON, HARYANA-122015, HAVE CHANGED MY NAME TO KALPANA GARG FOR ALL FUTURE PURPOSE.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, AKASH CHOUDHARY S/O DAYA KISHAN R/O H.NO-27, Pili Koti, Khanpur Village, New Delhi, Delhi-110062 declare that name of mine has been wrongly written as AKASH in my 10th class educational documents. The actual name of mine is AKASH CHOUDHARY which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,Preeti Kaushik W/O Hitesh Kumar, R/O HOUSE NO.-43, EXT. 2 B, NANGLOI, Nilothi, West Delhi, Delhi, 110041,have changed the name of my minor daughter Aradhya aged 13 years and she shall hereafter be known as ARADHYA VASHISTH.

(BEDAKHAL)

I, HARISH son of LATE SH. BHAGAT declare as under that I disowned my Son`s ROHIT GURUNG from my all movable/ immovable/ Patrick properties/assets for his wrong behaviour. I shall not be held responsible for any kind of acts done by him in money or transactions and police cases and criminal activity illegal/legal and property purposes in the future. That he debarred from entering my premises situated at B-86, GALI NO-7, JAGATPURI, KRISHNA NAGAR DELHI-110051.----- It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I,PRAMOD KUMAR JAISWAL S/O RADHEY SHYAM R/O H.NO D-3/27-A, KH NO - 17/25 BLOCK D-3, KUNWAR SINGH NAGAR DELHI-110041, I have changed my name to PRAMOD KUMAR Permanently

NAME CHANGE

I,RADHESHYAM JAISWAL S/O BHAGWAN ,R/O H.NO.D-3/27 -A, KH NO 17/25 BLOCK D-3 , KUNWAR SINGH NAGAR DELHI - 110041, I have changed my name to RADHEY SHYAM Permanently

PUBLIC NOTICE

I, Bhawna D/o Shripal Singh R/o Shri B-416A, Double Story, Brij Vihar, Chander Nagar, Ghaziabad Uttar Pradesh 201011 hereby undertake that I, Bhawna want to change my name to Bhavya Singh and Gender as MALE. I, Bhawna henceforth be known as Bhavya Singh S/o Shripal Singh. The above statement made by me is true and correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage. I will be personally responsible for the same and, the Department of Publication will not liable for any consequences arising therefore.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुनील पुत्र नारायण निवासी बी-25, शालीमार गार्डन, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** और **जब्बार अली पुत्र नजीर अली निवासी 247, गरिमा गार्डन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 485/2016, U/S 12/9/55 G. Act, अन्तर्गत थाना नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुनील** और **जब्बार अली** मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुनील** और **जब्बार अली** फरार हो गए हैं (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहे हैं)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 485/2016, U/S 12/9/55 G. Act, अन्तर्गत थाना नंद नगरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्तों **सुनील** और **जब्बार अली** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.10.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03
कमरा नं. 19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/11764/NE/2025(Court Matter)

PUBLIC NOTICE

This is to inform/known to all that the Original Title/Ownership documents i.e. Regd. Gift Deed Dated 17.12.2012 With Document No. 2873 Which is executed by Sh. Satish Kumar Batra in favour of Smt. Kiran Kohli pertaining to "Unit no. 317 on Second Floor, Measuring approx. 1174 Sq. Ft., Property Bearing New Municipal No. 1064-B and Old No. 119 in Ward No. 7, comprised in Khasra No. 1151/3Min. Situated in lal dora of Village Mehrauli, Tehsil Hauz Khas (Mehrauli) New Delhi-110030. (hereinafter referred to as 'said property') Which is owned and Possessed by Seller i.e. 1.Smt. Varsha Jain 2.Smt. Bharti Jain who has agreed to Sell the 'said property' to Smt. Usha and same shall be funded/Mortgaged by My Client "AADHAR HOUSING FINANCE Ltd., GOVINDPURI BRANCH" has been lost / Misplaced Somewhere and are not traceable. Anybody who find the above said original document(s) please inform the undersigned within 7 days from the date hereof, failing which the claim(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned and my client shall proceed with the disbursement of loan and creation of Mortgage on the Property. Also, If any person misuses the same for any purpose whatsoever, She / he shall be liable for the appropriate legal action against him/her at his/her own risk, cost and consequences.

Dated : 05-09-2025
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh,
Ch. E-713 Karkardooma Courts,
Delhi-110032; Ph-8810212071

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विनोद उर्फ बिल्ला पुत्र** हरी किशन **निवासी** मकान नं0 सी-462, गली नं0-5, लक्ष्मी गार्डन, इन्द्रपुरी, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.), ने **FIR No. 140/13, U/S 454/380/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन कृष्णा नगर, शाहदरा जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विनोद उर्फ बिल्ला** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विनोद उर्फ बिल्ला** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 140/13, U/S 454/380/411/34 IPC, पुलिस स्टेशन कृष्णा नगर, शाहदरा जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **विनोद उर्फ बिल्ला** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.10.2025** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री पी. भार्गव राव
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-05,
पूर्वी जिला, कमरा नं0-03, द्वितीय तल,
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/11895/SHD/2025 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **देवेन्दर** पुत्र **पूरण सिंह** पता **मकान नं. 17बी, गरिमा गार्डन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने case **FIR No. 932/2016 U/s 498A/406/34 IPC, थानाः मंगोलपुरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त **देवेन्दर** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **देवेन्दर** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 932/2016 U/s 498A/406/34 IPC, थानाः मंगोलपुरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **देवेन्दर** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए दिनांक **30.10.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री ऐश्वर्या शर्मा
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी
रूम नं. - 106, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/11878/OD/2025 (Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा के राज्यपाल ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर दी शुभकामनाएं

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो.असीम कुमार घोष ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर देश और प्रदेश के सभी शिक्षकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षक युवा पीढ़ी को ज्ञान, मूल्यों और विवेक से संपन्न बनाकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उनका निस्वार्थ समर्पण न केवल विद्यार्थियों के भविष्य को संवारता है, बल्कि एक मजबूत, प्रगतिशील और समावेशी समाज की नींव भी रखता है। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा में शिक्षक सदैव मार्गदर्शक शक्ति रहे हैं और उन्होंने पीढ़ी दर पीढ़ी युवाओं को राष्ट्रहित में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित किया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह शिक्षा क्षेत्र में परिवर्तन का एक दूरदर्शी रोडमैप है। उन्होंने शिक्षकों से इसके सफल क्रियान्वयन में सक्रिय सहयोग का आह्वान किया, ताकि विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नवाचार, जिज्ञासा और समग्र शिक्षा की भावना को बढ़ावा मिल सके। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत को ज्ञान आधारित और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी राष्ट्र बनाने के विजन् को साकार करने में शिक्षक अग्रणी भूमिका निभाते रहेंगे।

मुख्यमंत्री नायब सैनी के निर्देश, बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में मौजूद रहें एसडीएम

चंडीगढ़। हरियाणा में लगातार हो रही बारिश के चलते कई जिलों में बाढ़ के हालात पैदा हो गए हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एसडीएम स्तर के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन क्षेत्रों में जलभराव की वजह से लोग प्रभावित हुए हैं, क्षेत्र के एसडीएम वहां अपना कैंप कार्यालय बना लें। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और उनके लिए खाद्य सामग्री का इंतजाम युद्ध स्तर पर किया जाए। संवेदनशील जगहों पर पानी निकालने के लिए पंप लगाए जाएं। जिन शहरों की सड़कें खराब हुई हैं, उन्हें भी सही किया जाए। शहरों से गुजरने वाले नेशनल हाईवे तथा स्टेट हाईवे की मरम्मत युद्ध स्तर पर की जाए, जिससे कोई हादसा नहीं हो। मुख्यमंत्री ने उपायुक्तों से कहा कि उनके कार्यालयों से दो-दो घंटे में स्टेटस रिपोर्ट भेजी जाए। जरूरत पड़ने पर तुरंत डिजास्टर रिस्पांस फोर्स को मौके पर भेजा जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांवों या कालोनी में वर्षा का पानी भरा है, वहां पर पेयजल की आपूर्ति टैंकरों से की जाए जिससे लोगों को शुद्ध पेयजल मिल सके।

मन की बात से देश में हो रहे बदलाव की मिलती है जानकारी : फणीन्द्रनाथ शर्मा

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी गुरुग्राम जिला की संगठनात्मक बैठक भाजपा जिला कार्यालय गुरुकमल में जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, जिला प्रभारी संदीप जोशी मौजूद रहे। संगठनमंत्री शर्मा ने गुरुग्राम भाजपा कार्यकर्ताओं को अभी तक किए गए संगठनात्मक कार्यो में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी और आगामी कार्यों को बेहतर तरीके से करने के लिए प्रेरित किया।संगठनमंत्री ने कहा कि भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को हर माह के आखिरी रविवार को सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के माध्यम से रिडियो पर प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम को सुनना चाहिए। इस कार्यक्रम में हम देश में हो रहे सार्थक बदलाव को जान सकते हैं। आज हमारे देश का हर व्यक्ति देश के विकास में किस प्रकार योगदान दे सकता है। इसका उदाहरण हमें मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से पता चलता है। शिक्षा-स्वास्थ्य, स्वरोजगार, युवाओं-महिलाओं-किसानों के सशक्तिकरण एवं उज्वल भविष्य के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने बताया कि आगामी एक माह तक सो पखवाड़ा के रूप में चलने वाले कार्यक्रम के लिए जिला एवं मंडलों के संयोजक, सह संयोजक नियुक्त कर दिए गए हैं। इन कार्यक्रमों में कई प्रकार के जनसेवा के कार्य किए जाएंगे।

टीबी रोगियों को गोद लेकर टीबी मुक्त भारत में दें सहयोग : सपना यादव

गुरुग्राम। टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि सामुदायिक सहयोग और कॉर्पोरेट भागीदारी से ही संभव है। निक्षय मित्र पहल को और व्यापक बनाने तथा अधिक से अधिक संस्थानों व व्यक्तियों को इससे जोड़ा जाए। यह बात सीटीएम सपना यादव ने गुरुवार को निक्षय मित्र पहल के तहत निक्षय मित्र बनने की प्रक्रिया में पोर्टल पर पंजीकरण कर रोगियों को गोद लेने के लिए प्रेरित करते हुए कही। उन्होंने गुरुग्राम में टीबी मुक्त भारत का संकल्प लेने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि निक्षय मित्र पहल का मकसद टीबी रोगियों को पोषण, नैदानिक और व्यावसायिक सहायता उपलब्ध कराना है। इसमें व्यक्ति, कॉर्पोरेट्स, एनजीओ और सहकारी संस्थाएं सक्रिय रूप से जुड़ सकती हैं। अब तक देशभर में 1.58 लाख से अधिक निक्षय मित्र पंजीकृत हुए हैं। इनमें 1.09 लाख व्यक्ति, 2,070 कॉर्पोरेट्स, 13,782 निर्वाचित प्रतिनिधि और 4,058 एनजीओ शामिल हैं। यह पहल आज दुनिया का सबसे बड़ा टीबी रोगी सामाजिक सहायता कार्यक्रम मानी जाती है। सीटीएम सपना यादव ने कहा कि गुरुग्राम में इस समय बड़ी संख्या में टीबी रोगी पंजीकृत हैं।

जीएसटी स्लैब में बदलाव आर्थिक सुधारों की दिशा में मोदी सरकार का ऐतिहासिक कदम : बड़ौली

एजेंसी

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि जीएसटी की दरों में कटौती करना मोदी सरकार का आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि जनहित और राष्ट्रहित में जीएसटी दरों में किए गए बदलाव से मध्यम वर्ग, गरीबों किसानों को लाभ पहुंचेगा और देश को सशक्तिकरण की दिशा में आगे लेकर जाएगा। बड़ौली ने कहा कि इस फैसले से हर क्षेत्र को गति और उर्जा मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताते हुए मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि जीएसटी स्लैब में बदलाव देशहित में लाभकारी साबित होगा। रोजमर्रा व जन उपयोगी वस्तुएं, किसानों के काम आने वाले सामानों के अलावा बुनियादी चीजों पर आम जन को काफी राहत मिलगी। मोदी सरकार का

जीएसटी स्लैब में सुधार और सरलीकरण करना हर वर्ग के लिए लाभप्रद है। पंडित मोहन लाल ने कहा कि लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को लाल किला की प्राचीर से देशवासियों को बड़ी राहत देने की घोषणा की थी जिसे आज मोदी सरकार ने मूर्तरूप दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली से पहले ही देशवासियों को बड़ा उपहार दिया है। जीएसटी के स्लैब में हुए इस बदलाव से देशवासियों को राहत मिलेगी। बड़ौली ने कहा कि सेकेंड जनरेशन रिफार्म की दिशा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लिए गए इस निर्णय से जीएसटी राजस्व में सालाना लगभग 47 हजार करोड़ रुपये की कमी आने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि जनहित को ध्यान में रखकर मोदी सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय को इंकम टैक्स क्रांति के रूप में देखा जाएगा। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मोदी सरकार ने हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी खत्म करने और जीवन रक्षक दवाओं पर टैक्स शून्य करने का बड़ा ऐलान करके आम आदमी को बहुत बड़ी राहत पहुंचाई है इससे गरीब और मध्यम वर्ग के लोग भी आसानी से महंगे इलाज के लिए स्वास्थ्य बीमा करा पाएंगे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा उपकरणों पर जीएसटी घटने से इलाज की लागत में भी कमी आएगी। बड़ौली ने कहा कि सरकार ने शिक्षा से जुड़ी वस्तुओं पर जीएसटी जीरो कर दी है। इससे विद्यार्थियों को कॉपी, पैन, रबड़ी जैसी चीजें सस्ती उपलब्ध होंगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार समय-समय पर ऐतिहासिक फैसले लेकर लोगों को लाभान्वित करती रहती है। इस बजट में मोदी सरकार ने 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री करके कर्मचारियों व अन्य करदाताओं को बहुत राहत पहुंचाने का कार्य किया था।

जीएसटी की दरों में बदलाव से सकारात्मक नतीजे सामने आएंगे: अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) की दरों में कमी करने और स्लैब बदलाव पर लिए गए निर्णय से सकारात्मक नतीजे सामने आएंगे। इस निर्णय से सभी वर्गों को फायदा होगा।प्रधानमंत्री ने जीएसटी की दरों में बदलाव करके विकास के पहिए को गति देने का काम किया है।

विज मीडिया कर्मियों द्वारा जीएसटी की दरों में कमी और स्लैब में हुए बदलाब के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उधर, विज ने एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट भी किया है, उन्होंने लिखा कि जीएसटी की दरों में बदलाव से आर्थिक विकास, निवेश और मांग बढ़ने से देश की अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व गति आएगी। नरेंद्र मोदी इज ग्रेट। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी की दरों को सरल करने के साथ साथ कम करके विकास के पहिये को गति देने का काम किया है। विज ने अर्थव्यवस्था के चक्र के संबंध में कहा कि ÷यह चक्र होता है अगर दाम कम होंगे तो लोग ज्यादा खरीदारी करेंगे, यदि खरीदारी ज्यादा होगी तो ज्यादा मांग भी बढ़ेगी, यदि ज्यादा मांग बढ़ेगी तो ओर ज्यादा कारखाने खुलेंगे, कारखाने ज्यादा खुलेंगे तो लोगों को रोजगार मिलेगा, लोगों को रोजगार मिलेगा तो वह अपनी आय से दोबारा बाजार से खरीदारी करेंगे और फिर दोबारा से मांग बढ़ेगी।

गौवंश के संरक्षण के लिए सरकार है प्रतिबद्ध : विपुल गोयल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के शहर स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि गौवंश के संरक्षण के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है और प्रदेश की सभी पंजीकृत गोशालाओं को पशु चारे के लिए अनुदान देने की पहल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने की है। इसी कड़ी में उन्होंने आज यूटी गेस्ट हाउस चंडीगढ़ में रोहतक की 6 गौशालाओं को 1 करोड़ 45 लाख 72 हजार 800 की राशि के चेक वितरित किए। मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि बेसहारा गौवंश को गौशाला में पहुंचाने के लिए सरकार प्रयासरत है और सामाजिक व धार्मिक संस्थाएं भी सहयोग के लिए आगे आ रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने हरियाणा गौ सेवा आयोग के बजट में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार द्वारा कदम उठाएं जा रहे हैं और इस दिशा में कई गौशालाएं बेहतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान भी गौवंश को

चारे की समस्या न हो, इस दिशा में सरकार कदम उठा रही है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जिला प्रशासन को आवश्यक एहतियाती कदम उठाने के दिशा-निर्देश जारी किए हैं और नियमित रूप से जिला उपायुक्तों के साथ वे स्वयं भी स्थित की पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। मंत्री द्वारा रोहतक की गौशाला खिड़वाली, हरियाणा पिंजरो गौशाला गोरखनाथ तीर्थ, लावारिस पीड़ित पशु सेवा संघ, जन सेवा संस्थान, वैश्य व्यायामशाला एवं गौशाला तथा बाबा मस्तनाथ पीड़ित बीमार लावारिस गौशाला बोहर को चेक वितरित किए।

केन्द्र सरकार का जीएसटी दरो में संशोधन करना ऐतिहासिक निर्णय : अरविंद शर्मा

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार ने जनहित में अनेक योजनाएं लागू की है और पंक्ति में खडे अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ मिल रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा जीएसटी की दरो में संशोधन करना ऐतिहासिक निर्णय है और इससे उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, वहीं मंहगाई से भी राहत मिलेगी। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा रोहतक पहुंचे और गांव बोहर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शिरक्त की।

बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जीएसटी की दरो में संशोधन से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वोकल से लोकल की और बढ़ावा मिलेगा। साथ ही देश आत्मनिर्भर की और भी आगे बढ़ेगा। जीएसटी दरों में कमी से बढ़ती महंगाई पर भी विराम लगेगा।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश लगातार विकास के आयाम स्थापित कर रहा है और सबसे बड़ी बात तो यह है कि अन्य प्रदेश भी हरियाणा सरकार की नीतियों का अनुसरण कर रहे है, जोकि अपने आप में एक मिशाल है। प्रदेश में बरसात से जलभराव की समस्या को लेकर कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि सरकार व प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है और लोगों को कोई दिक्कत नहीं आने दी जाएगी। स्वयं मुख्यमंत्री नजर बनाए हुए है और अधिकारियों से प्रतिदिन रिपोर्ट भी तलब की जा रही है। साथ ही जलभराव क्षेत्रों से भी पानी की निकासी के लिए उचित प्रबंध किए गए है।

हरियाणा बनेगा स्टार्टअप्स का वैश्विक केंद्र, सीएम सैनी ने की विश्व स्तरीय इनक्यूबेटर और नई नीतियों की घोषणा

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य को तकनीकी नवाचार और उद्यमिता का केंद्र बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने गुरुग्राम में आयोजित 'स्टार्टअप्स और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ बातचीत' कार्यक्रम में राज्य में एक विश्व स्तरीय इनक्यूबेटर स्थापित करने की घोषणा की। इस पहल का उद्देश्य स्टार्टअप्स को आवश्यक संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित इनक्यूबेटर, जिसे 'H-HUB' नाम दिया गया है, राज्य के अग्रणी स्टार्टअप्स, कॉर्पोरेट्स और शैक्षणिक संस्थानों की साझेदारी में विकसित किया जाएगा। यह हब अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जिसमें समर्पित 'प्लग एंड प्ले' कार्यस्थल, बैठक कक्ष, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग संसाधन और उभरती

प्रौद्योगिकियों के लिए विशेष अनुसंधान प्रयोगशालाएं शामिल होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये सुविधाएं हरियाणा के स्टार्टअप्स को अनुसंधान और विकास में उत्कृष्टता हासिल करने में मदद करेंगी। भारत सरकार के सेमीकंडक्टर मिशन के अनुरूप, हरियाणा भी इस क्षेत्र में अपनी भूमिका सुनिश्चित करना चाहता है। मुख्यमंत्री सैनी ने घोषणा की कि राज्य में सेमीकंडक्टर निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित नीति तैयार की जाएगी। इसके अलावा, गुरुग्राम को विश्व की 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर राजधानी' के रूप में विकसित करने के लिए भी एक विशेष नीति बनाने की बात कही गई है। सरकार का मानना है कि यह कदम न केवल निवेश को आकर्षित करेगा बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को आगे बढ़ाते हुए उद्योगपतियों से मेक इन हरियाणा और डिजाइन इन हरियाणा का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि राज्य के बजट 2025-26 में 10 नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप (ढ्ढरूञ्ज) विकसित करने की घोषणा की गई है। इन आईएमटी के लिए ई-भूमि पोर्टल पर किसानों द्वारा स्वेच्छा से लगभग 20 हजार एकड़ भूमि की पेशकश की जा चुकी है।

हरियाणा सरकार के निर्देशन्विभागों को सरप्लस सामान निपटाने के आदेश

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के सभी विभागों, बोर्डों और निगमों को स्पष्ट हिदायत दी है कि वे अपने यहां पड़े सरप्लस और अनुपयोगी सामान का तत्काल प्रभाव से निपटान सुनिश्चित करें। इस संबंध में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी प्रशासनिक सचिवों और निगमों के प्रमुखों को विस्तृत दिशा-निर्देशों वाला पत्र जारी किया है। पत्र में कहा गया है कि वित्तीय अनुशासन और सरकारी संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग के लिए यह बेहद आवश्यक है कि अनुपयोगी सामग्री को समय पर अनुपयोगी घोषित कर उसका निपटान किया जाए। इस कार्यवाही से पहले सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन लेना अनिवार्य होगा और इसके बाद सामान का विवरण सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में निदेशालय, आपूर्ति एवं निपटान हरियाणा को उपलब्ध कराना होगा।

इस विवरण में सामग्री का प्रकार, खरीद वर्ष, मात्रा, खरीद मूल्य, वर्तमान स्थिति तथा आवश्यक टिप्पणियां स्पष्ट रूप से दर्ज करनी होंगी। विभागों को पत्र जारी होने की तारीख से 30 दिन के भीतर प्रारंभिक रिपोर्ट देनी होगी और उसके बाद नियमित रूप से त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट भी भेजनी होगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि लंबे समय तक अनुपयोगी सामान को भंडारण में रखने से न केवल बहुमूल्य जगह अवरुद्ध होती है बल्कि परिसंपत्तियों के नष्ट होने का खतरा भी बढ़ता है। इससे सार्वजनिक धन भी अनावश्यक रूप से फंस जाता है, जिसका उपयोग राज्य की विकास योजनाओं और अन्य उत्पादक कार्यों में किया जा सकता है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि इन आदेशों को सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों तक तुरंत पहुंचाया जाए और अनुपालन को सख्ती से सुनिश्चित किया जाए। सरकार का मानना है कि अनुपयोगी वस्तुओं का समय पर निपटान करने से न केवल विभागों की कार्यकुशलता बढ़ेगी बल्कि राज्य के संसाधनों का अधिकतम लाभ आम जनता तक पहुंचेगा।

थानों और चौकियों में शिकायतों पर त्वरित एवं पारदर्शी कार्यवाही सर्वोच्च प्राथमिकता : डीजीपी शत्रुजीत कपूर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस अकादमी (एचपीए) मधुबन में आयोजित वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर ने कहा कि हर नागरिक की शिकायत पर त्वरित, निष्पक्ष और संवेदनशील कार्यवाही हरियाणा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि थानों और चौकियों में आने वाली शिकायतों के निष्पादन का तरीका पुलिस की छवि को तय करता हैं और इसीलिए प्रत्येक शिकायत को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेना आवश्यक है। बैठक में पुलिस मुख्यालय के उच्चाधिकारी, रेंज आईजी, पुलिस अधीक्षक तथा जिला स्तर के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रत्येक शिकायत हमारे लिए महत्वपूर्ण: डीजीपी कपूर ने कहा कि हर शिकायतकर्ता थाने तक न्याय पाने की उम्मीद लेकर आता है, जिसे हमें सर्वोच्च प्राथमिकता से निष्पादन करना चाहिए। इसीलिए यह पुलिस की जिम्मेदारी है कि शिकायतों को ध्यान से सुना जाए और तथ्यों का गहराई से अध्ययन कर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शिकायत

प्राप्त होने के बाद शिकायतकर्ता को रसीद अवश्य दी जाए, ताकि उसे यह भरोसा रहे कि उसकी समस्या के समाधान के लिए पुलिस काम कर रही है।

थाना प्रभारियों के लिए सख्त हिदायत: डीजीपी ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों को वे स्वयं सुनें और केवल अधीनस्थों पर न छोड़ें। उन्होंने कहा कि पुलिस के पास आने वाला व्यक्ति पहले से ही परेशान होता है, इसलिए थाना प्रभारी और पुलिसकर्मी संवेदनशीलता से उसका दर्द समझें। शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस की असली छवि थाने और चौकियों की कार्यप्रणाली से बनती है। यदि शिकायतों पर समयबद्ध और निष्पक्ष कार्रवाई होगी, तो पुलिस की छवि सकारात्मक बनेगी।

पारदर्शिता और फीडबैक तंत्र: डीजीपी ने कहा कि शिकायत निवारण प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए प्रत्येक शिकायत पर फीडबैक प्रणाली को पहले की अपेक्षा सुदृढ़ किया गया है। शिकायतकर्ता से फोन पर लिए जाने वाले फीडबैक की रिकॉर्डिंग की जाती है। उन्होंने जिलों में तैनात उच्चाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे समय-समय पर इन रिकॉर्डिंग को रैंडमली सुनकर इनकी जांच अवश्य करें।

यदि कोई शिकायतकर्ता असंतुष्ट है, तो अधिकारियों को उसका कारण जानने की कोशिश करनी चाहिए। जिलों में शिकायतों को लेकर की जाने वाली रिकॉर्डिंग की पुलिस मुख्यालय स्तर पर भी मॉनीटरिंग की जाती है। इस बैठक में आईजी कानून एवं व्यवस्था सिमरदीप सिंह ने फीडबैक सैल की कार्यप्रणाली पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। इसमें टॉप परफॉर्मिंग जिलों- डबवाली, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और फतेहाबाद का उल्लेख किया गया। इन जिलों में थाना प्रभारियों ने अधिकांश शिकायतों को स्वयं डील किया।

आपदा में मदद के लिए आगे आए पूर्व नौ सैनिक

झज्जर। जिला के पूर्व नौ सैनिकों ने बाढ़ से बचाव के लिए मदद करने की पेशकश की है। लघु सचिवालय में नेवल वेटरन वेलफेयर एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल से मिला और कहा कि वे बाढ़ की स्थिति में प्रशासन की योजना के अनुसार गोताखोरी सहित नागरिकों की हर संभव मदद के लिए तैयार रहेंगे।नौ सैनिकों के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त को अवगत कराया कि जिला में भारी बारिश के चलते जल भराव की स्थिति में वे हर संभव मदद के लिए तैयार हैं। चूंकि उन्होंने नौ सेना में सेवा की है, जिसमें अधिकांश कार्य पानी से जुड़ी गतिविधियों में रहता है। संगठन के प्रधान विजय पूनिया ने बताया कि एसोसिएशन से जुड़े स्विमिंग पूल की गोताखोर टीम के सदस्य भी किसी बाढ़ जैसी विपत्ति के समय प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करेंगे। टीम द्वारा लोगों की जान बचाने व आपदा प्रबंधन में सहयोग देने के लिए वे हमेशा तैयार रहेंगे।

बारिश से प्रभावित सड़कों की मरम्मत, गड्ढे भरने और पुलों की सुरक्षा पर जोर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में हाल ही लगातार हुई बारिश से प्रभावित हुई सड़कों की मरम्मत और क्षतिग्रस्त सड़कों पर किसी प्रकार से हादसा ना हो, इसे लेकर लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने विभाग के अधिकारियों को चौकन्ना रहने के निर्देश दिए हैं। गंगवा ने कहा कि सड़क पर गहरे गड्ढे होने से हादसों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए उन्हें तुरंत भरवाने का काम किया जाए। जिन स्थानों पर तुरंत मरम्मत संभव न हो, वहां पहले चेतावनी के साइन बोर्ड लगाए जाएं ताकि किसी भी जान-माल की हानि से बचा जा सके। चंडीगढ़ स्थित सचिवालय में रणबीर गंगवा ने लोक निर्माण विभाग की आपातकालीन बैठक लेते हुए प्रदेश से गुजरने वाली तमाम सड़कों पर मौजूदा परिस्थितियों बारे रिपोर्ट ली। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि किन जिलों में पुल और सड़कों पर बारिश का असर अधिक पड़ा है। जिलावार रिपोर्ट मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने पुलों और कल्वर्ट्स (भूमिगत नाली) की स्थिति की नियमित जांच कराने पर भी जोर दिया। इसको देखते हुए विभाग को अलर्ट रहने और हर स्तर पर मॉनिटरिंग बढ़ाने के निर्देश भी कैबिनेट मंत्री गंगवा ने दिए हैं। लोक निर्माण मंत्री ने निर्देश दिए गए कि ट्रैफिक व्यवस्था किसी भी प्रकार से प्रभावित ना हो। जहां सड़क पर पानी खड़ा होता है वहां स्थायी समाधान के लिए कल्वर्ट बनाए जाएं, ताकि हर साल की समस्या से एक बार में छुटकारा मिल सके। इसके साथ ही सभी पुलों और कल्वट्र्स का निरीक्षण किया जाए। किसी भी पुल पर खतरे की स्थिति बनने पर तुरंत रिपोर्ट मुख्यालय भेजी जाए। बारिश में पुल इत्यादि प्रभावित होने को

लेकर गंगवा ने कहा कि इस प्रकार के मामलों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारी अलर्ट पर रहें। फील्ड अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। सभी कर्मचारी और जेई/एसडीओ फील्ड में तैनात रहेंगे और स्टेशन नहीं छोड़ेंगे। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि सभी बेलदारों को ड्यूटी पर लगा दिया गया है।

शिक्षक राष्ट्र के असली निर्माता: मंत्री रणबीर गंगवा

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के जन स्वास्थ्य एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि शिक्षक समाज की नींव होते हैं। वे केवल पढ़ाई ही नहीं कराते बल्कि अच्छे संस्कार, जीवन मूल्य और सही दिशा भी देते हैं। शिक्षक राष्ट्र के असली निर्माता होते है। शिक्षक दिवस का उद्देश्य शिक्षा के महत्व को रेखांकित करना और समाज में शिक्षक की भूमिका को सम्मानित करना है।वह ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के थिराना स्थित दादी चंद्रमणि यूनिवर्सल पीस सभागार में आयोजित जिला स्तरिय राष्ट्रीय शिक्षक दिवस कार्यक्रम के अवसर पर जिले भर के टीचरों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने सैकड़ो अध्यापकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मंत्री ने कहा कि इस दिन टीचर के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का दिन हैं और यह संकल्प लेने का भी दिन हैं कि शिक्षक का सम्मान हर दिन होना चाहिए, क्योंकि वही असली राष्ट्र निर्माता हैं। मंत्री ने कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय संस्कारों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने संस्थान को अपनी निजी कोष से 5 लाख का अनुदान देने की घोषणा की। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि शिक्षा के साथ जीवन में आगे बढ़ाने के लिए संस्कारों का होना अति आवश्यक है। जो विद्यार्थी संस्कारों के साथ जुडक़र आगे बढ़ेंगे वे निश्चित रूप से अच्छे नागरिक बनेंगे। उन्होंने कहा कि यह संस्था मानवता की भलाई के लिए देश ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अहम भूमिका निभा रही है। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा के भाई हरपाल ढांडा ने कहा कि सही मायने में शिक्षक ही देश को मजबूती प्रदान करते हैं। उनके द्वारा पढ़ाए गए बच्चे देश को मजबूत बनाते हैं और दुनिया में देश का नाम रोशन करते हैं। आज देश की गिनती शक्तिशाली देश में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता साबित पानू, जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता कर्ण बहल, बी के. ज्योति, प्रिंसिपल पवन आर्य, पूर्व प्रिंसिपल लालचंद रंगा के अलावा सैकड़ो की संख्या में अध्यापक मौजूद रहे।

महिंद्रा ने एसयूवी बीई 6 को नए रूप में किया गया पेश

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा के इलेक्ट्रिक इंग्लो प्लेटफॉर्म पर तैयार की गई एसयूवी बीई 6 को एक नए रूप में पेश किया गया है। हाल ही में महिंद्रा ने इसका बैटमैन एडिशन लॉन्च किया, जो दुनिया की पहली कमर्शियली उपलब्ध बैटमैन से प्रेरित एसयूवी है।

इसकी एक्स-शोरूम कीमत 27.79 लाख रुपये रखी गई है। खास बात यह है कि लॉन्चिंग के तुरंत बाद ही इस लिमिटेड एडिशन की बुकिंग पूरी हो गई। कंपनी ने शुरुआती चरण में केवल 300 यूनिट्स की बुकिंग खोली थी, लेकिन भारी डिमांड को देखते हुए इसे बढ़ाकर 999 यूनिट्स कर दिया गया। इसके बावजूद सभी यूनिट्स सिर्फ 135 सेकंड में बुक हो गईं। महिंद्रा ने संकेत दिए हैं कि भविष्य में अपनी अन्य एसयूवी के लिए भी इस तरह के खास एडिशन लॉन्च किए जा सकते हैं। 20 सितंबर से इसकी डिलीवरी शुरू होगी, जबकि उससे पहले ही बीई 6 बैटमैन एडिशन को मुंबई की सड़कों पर देखा गया है। हावोक ब्लॉग्स के वीडियो में यह एसयूवी चलते हुए नजर आई है। रात के अंधेरे में इसका मैट-ब्लैक बॉडीवर्क और शार्प लाइटिंग एलिमेंट्स इसे बैटमोबाइल जैसी पहचान देते हैं। बड़े 20-इंच के अलॉय व्हील्स और सुनहरे रंग के सस्पेंशन व ब्रेक कैलिपर्स इसकी दमदार उपस्थिति को और खास बनाते हैं।

डार्क नाइट ट्रिलॉजी से प्रेरित इस एडिशन में हब कैप, फ्रंट क्वार्टर पैनल, रियर बंपर, विंडो और रियर विंडशील्ड पर बैट का प्रतीक चिन्ह दिया गया है। इसके अलावा इन्फिनिटी रूफ और कार्पेट लैंप पर भी बैट का साइन उकेरा गया है। इंटीरियर की बात करें तो एसयूवी में चारकोल लेदर इंस्ट्रूमेंट पैनल, स्यूडे लेदर अपहोल्स्ट्री और गोल्ड सेपिया स्टिचिंग दी गई है। गोल्ड एक्सेंट्स स्टीयरिंग व्हील, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक और अन्य डिटेलिंग को और आकर्षक बनाते हैं। सीट्स, बूस्ट बटन और इंटीरियर पार्ट्स पर भी बैट का प्रतीक चिन्ह उभरा हुआ है।

जीएसटी 2.0 झटका या जैकपॉट? एसबीआई रिपोर्ट ने बताईं जरूरी बातें

नई दिल्ली ।

जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में टैक्स ढांचे को सरल बनाते हुए अब केवल दो मुख्य स्लैब लागू किए गए हैं 18 फीसदी (स्टैंडर्ड रेट) और 5 फीसदी (मेरिट रेट)।

इसके अलावा कुछ विशेष वस्तुओं पर 40 फीसदी डिमेरिट रेट भी रहेगा। इससे पहले की तुलना में टैक्स प्रणाली आसान और पारदर्शी होगी, जिससे मिडिल क्लास को सीधा फायदा होगा। कुल 453 वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी की दरें बदली गई हैं, जिनमें 413 पर टैक्स घटाया गया है और केवल 40 पर बढ़ाया गया है।

खासतौर पर 295 जरूरी सामानों की टैक्स दर 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी या शून्य कर दी गई है। इससे रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में करीब 25-30 आधार अंक की कमी होगी और महंगाई में कुल 65-75 आधार अंक तक कमी आने की उम्मीद है। यह बदलाव आम आदमी की जेब पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा। टैक्स दरों में बदलाव से सरकार के राजस्व में 48,000 करोड़ रुपए की कमी आ सकती है, लेकिन बढ़ी हुई खरीदारी और टैक्सदाता संख्या के कारण वास्तविक घाटा केवल 3,700 करोड़ रुपए तक सीमित रहेगा। इससे फिस्कल डिफिसिट पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। बीमा प्रीमियम पर जीएसटी खत्म होने से बीमा सस्ता होगा और इसकी पहुंच बढ़ेगी। साथ ही छोटे और मझोले उद्योगों को सप्लाई-चेन के जरिए ज्यादा काम मिलेगा, जिससे उत्पादन और रोजगार बढ़ेगा।

यह सुधार लंबे समय में देश की अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद साबित होगा।

नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ ने सॉफ्ट ड्रिंक्स और बेवरेज सेक्टर में किया प्रवेश

पटेल बेवरेजेज के साथ हुआ को-पैकिंग एग्रीमेंट, पोर्टफोलियो का होगा विस्तार

नागपुर/इंदौर ।

नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड (NGIL) ने पटेल बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस को-पैकिंग एग्रीमेंट के तहत, नाकोडा ग्रुप पटेल बेवरेजेज के उत्पादों जैसे सॉफ्ट ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक का निर्माण, आपूर्ति और को-पैकिंग करेगा, जो उनके ब्रांड "NOC-TRL" के तहत बाज़ार में आएंगे।

इस समझौते से नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ को उपभोक्ता उत्पाद खंड में, विशेष रूप से बेवरेज सेक्टर में, प्रवेश करने का अवसर मिला है। इससे कंपनी के मौजूदा उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार होगा, जिसमें पहले से ही विभिन्न किस्म के मखाने और अन्य खाद्य उत्पाद शामिल हैं। वहीं, पटेल बेवरेजेज को भी एक नया क्लाइंट मिलने के साथ-साथ अपने टर्नओवर और उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी करने का मौका मिलेगा।

नाकोडा ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड 1989 से खाद्य उत्पादों के निर्माण और व्यापार में एक प्रतिष्ठित नाम रहा है। कंपनी उच्च गुणवत्ता वाले टूटी फ्रूटी (डाइस्ड चेलोरी), ड्राई फ्रूट्स, अनाज और दालों के लिए जानी जाती है। नागपुर में स्थित होने के कारण, कंपनी को उत्कृष्ट लॉजिस्टिक लाभ मिलते हैं, जिससे देशभर में ग्राहकों तक कुशल और समय पर डिलीवरी सुनिश्चित होती है। कंपनी के प्रमुख क्लाइंट्स में ब्रिटानिया, वडीलाल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, हल्दीराम्स, अमूल जैसे बड़े और जाने-माने ब्रांड शामिल हैं।

सोना जल्द जा सकता है 1.4 लाख प्रति 10 ग्राम!

- यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-डॉलर पर भरोसे में कमी से बढ़ रहे सोने के भाव

नई दिल्ली ।

सोना हमेशा से महंगाई और आर्थिक अनिश्चितता में सुरक्षित निवेश माना जाता रहा है। इस बार सोने की कीमतों में तेजी के पीछे सिर्फ महंगाई या घरेलू मांग नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक कारण हैं। यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-डॉलर पर भरोसे में कमी के चलते कई देशों के सेंट्रल बैंक अपनी रिज़र्व रणनीति में बदलाव कर भारी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं। तकनीकी चार्ट और विश्लेषण से पता चलता है कि सोने की कीमत 3,500 डॉलर से बढ़कर 4,750 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है, यानी करीब 35 फीसदी की वृद्धि संभव है। भारत में यह मूल्य 1,06,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,40,000-1,45,000 रुपए तक पहुंच सकता है। 2025 की पहली तिमाही में सेंट्रल बैंकों ने पिछले पांच साल की तुलना में 24 फीसदी अधिक सोना खरीदा है। रूस के विदेशी रिज़र्व फ्रीज होने के बाद सोना राजनीतिक और आर्थिक संकट के समय सबसे भरोसेमंद सुरक्षा साधन बन गया है। इसके कारण विश्वभर के केंद्रीय बैंक हर साल 1,000 टन से अधिक सोना खरीद रहे हैं। भारत में भी सोने में निवेश का रुझान बढ़ा है। गोल्ड ईटीएफ में जून और जुलाई 2025 में 3,256 करोड़ रुपए का निवेश आया।

रुपये की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोने की कीमतों में अभी और तेजी आ सकती है। निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे एक साथ बड़ी राशि निवेश करने की बजाय किस्तों में निवेश करें और अपने पोर्टफोलियो का 5-10 फीसदी हिस्सा सोने में रखें ताकि वित्तीय सुरक्षा बनी रहे।

डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में टेक दिग्गजों के साथ की मुलाकात

- ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पिचाई, नडेला सहित प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों की मेजबानी की

वॉशिंगटन।

अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला, गूगल के सुंदर पिचाई, मेटा के मार्क जुकरबर्ग, बिल गेट्स, एप्पल के टिम कुक सहित प्रमुख टेक्नोलॉजी नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। ट्रंप ने इस अवसर पर इन तकनीकी नेताओं को 'उच्च आईक्यू वाला समूह' बताते हुए उनकी प्रशंसा की और कहा कि ये लोग व्यवसाय और नवाचार में क्रांति ला रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि यह समूह दुनिया के सबसे प्रतिभाशाली लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। मैं इस पर गर्व महसूस करता हूं। ये लोग हर उस क्षेत्र में बदलाव ला रहे हैं, जिसकी हम कल्पना भी कर सकते हैं।

बैठक में ट्रंप ने इन दिग्गजों से उनके विचार साझा करने को कहा। गूगल के सुंदर पिचाई ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) तकनीक का युग हमारे जीवनकाल का सबसे बड़ा परिवर्तनकारी दौर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस क्षेत्र में सबसे आगे रहना होगा।' पिचाई ने ट्रंप के नेतृत्व की सराहना करते हुए सहयोग की इच्छा जताई।

सत्य नडेला ने कहा कि उद्योग को विशिष्ट बनाना केवल नवाचार से नहीं होता, बल्कि वैश्विक बाजार तक पहुंच से होता है। उन्होंने ट्रंप की भूमिका की सराहना की, जिन्होंने अमेरिकी तकनीक पर विश्व का भरोसा बढ़ाया। बिल गेट्स ने कहा कि वे अपने करियर के दूसरे चरण में हैं और सत्य नडेला के अच्छे काम से मिलने वाली धनराशि दान कर रहे हैं, जिस पर ट्रंप ने हंसी के साथ प्रतिक्रिया दी।

दुग्ध उत्पादों की जीएसटी दरों में कटौती से दूरगामी लाभ होंगे- मिल्की मिस्ट

- दुग्ध उत्पादों पर जीएसटी घटाने से मिलेगा उपभोक्ता और किसान को लाभ

चेन्नई । मिल्की मिस्ट डेयरी फूड लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि पनीर, मक्खन, घी जैसे दुग्ध उत्पादों पर जीएसटी दर घटाकर 5 प्रतिशत करने का फैसला उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के लिए लाभकारी होगा। रत्नम ने बताया कि इस कदम से पौष्टिक और मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पाद सस्ते होंगे, जिससे उनकी मांग बढ़ेगी। इससे नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा और संगठित डेयरी क्षेत्र मजबूत होगा। उन्होंने इसे केवल कर सुधार नहीं बल्कि समावेशी विकास का उत्प्रेरक बताया। रत्नम के अनुसार, यह निर्णय औपचारिक डेयरी कारोबार को बढ़ावा देगा और किसानों को बेहतर कीमत दिलाने में मदद करेगा।

छोटे चाय उत्पादकों ने हरी चाय पत्तियों के लिए एमएसपी की मांग की

कोलकाता । देश के करीब 2.5 लाख छोटे चाय उत्पादक (एसटीजी) ने सरकार से हरी चाय की पत्तियों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करने की मांग की है। छोटे उत्पादकों का कहना है कि वे देश की कुल चाय उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक योगदान देते हैं, लेकिन बाजार में कीमतों में गिरावट और अस्थिरता के कारण उनकी आय प्रभावित हो रही है। भारतीय लघु चाय उत्पादक संघों के परिसंघ (सीआईएसटीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एसटीजी ने 35 रुपये प्रति किलोग्राम के एमएसपी की मांग की है, जिससे उन्हें आर्थिक सुरक्षा मिलेगी और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता बनी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि छोटे चाय उत्पादकों को कृषि किसानों के समान दर्जा दिया जाना चाहिए ताकि वे केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात में मंत्रालय ने इस मुद्दे पर जमीनी स्तर पर अध्ययन कराने की बात कही है। मंत्रालय एमएसपी के निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यान्वयन के लिए एक राष्ट्रीय मूल्य निर्धारण समिति भी गठित करेगा।

सीसीआई ने एम्मार इंडिया पर प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली । सीसीआई ने एम्मार इंडिया पर प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोपों को किया खारिज कॉम्पटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने एम्मार इंडिया लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ परियोजना के क्षेत्र में प्रभुत्व के दुरुपयोग और प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार के आरोपों को खारिज कर दिया है। यह मामला एक मुखबिर की शिकायत पर आधारित था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एम्मार ने 97 खाली भूखंडों पर बिल्डर फ्लोर और गैर-विला आवासीय इकाइयों का निर्माण कर 'सिग्नेचर विला कम्युनिटी' की पहचान को नुकसान पहुंचाया। सीसीआई ने मामले की जांच के दौरान पाया कि गुरुग्राम में विला विकास एवं बिक्री के क्षेत्र में एम्मार इंडिया की प्रभुत्वशाली स्थिति नहीं है। बाजार में कई बड़े डेवलपर्स जैसे डीएलएफ, गोदरेज, टाटा हाउसिंग, सिग्नेचर ग्लोबल और वाटिका ग्रुप सक्रिय हैं, जो उपभोक्ताओं को विकल्प उपलब्ध कराते हैं। इसलिए, एम्मार द्वारा प्रभुत्व के दुरुपयोग के आरोप प्रथम दृष्टया निराधार पाए गए। प्रतिस्पर्धा अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत आरोपों का कोई मामला नहीं बनता है, इस आधार पर सीसीआई ने शिकायत को खारिज कर दिया। नियामक ने कहा कि संबंधित संस्थाओं के खिलाफ कोई प्रतिस्पर्धा-विरोधी कृत्य सिद्ध नहीं हुआ है। यह फैसला प्रतिस्पर्धा के संरक्षण और बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जीएसटी परिषद ने ईवी पर 5 फीसदी रियायती दर बरकरार रखी

- टाटा और महिंद्रा जैसी कंपनियों ने जताई राहत

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद ने इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) पर 5 प्रतिशत की रियायती जीएसटी दर को बरकरार रखने का फैसला किया है। इससे ईवी निर्माता कंपनियों को बड़ी राहत मिली है। इससे पहले मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा था कि 20 लाख से 40 लाख रुपये तक की इलेक्ट्रिक कारों पर जीएसटी बढ़ाकर 18 प्रतिशत और 40 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली कारों पर 28 प्रतिशत करने पर विचार हो सकता है। यह खबर इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से बढ़ रहे उद्योग में चिंता का कारण बनी थी। टाटा मोटर्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस फैसले को भारत की पर्यावरण-अनुकूल और शून्य उत्सर्जन वाली मोबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता के रूप में देखा है। उन्होंने इसे दीर्घकालिक नीतिगत स्थिरता का संकेत भी बताया। महिंद्रा एंड महिंद्रा के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 5 प्रतिशत जीएसटी दर जारी रखने से इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की गति तेज होगी और भारत का स्वच्छ मोबिलिटी क्षेत्र मजबूत होगा। हालांकि, ईवी निर्माता अब पेट्रोल और डीजल की छोटी कारों से मुकाबला करेंगे, जिन पर 18 प्रतिशत की कम कर दर लागू है। इससे बाजार प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। वोल्वो और मर्सिडीज-बेंज जैसी लग्जरी कार कंपनियों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया है। इन कंपनियों ने इसे कार्बन मुक्त भविष्य की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता बताया है।

जीएसटी सरलीकरण से महंगाई में राहत, राजस्व पर सीमित असर- एसबीआई रिपोर्ट

जीएसटी दरों में बदलाव से 3,700 करोड़ रुपए की संभावित राजस्व हानि

कोलकाता ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की नवीनतम शोध रिपोर्ट के अनुसार, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों के सरलीकरण से सरकार को न्यूनतम 3,700 करोड़ रुपए की राजस्व हानि हो सकती है। हालांकि सरकार का अनुमान है कि इस बदलाव का शुद्ध वार्षिक राजकोषीय प्रभाव 48,000 करोड़ रुपए तक होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ती खपत और आर्थिक विकास से इस घाटे की भरपाई संभव है और इसका राजकोषीय घाटे पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हाल ही में हुई जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में मौजूदा चार-स्तरीय दर संरचना (5, 12, 18, 28 फीसदी) दो-स्तरीय प्रणाली में बदला गया है। नई प्रणाली में 18 और 5 फीसदी की मानक दरें रखी गई हैं, जबकि कुछ विशेष वस्तुओं और सेवाओं पर 40 फीसदी की अवगुण दर लागू होगी। एसबीआई की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि जीएसटी दरों के युक्तिकरण से बैंकिंग जैसे क्षेत्रों में लागत दक्षता बढ़ेगी और कर अनुपालन में सुधार होगा। प्रभावी औसत जीएसटी दर 2017 के 14.4 फीसदी से घटकर अब 9.5 फीसदी रह गई है। इसके अलावा, आवश्यक वस्तुओं की जीएसटी दर घटाने से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर 2025-26 में 0.25 फीसदी से 0.30 फीसदी तक कम हो सकती है। अनुमान है कि 2026-27 तक महंगाई दर 0.65 फीसदी से 0.75 फीसदी के भीतर नियंत्रित रहेगी। कुल मिलाकर, यह सुधार न केवल कर व्यवस्था को सरल बनाएगा, बल्कि उपभोक्ताओं और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए लाभकारी साबित होगा।

शेयर बाजार सपाट कारोबार के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 7.25 अंक गिरा, निफ्टी 6.70 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को मिश्रित कारोबार हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी आईटी और एफएमसीजी शेयरों पर दबाव से दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 7.25 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 80,710.76 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 6.70 अंक की बढ़त के साथ ही 24,741.00 पर बंद हुआ। आज ऑटो शेयरों के कारण बाजार ऊपर आया। निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.25 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। वहीं निफ्टी मेटल 0.68 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक 0.17 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.14 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.59 फीसदी के साथ बंद हुए। वहीं आईटी और एफएमसीजी शेयर नीचे आये। निफ्टी आईटी इंडेक्स -1.44 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी (-1.42 फीसदी), निफ्टी रियल्टी (-1.16 फीसदी) और निफ्टी इंडिया डिफेंस (-0.35 फीसदी) की गिरावट के साथ बंद हुआ।

आज लार्जकैप के विपरीत ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 116.05 अंक या 0.20 फीसदी की तेजी के साथ 57,075.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 33.30 अंक करीब 0.19 फीसदी की बढ़त के साथ 17,655.25 पर था।सेंसेक्स में एमएंडएम, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इटरनल (जोमैटो), सन फार्मा, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील और एशियन पेंट्स के शेयर लाभ में रहे जबकि आईटीसी, एचटीएल टेक, टीसीएस, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचयूएल, एलएंडटी और टाइटन के शेयरों को नुकसान हुआ।

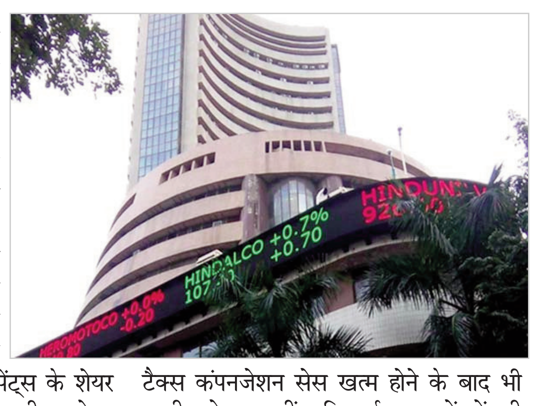

इससे पहले आज सुबह जीएसटी स्लैब में संभावित कटौती की उम्मीदों ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया। सेंसेक्स 300 अंकों की उछाल के साथ 81,012.42 पर खुला। उधर निफ्टी भी मजबूती के साथ 24,818.85 पर खुला। घरेलू मोर्चे पर निवेशकों की नजर अब विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़ों और सिन गुड्स कंपनियों पर है, क्योंकि सरकार ने इन पर अतिरिक्त टैक्स लगाने की घोषणा की है। यह टैक्स कंपनजेशन सेस खत्म होने के बाद भी जारी रहेगा। वहीं एशियाई बाजारों में भी शुक्रवार को जोरदार तेजी रही। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.39 फीसदी चढ़ा, जबकि साउथ कोरिया का कॉस्पी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 क्रमशः 0.26 फीसदी और 0.58 फीसदी ऊपर बंद हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जापानी ऑटो शुल्क में कटौती और चिप उत्पादकों पर सख्ती के फैसले ने वैश्विक बाजारों को सहारा दिया। वॉल स्ट्रीट के प्रमुख सूचकांक भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.80 फीसदी, नेस्डेक में 1 फीसदी और डाउ जोंस में 0.90 फीसदी की तेजी दर्ज हुई।

अदाणी पावर को 1:5 के अनुपात में शेयर विभाजन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिली

- विभाजन के बाद शेयर की संख्या 2,480 करोड़ से बढ़कर 12,400 करोड़ हो जाएगी

नई दिल्ली ।

अदाणी पावर को एक अगस्त 2025 को जारी डाक मतपत्र नोटिस के जरिये 1:5 के अनुपात में शेयर विभाजन के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एक अगस्त की डाक मतपत्र नोटिस में उल्लिखित आवश्यक बहुमत के साथ प्रस्ताव को विधिवत पारित माना गया है। 10 रुपये मूल्य के प्रत्येक शेयर को दो रुपये अंकित मूल्य वाले पांच पूर्ण चुकता शेयर में विभाजित किया जाएगा, जो सभी दृष्टियों से समान होंगे। मतदान छह अगस्त सुबह नौ बजे से चार सितंबर को शाम पांच बजे तक चला। अदाणी पावर ने बताया कि निदेशक मंडल ने एक अगस्त 2025 को अपनी बैठक में खुदरा एवं छोटे निवेशकों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शेयर विभाजन को मंजूरी दी। कंपनी ने बताया कि शेयर के उप-विभाजन/विभाजन के कारण कंपनी की अधिकृत, जारी, अभिदत्त और चुकता शेयर पूंजी में कोई बदलाव नहीं होगा।

शेयर के उप-विभाजन की रिकॉर्ड तिथि, निदेशक मंडल द्वारा सदस्यों की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद तय की जाएगी। इस विभाजन के बाद शेयर की संख्या 2,480 करोड़ से बढ़कर 12,400 करोड़ हो जाएगी।

अदाणी पावर की स्थापना 1996 में हुई थी और 2009 में इसे शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया गया। इसके व्यवसाय एवं प्रदर्शन में पिछले कुछ वर्ष में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जिसके परिणामस्वरूप कंपनी की प्रतिभूतियों के बाजार मूल्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

तेल व गैस ईएंडपी सेवाओं पर बढ़ा जीएसटी

- कंपनियों की लागत और मुनाफे पर दोहरी मार

नई दिल्ली ।

भारत में तेल और गैस के खोज और उत्पादन (ईएंडपी) क्षेत्र को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि जीएसटी परिषद ने इस क्षेत्र में उपयोग होने वाली वस्तुओं और सेवाओं पर कर दर को 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी कर दिया है। इस निर्णय से कंपनियों की उत्पादन लागत में इजाफा होना तय है, जबकि कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस अभी भी जीएसटी के दायरे से बाहर हैं। इसका मतलब है कि इन उत्पादों की बिक्री पर कंपनियां इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का पूरा लाभ नहीं उठा सकेंगी, जिससे फंसे हुए कर का बोझ बढ़ेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि ऐसे समय में की गई है जब वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। अप्रैल 2025 से ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 66 डॉलर/बैरेल पर आ गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 फीसदी कम है। ओएनजीसी जैसी प्रमुख कंपनियों की प्राप्ति में 20 फीसदी की गिरावट आई है, जिससे उनकी आय और मार्जिन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। आईसीआरए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने चेताया कि कर वृद्धि और कम ऊर्जा कीमतों के चलते कुछ परियोजनाएं आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं रह जाएंगी। हालांकि सरकार द्वारा ओएएलपी-एक्स जैसे नए सुधार लाए गए हैं, लेकिन जीएसटी दरों में वृद्धि ने इन प्रयासों की गति को धीमा करने का खतरा पैदा कर दिया है।

भारत का जीएसटी सुधार 2025 -टैक्स ढांचे का पुनर्निर्माण और वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

किशन सनमुखदास भावनानी

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत का जीएसटी सुधार 2025 सिर्फ एक वित्तीय पहल नहीं बल्कि आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन का प्रतीक है। यह सुधार भारत को न केवल घरेलू स्तर पर महंगाई से राहत दिलाएगा बल्कि वैश्विक मंच पर उसे और मजबूती से खड़ा करेगा।

वैश्विक स्तरपर भारत की अर्थव्यवस्था ने पिछले एक दशक में अनेकों उतार-चढ़ाव देखे हैं। वैश्वीकरण, अमेरिकी टैरिफ,तेल कीमतों की अनिश्चितता, महामारी के झटके और डिजिटल क्रांति के बीच भारतीय कर प्रणाली को समय- समय पर नए स्वरूप की आवश्यकता महसूस होती रही है। इसी कड़ी में 3-4 सितंबर 2025 को आयोजित जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक ऐतिहासिक साबित हुई,जब इसमें टैक्स स्लैब को पुनर्सरचित कर 12 पर्सेंट और 28 पर्सेंट की दरों को समाप्त कर दिया गया और सैकड़ों उत्पादों को 5 व 18 पर्सेंट टैक्स स्लैब में स्थानांतरित कर दिया गया। साथ ही अनेक आवश्यक वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डाल दिया गया,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि इससे गरीबों किसानों और मध्यम वर्ग के लिए जीवन यापन आसान होगा। यह नया ढांचा 22 सितंबर 2025 से लागू होगा।

साथियों बात अगर हम जीएसटी क्या है?और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की करें तो,वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक ऐसा अप्रत्यक्ष कर है, जिसे 122वें संविधान संशोधन अधिनियम के तहत 1 जुलाई 2017 को पूरे देश में लागू किया गया। जीएसटी का मूल उद्देश्य देशभर में एक राष्ट्र,एक टैक्स की अवधारणा को साकार करना था। इससे पहले केंद्र और राज्य स्तरपर उत्पाद शुल्क, सेवा कर, वैट, एंट्री टैक्स और लगान जैसी अनेक परतों वाले कर प्रणाली लागू थे,जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को जटिलताओं का सामना करना पड़ता था। जीएसटी ने इन सबको समेटकर एक एकीकृत कर ढांचा दिया।आज की तारीख में दुनियाँ के 150 से अधिक देशों में इसी तरह का जीएसटी सिस्टम किसी-न-किसी रूप में लागू है। कनाडा,ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ के अधिकांश देश, मलेशिया, सिंगापुर और यहां तक कि ब्राजील जैसे बड़े देश भी जीएसटी आधारित कर व्यवस्था से जुड़े हुए हैं।भारत का नया सुधार इसलिए भीमहत्वपूर्ण है क्योंकि अब वह वैश्विक मानकों के अनुरूप टैक्स ढांचे को और सरल बना रहा है।

साथियों बात अगर हम नए ढांचे का स्वरूप, नए टैक्स स्लैब की करें तो, नए सुधार के बाद भारत में अब टैक्स ढांचा मुख्यतः तीन बड़े स्लैब में केंद्रित हो गया है, 0 पर्सेंट 5 पर्सेंट और 18 पर्सेंट- 0 पर्सेंट स्लैब-गरीब और मध्यम वर्ग की जरूरतों से जुड़े खाद्यान्न, दालें, फल, सब्जियां, स्कूल किताबें, प्राथमिक शिक्षा सेवाएं और जीवनरक्षक दवाइयां इसमें शामिल हैं। यह स्लैब सीधे तौर पर समाज के कमजोर तबकों को राहत देने के लिए बनाया गया है।5 पर्सेंट स्लैब,इसमें रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं, कुछ डेयरी प्रोडक्ट्स, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं और छोटे व्यापार से

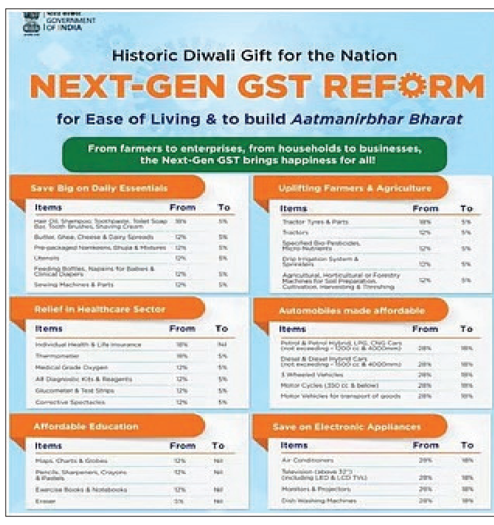

संबंधित सामान आते हैं।18 पर्सेंट स्लैब- इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, बीमा,निर्माण कार्य,उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं,औद्योगिक उत्पादन, लक्जरी सामान और उच्च मूल्य के कंज्यूमर गुड्स शामिल हैं।12पर्सेंट और 28 पर्सेंट स्लैब हटाने से टैक्स ढांचा सरल हुआ है। पहले जहां चार से अधिक प्रमुख दरें थीं,अब यह तीन स्लैबों में सिमट गया है,जिससे न केवल व्यापारियों के लिए टैक्स अनुपालन आसान होगा बल्कि आम उपभोक्ता को भी स्पष्टता मिलेगी।

साथियों बातें अगर हम किन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ? इसको समझने की करें तो,नए ढांचे के सबसे बड़े लाभार्थी वे क्षेत्र हैं जो प्रत्यक्ष रूप से गरीब, मध्यम वर्ग, उद्योग और सामाजिक जरूरतों से जुड़े हैं। (1)डेयरी प्रोडक्ट्स : दूध, पनीर, दही, घी और पोषण संबंधी उत्पादों पर टैक्स संरचना सरल होने से कीमतें स्थिर रहेंगी। इससे किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होगा। (2)बीमा क्षेत्र- स्वास्थ्य व जीवन बीमा पर बीमा प्रीमियम पर 0पर्सेंट टैक्स लागू होने से उपभोक्ताओं के लिए प्रीमियम लागत कम हो सकती है। इससे जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा और पेंशन योजनाओं में भागीदारी बढ़ेगी। (3)निर्माण और आवास-घर बनाने के लिए आवश्यक सीमेंट, स्टील, टाइल्स और सेवाओं पर कर भार कम होने से घर की लागत घटेगी। यह मध्यम वर्ग और रियल एस्टेट उद्योग दोनों के लिए लाभकारी है (4) इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र,मोबाइल, लैपटॉप और घरेलू उपकरणों की कीमतें स्थिर होने से डिजिटल इंडिया अभियान को गति मिलेगी। (5) मेडिकल और पोषण क्षेत्र :जीवन रक्षक दवाओं को 0% स्लैब और अन्य चिकित्सा उपकरणों को 5 पर्सेंट-18 पर्सेंट स्लैब में रखने से स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती होंगी।(6) एमएसएमई और बड़े उद्योग- सरल टैक्स स्लैब से छोटे और मझोले उद्योगों को अनुपालन लागत कम होगी, जबकि बड़े उद्योगों को उत्पादन और निर्यात बढ़ाने में बहुत विशाल सहूलियत होगी।

साथियों बात अगर हम जीएसटी रिफॉर्म करने का सरकार का मकसद और आम आदमी का फायदा होने की करें तो,जीएसटी सुधार का सबसे बड़ा मकसद है, (1) गरीबों और मध्यम वर्ग को राहत देना। नई दरों से- गरीब तबके को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब से सस्ते में भोजन और दवाइयां मिलेंगी, (2) घर बनाने वालों को कम खर्च आएगा,(3) बीमा सस्ता होगा, (4) स्वास्थ्य सेवाएं किफायती होंगी, (5) छोटे उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में मजबूती मिलेगी,(6) और महंगाई का दबाव घटेगासरकार यह संदेश देना चाहती है कि टैक्स नीति सिर्फ राजस्व बढ़ाने का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक न्याय और सामाजिक सुरक्षा का भी सशक्त औजार है।

साथियों बात अगर हम टैक्स के स्लैब में परिवर्तन करने से करीब 85000 करोड़ का घाटा और भरपाई के उपायों को समझने की करें तो, सरकार का अनुमान है कि दरें घटाने और कई वस्तुओं को 0 पर्सेंट टैक्स स्लैब में डालने से उसे लगभग 85,000 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो सकता है। लेकिन इसकी भरपाई के लिए बड़े उपाय किए गए हैं, 40 पर्सेंट स्लिप से रिकवरी-टैक्स अनुपालन बढ़ने, ई-इनवॉइसिंग और डिजिटल ट्रैकिंग से टैक्स चोरी में कमी आएगी और इससे राजस्व की बड़ी भरपाई होगी।

साथियों बात अगर हम अमेरिकी टैरिफ और भारत की रणनीति को समझने की करें तो, हाल के वर्षों में अमेरिका ने भारत सहित कई देशों के खिलाफ टैरिफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किए हैं। इस पृष्ठभूमि में जीएसटी सुधार भारत की आंतरिक ताकत को बढ़ाने का जरिया है। (1) सरल टैक्स ढांचा विदेशी निवेशकों को आकर्षित करेगा। (2) घरेलू उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाएगा।(3)निर्यात लागत कम होने से अमेरिका और यूरोप के टैरिफ का दबाव कम महसूस होगा।यह सुधार संकेत देता है कि भारत आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाना चाहता है।

साथियों बातें अगर हम जीएसटी सुधारो के पीछे संभव होता है राजनीतिक विमर्श,राहत या सियासत? की करें तो, जब 2017 में जीएसटी लागू हुआ था तब सरकार ने इसे 'वन नेशन, वन टैक्स' कहकर ऐतिहासिक बताया था और तर्क दिया था कि उच्च दरें राजस्व जुटाने के लिए जरूरी हैं। अब 2025 में दरें घटाने पर वही सरकार कह रही है कि, इससे उपभोक्ताओं को राहत और उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा। अब सवाल उठता है, क्या यह आर्थिक विवशता है या राजनीतिक रणनीति दरअसल, यह दोनों का मिश्रण है। वैश्विक मंदी, अमेरिकी दबाव और घरेलू महंगाई ने सरकार को दरें घटाने पर मजबूर किया। साथ ही, यह कदम गरीबों, मध्यम वर्ग और छोटे उद्योगों को चुनावी वर्ष में राहत देने की रणनीति भी हो सकता है।

साथियों बात अगर हम जीएसटी सुधारो को सामाजिक दृष्टिकोण, जैसे घर के बड़े समझाते हैं थ्योरी को समझने की करें तो, अगर इस सुधार को सामाजिक रूप से समझा जाए तो यह बिल्कुल वैसा है जैसे घर के बड़े सदस्य बच्चों को जीवन जीने का तरीका बताते हैं (1) 'भोजन और स्वास्थ्य सबसे पहले'-इसलिए खाद्यान्न और दवाइयां 0% स्लैब में।(2)'स्वास्थ्य का ध्यान रखो'- इसलिए मेडिकल और बीमा क्षेत्र सस्ता।(3)'घर बनाओ' -इसलिए कंस्ट्रक्शन सेक्टर को राहत।(4)'बच्चों की पढ़ाई जरूरी है'-इसलिए शिक्षा सेवाएं किफायती (5)'फालतू दिखावा मत करो'- इसलिए लक्जरी सामान पर टैक्स ऊंचा रखा गया।यह सुधार दर्शाता है कि सरकार टैक्स नीति को सिर्फ राजस्व का औजार नहीं, बल्कि समाज के कल्याण का ढांचा मानकर आगे बढ़ रही है।

साथियों बात अगर हम इन जीएसटी सुधारो को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के रूप में समझने की करें तो,विश्व अर्थव्यवस्था आज दो ध्रुवों में बंटी हुई है,अमेरिकी प्रभुत्व और एशियाई उभार। ऐसे समय में भारत का टैक्स सुधार एक सॉफ्ट पावर मॉडल के रूप में सामने आ रहा है।(1) यूरोप ने भी 2008 मंदी के बाद टैक्स स्लैब घटाकर अर्थव्यवस्था को स्थिर किया था। (2) चीन ने निवेश आकर्षित करने के लिए टैक्स दरें लचीली बनाई थीं।(3) भारत अब उसी राह पर चल रहा है।इससे भारत की छवि निवेश के लिए सुरक्षित और आकर्षक गंतव्य के रूप में मजबूत होगी।

संपादकीय

बढ़ती छटपटाहट

अमेरिकी राष्ट्रपति ड़ोनाल्ड़ ट्रंप अब कह रहे हैं कि भारत टैरिफ लगा कर हमें मार रहा है। एक रेड़ियो शो में उन्होंने कहा कि भारत, चीन और ब्राजील अपने ऊंचे टैरिफ से अमेरिका को मार रहे हैं। ट्रंप अपनी टैरिफ नीति को जंग सुलझाने वाले हथियार बता रहे हैं, परंतु बातचीत को बेहतरीन ताकत कहा। साथ ही, दावा किया उन्होंने सात जंगें रोकी हैं। अमेरिका को दुनिया की रीढ़ बताते हुए बाइडेऩ प्रशासन की टैरिफ नीति की आलोचना भी की। रूस से तेल खरीदने को लेकर अमेरिका ने २५ञ्च अतिरिक्त टैरिफ लगा कर इसे कुल 50प्र. कर दिया था, जिसे कम करने के संकेत बार-बार दिए जा रहे हैं। परंतु ट्रंप के मंत्रियों का कहना है कि रूस से तेल खरीद बंद करने के बाद अतिरिक्त टैरिफ खत्म किया जाएगा। जिस हार्ले-डेविड़सन मोटरसाइकिल की बात ट्रंप कर रहे हैं, उस पर अपने पिछले कार्यकाल में वह खुद काफी सख्त रवैया दिखा चुके हैं। फोर्ब्स के अनुसार इस कंपनी का मार्केट कैप इस वर्ष पौने तीन अरब ड़ॉलर था। चूंकि यह विशिष्ट और समृद्ध लोगों द्वारा प्रयोग की जाने वाली बाइक है, इसलिए भारत सरकार ने इस पर लगाए गए टैरिफ को कम करने पर कभी विचार ही नहीं किया। हालांकि अमेरिकी अदालत द्वारा अधिकांश टैरिफ को अवैध करार दिया गया और सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए अक्टूबर तक की मोहलत दी है। इसलिए घबराने या अफरा-तफरी की जरूरत नहीं। भारत दुनिया भर के लिए बड़ा बाजार है, जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती जा रही है। इसलिए हर बड़ी कंपनी को यहां कारोबारी विस्तार में रुचि है। ऑस्ट्रेलिया, यूके, यूएई से लेकर यूरोपियन यूनियन, न्यूजीलैंड़ और ओमान के साथ समझौते हो चुके हैं, या बात आगे बढ़ रही है। बेशक, अमेरिका के साथ इस टैरिफ वॉर का देश के निर्यात और आर्थिक प्रगति पर असर पड़ऩे की आशंकाएं हैं क्योंकि सात लाख करोड़.रुपये का सामान भारत द्वारा वहां निर्यात किया जा रहा था, जो 50प्र. टैरिफ बर्दाश्त नहीं कर सकता। खुद को शंति दूत बताने का ट्रंप का दांव स्वातःसुखाय ज्यादा लगता है। जिन युद्धों को रोकने में वे मध्यस्थ की भूमिका निभाने का दावा कर रहे हैं, उसे लेकर दुनिया कायल नहीं नजर आती। शांति का नोबेल झटकने की उनकी रणनीति में भारत ही नहीं, चीन और रूस भी रोड़ा लग रहे हैं। इसलिए उनकी खीज स्वाभाविक कही जा सकती है जिस पर तवज्जो देने की जरूरत नहीं है।

चिंतन-मनन

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मों का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं। यदि कोई किसी कारण मांसाहार करता है, तो यह समझना चाहिए कि वह अज्ञानवश ऐसा कर रहा है और अपने भविष्य को अंधकारमय बना रहा है।

हर देश को अपनी रक्षा का अधिकार है और देश से बढ़कर कुछ नहीं है

संजय गोस्वामी

रक्षा प्राचीन सभ्यता और श्रम संस्कृति दोनों में, श्रम का एक सामान्य रूप है, जिसमें से हम देख सकते हैं, जकन और हिंदू पूर्व, उपर्णशा। इनमें अधिकार शामिल हैं। हथियार सत्य, अहिंसा, आश्चर्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य होने चाहिए। यदि मृत्यु धर्म के कारण हो, तो वह अहिंसा है। जियो और जीने दो। भारत में सत्य और अहिंसा के संघर्ष में, श्री मोहनदास गांधी ने अपने सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों को सीखा और अपने जीवन में सत्य और अहिंसा को अपनाकर 1947 में भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराया। आज के यज्ञावर्षण युग में, अहिंसा के पालन से ही, यह सृष्टि पृथ्वी पर विद्यमान है। अंततः इस दुनिया में दो विश्व युद्ध हुए हैं, जिनमें मानव जीवन और अत्यधिक हिंसा मुख्य कारण हैं। जौनपुर के शहर, जिनके शहर गंगा की बारिश से नष्ट हो गए थे और नवरंग, जिनके शहर गंगा की बारिश से नष्ट हो गए थे। आज, सर्वोच्च शक्ति या सर्वोच्च शक्ति जो भगवान की पहुंच से परे है, ने उन्नत देशों को अपनी सुरक्षा के लिए हथियारों का उपयोग करने के लिए मजबूर किया है। सेनाओं के बीच इस प्रतिस्पर्धा के कारण ही विश्व युद्ध होगा और पृथ्वी पर जीवन समाप्त हो जाएगा। इसलिए, आज दुनिया के सभी लोगों के लिए इस धरती पर दिव्य जीवन के लिए अहिंसक जीवन जीने की कला को अपनाना आवश्यक है। भले ही दुनिया के सभी विश्व परम अहिंसा के कारण पर जुटे हों, फिर भी हर साल विश्व स्तर पर सभी दुनिया अहिंसा के मार्ग पर एक दुनिया से दूसरी दुनिया में बदल गई है। केंद्र से केंद्र की ओर बढ़ने की आवश्यकता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है और इसलिए संयुक्त परामर्श होगा।आज चीन विक्ट्री पैरेड कर शांति को भंग करना चाहता है जिसमें विश्व के शक्तिशाली देशों का जमावाड़ा लगा माननीय प्रधानमंत्री जी को शंघाई शिखर सम्मलेन में जाना उचित था या नहीं ऐ देश के वीर जवानों के लहू से आप खुद समझ जायेंगे देश सर्वोपरि है सेना हमारी रक्षा करती है सियाचिन जैसे कठिन गलेशियर पर -30 से 40 डिग्री के तापमान पर भी देश की सीमा की रक्षा करते हैं टैरिफ ज्यादा हुआ अमेरिका से तो देश में संसाधनों की कमी नहीं है ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन की धरती पर कदम नहीं रखना चाहिए वहाँ पाकिस्तान, तुर्की भी था रूस के राष्ट्रपति पुतिन को भारत की चिंता होती तो भारत आते चीन नहीं जब 26/11/08 के हमले हुए तो यही सोच रहा था कि आतंकवादी से मुक्ति दिलाने वाला सही में वो सरकार नाकाम हुई और 2011 में वर्ल्ड कप में जब इंडिया में मैच देखने मोहाली में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह आए तो पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री की खातिरदारी हुई जो आतंक को पालता है लेकिन अब ऐसा लगने लगा है सभी राजनीती पार्टियों को देश से ज्यादा सत्ता की चिंता होती है ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान से नहीं आतंकवादी से युद्ध हुआ और पाकिस्तान की दोहरी नीति सामने आई आतंकवादी को पालना पोसना अतः युद्ध में कूद गया और पाकिस्तान को सबसे ज्यादा किसी ने मदद की है तो वो चीन ही है आप मजे से हैं तो ऐ मत सोचिये की ठीक हो रहा है जो सीमा पर डटे हैं उनसे जाकर पूछिए कितना कष्ट में जीवन यापन करते है खुद के लिए नहीं देश के लिए अतः ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब सेना के उप प्रमुख का बयान आता है कि हम तीन फ्रंट पाकिस्तान, चीन और तुर्की से भी लड़ रहें थे तो उनका जज्बा देखिए कभी किसी ने चीन से युद्ध के बारे में खुले तौर पर नहीं कहा लेकिन सेना ने भारत माता के लिए वो दर्द सहा है संघर्ष किया है भारत माता का मस्तिष्क गर्व से ऊँचा किया है हम देश के लिए जिए और देश के लिए मरे यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए अमेरिका के सामने एक छोटा सा देश वेनेजुअला ने अमेरिका को डरा दिया कम नहीं है वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज ने घोषणा की है कि कैरिबियन में वाशिंगटन की सैन्य उपस्थिति को लेकर बढ़ते तनाव के बीच, उनका देश संयुक्त राज्य अमेरिका के किसी भी हमले का सामना करने के लिए तैयार है।रविवार को सरकारी मीडिया पर प्रसारित उनकी यह टिप्पणी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कार्टेल विरोधी अभियानों के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना बलों की तैनाती के बाद कराकस और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है भारत तो भगवान राम के आदर्शो पर चलने वाला देश है जहाँ देश ही सबकुछ है मान मयार्दा भी भारत माता के लिए है रविवार को सरकारी मीडिया पर प्रसारित उनकी यह टिप्पणी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कार्टेल विरोधी अभियानों के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना बलों की तैनाती के बाद कराकस और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है भारत 140 करोड़ देश वासियो का देश हैं जो आप महाकुम्भ मेला में उसकी ताकत देख चुके होंगे अतः हम देश के स्वाभिमान के लिए मर मिटने के लिए तैयार हैं जो हमें गुरुगोविन्द सिंह ने सिखाई है कि सत कर्मन से कभी ना डरो इसलिए आज पूजे जाते हैं हर हिंदुस्तानी के दिल में बसते है क्योंकि कभी देश की शान को झुकने नहीं दिया और सारा परिवार शहीद होने के बाद भी अंत अंत तक देश में मानवता की रक्षा की.भारत माता के स्वाभिमान की रक्षा हेतु खालसा पंथ भी बनाया ना तो कभी हारें और हाराना सिखया ऐ देश के प्रति सही शिक्षा हासिल करने से होगी आइये सब मिलकर शिक्षक दिवस पर देश प्रेम की शिक्षा प्राप्त करें क्योंकि जब देश बचेगा तभी हमारी संस्कृती बचेगी और हमारा वजूद रहेगा. भारत माता की रक्षा करना ही शिक्षा का मूल मन्त्र हो देश की सेवा के लिए शिक्षा जरुरी है इसलिए देश के वीर सैनिकों को नमन करता हूँ आज यूक्रेन पर भले ही चीन में सब उसका मजाक उड़ा ले लेकिन कभी इतिहास में ऐ भी दर्ज होगा जेलेस्की की बहादुरी और देश प्रेम की भावना जिससे ऐ तो मालूम होगा अपने देश की अखंडता और उसकी संप्रभुता की रक्षा हेतु जो किया वो सही था या गलत अतः देश ही सबकुछ है उसकी मिट्टी में ही जन्मे और मरे भी उसकी मिट्टी में और फिर जन्म भी अपनी मात्रभूमि में लिए.।

गुरुग्राम : जलभराव का जिम्मेदार कौन

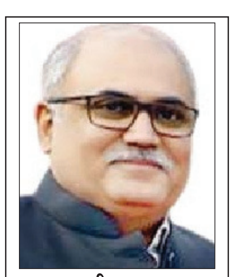

रजनीश कपूर

आज का गुरुग्राम, जिसे 'मिलेनियम सिटी' और ह्यसाइबर सिटी' जैसे गौरवशाली नामों से नवाजा जाता है, हर साल मानसून के आगमन के साथ जल में डूबे नरक में तब्दील हो जाता है। महज दो घंटे की बारिश शहर को घुटनों तक पानी में डुबो देती है। सड़कों पर घंटों लंबा ट्रैफिक जाम लग जाता है। करोड़ों रुपये की कीमत वाले आलीशान घरों में रहने वाले लोग बुनियादी सुविधाओं के अभाव में त्रस्त हो उठते हैं। यह विडंबना है कि एक ओर गुरु ग्राम भारत के सबसे महंगे रियल एस्टेट बाजारों में से एक है, जहां लोग भारी-भरकम टैक्स और किराए चुकाते हैं, वहीं सरकारी विभागों की लापरवाही और गैर-जिम्मेदारी के कारण यह शहर हर बारिश में डूब जाता है।

हाल में प्रसिद्ध लेखक और उद्यमी सुहेल सेठ ने एक सार्वजनिक मंच पर हरियाणा सरकार और स्थानीय प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने गुरु ग्राम की स्थिति को 'शर्मनाक' करार देते हुए कहा, 'गुरुग्राम खत्म हो चुका है। आप कल्पना भी नहीं कर सकते। इसकी शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने की और वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस स्थिति को संभाल नहीं पा रहे। बीजेपी को गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है। वे 11 साल से इस राज्य को चला रहे हैं, अब नेहरू को दोष नहीं दे सकते।'

सुहेल सेठ ने अपनी एक अन्य टिप्पणी में कहा, 'क्या नालों की सफाई के लिए रॉकेट साइंस चाहिए? नहीं, बिल्कुल नहीं।' इस शहर का बुनियादी ढांचे के मामले में इतना पिछड़ा होना न केवल शर्मनाक है, बल्कि गंभीर प्रशासनिक विफलता को भी दशार्ता है। गुरुग्राम में जलभराव की समस्या कोई नई बात नहीं है। हर मानसून के दौरान शहर की सड़कें नदियों में बदल जाती हैं, और प्रमुख मार्ग जैसे गोल्फ कोर्स रोड, सोहना रोड, और दिल्ली-जयपुर हाईवे पर घंटों तक ट्रैफिक रेंगता रहता है। एक सितम्बर, 2025 को महज चार घंटे की बारिश में 100 मिमी. से अधिक वर्षा दर्ज की गई जिसने शहर को पूरी तरह ठप कर दिया। नेशनल हाईवे-48 पर 7 किमी. लंबा जाम लग गया। लोग घंटों तक सड़कों पर फंसे रहे। सोशल मीडिया पर निवासियों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए तस्वीरें और वीडियो साझा किए जिनमें गोल्फ कोर्स रोड जैसे पॉश इलाकों में गहरे पानी में डूबी गाड़ियां और फंसे हुए लोग दिखाई दिए।

गुरुग्राम में जन्मे और वहीं पर बसे सफल उद्यमी और समाजसेवी शरद गोयल ने हाल में एक चैनल में दिए इंटरव्यू में कहा, 'इस संकट का मूल कारण है शहर का अनियोजित शहरीकरण और सरकारी विभागों में आपसी तालमेल का अभाव। आज गुरुग्राम अनियंत्रित निर्माण और बुनियादी ढांचे की कमी का शिकार है। गुरु ग्राम की पुरानी भौगोलिक संरचना में कई प्राकृतिक जलाशय और नाले थे, जो बारिश के पानी को संचित करते थे। लेकिन तेजी से हुए निर्माण ने इन जल निकायों को नष्ट कर दिया।' वे आगे कहते हैं, 'जनता बारिश और जल भराव से त्रस्त होती है लेकिन जनप्रतिनिधि कभी भी ऐसे मौकों पर सड़क पर दिखाई नहीं देते। नेताओं को छोड़िए निगम के अधिकारी भी ईद का चांद बने हुए हैं, जो केवल अनियमितताओं के चलते ही हरकत में आते हैं। अपने गैर जिम्मेदाराना रवैये के लिए कभी भी जनता के बीच नहीं दिखाई देते। सरकारी विभागों के बीच जवाबदेही का अभाव समस्या को और गंभीर बनाता है। म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ऑफ गुरुग्राम (एमसीजी), हरियाणा अर्बन डवलपमेंट अथॉरिटी (हुडा) और गुरुग्राम मेट्रोपॉलिटन डवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमडीए) जैसे विभिन्न निकाय एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते हैं, लेकिन कोई भी पूर्ण रूप से समस्या का समाधान नहीं करता। गुरुग्राम हो या देश अन्य कोई शहर, सभी को इंदौर से सबक लेना चाहिए जहां के अधिकारी और जनता सभी अपनी-अपनी जिम्मेदारियां पूर्णतः निभाते हैं, और सुखी रहते हैं।'

समाधान के लिए दीर्घकालिक और टिकाऊ शहरी नियोजन की जरूरत है। प्राकृतिक जल निकायों के पुनर्जनन, आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कुओं का निर्माण और अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई जैसे कदम उठाए जाने चाहिए। सरकारी विभागों के बीच बेहतर तालमेल और जवाबदेही सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है। हर वो अधिकारी जो गुरुग्राम जैसे क्षेत्र में तैनाती पाने के लिए एड़ीझ्रचोटी का जोर लगाता है वो यहां आते ही काम करने से क्यों बचता है? यदि उस पर काम न

करने पर तबादले की तलवार लटका दी जाए या कुछ आलसी अधिकारियों का तबादला कर दिया जाए तो इससे बाकी अधिकारियों के बीच सही संदेश जाएगा। गुरु ग्राम को 'मिलेनियम सिटी' का दर्जा बनाए रखने के लिए आलीशान इमारतें और कॉरपोरेट कार्यालय ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि इसे ऐसा शहर बनाना होगा जो अपनी जनता को बुनियादी सुविधाएं और सम्मानजनक जीवन प्रदान कर सके। जब तक ये कदम नहीं उठाए जातेङ्क तब तक गुरुग्राम हर मानसून में डूबता रहेगा और निवासियों की निराशा बढ़ती रहेगी।

(लेख में विचार निजी हैं)

संक्षिप्त समाचार

इलिनोइस में सार्वजनिक परिवहन पर हथियार ले जाने पर प्रतिबंध को मंजूरी

स्प्रिंगफील्ड, एजेंसी। संघीय अपील अदालत ने इलिनोइस में सार्वजनिक परिवहन पर हथियार ले जाने पर प्रतिबंध को मंजूरी दे दी है। साथ ही निचली अदालत के उस फैसले को पलट दिया है जिसमें पाया गया था कि यह प्रतिबंध दूसरे संशोधन का उल्लंघन करता है। अमेरिकी अपील अदालत के न्यायाधीश जोशुआ कोलार ने तीन न्यायाधीशों वाले पैनल के बहुमत के मत में लिखा कि यह प्रतिबंध संवेदनशील और भीड़-भाड़ वाले, सीमित स्थानों पर हथियारों की सीमा तय करने की सदियों पुरानी प्रथा के अनुकूल है।

वेनेजुएला गिरोह का पुराने कानून से निर्वासन न करें ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संघीय अपीलीय अदालत ने फैसला दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून का इस्तेमाल करके उन लोगों को निर्वासित नहीं सकते, जिन पर उनकी सरकार वेनेजुएला के एक गिरोह का सदस्य होने का आरोप लगाती है। इस फैसले से ट्रंप प्रशासन की बड़ी पहल पर रोक लग गई है। देश की रूढ़िवादी संघीय अपील कोर्ट में तीन जजों की पीठ ने 2-1 से दिए फैसले में प्रवासी अधिकार कार्यकर्ताओं व निचली अदालतों की दलीलों से सहमति जताई।

ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से टैरिफ मामले में त्वरित सुनवाई की मांग की

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने बुधवार को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए राष्ट्रपति द्वारा लगाए गए टैरिफ को वैध ठहराने की त्वरित मांग की। इससे पहले, फेडरल सर्किट की अपील अदालत ने फैसला सुनाया था कि डोनाल्ड ट्रंप के अधिकांश टैरिफ आपातकालीन शक्तियों के कानून के तहत अवैध हैं, हालांकि अदालत ने उन्हें फिलहाल लागू रहने दिया। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की है कि वह जल्द हस्तक्षेप करे और राष्ट्रपति को संघीय कानून के तहत व्यापक व्यापारिक दंड लगाने का अधिकार स्पष्ट करे। यह मामला ट्रंप की व्यापार नीतियों और अमेरिकी राष्ट्रपति की शक्तियों के दायरे को लेकर महत्वपूर्ण कानूनी मोड़ माना जा रहा है।

यूएन का दावा, यमन में हूतियों की हिरासत में हैं 19 कर्मचारी

वाशिंगटन, एजेंसी। विश्व निकाय के मुताबिक, यमन की राजधानी में उसके कार्यालयों पर धावा बोलने के दौरान ईरान समर्थित हूतियों ने 19 कर्मचारियों को हिरासत में लिया। यह शुरुआत में बताई गई संख्या से अधिक है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हिरासत में लिए गए उसके कर्मचारियों में से 18 यमन के नागरिक हैं और एक अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी है। उन्होंने सभी को तुरंत रिहा करने की अपील की।

ब्रिटिश उप प्रधानमंत्री ने कम संपत्ति कर जमा किया, बर्खास्तगी की मांग

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की उप-प्रधानमंत्री और आवास मंत्री एंजेला रेनर ने स्वीकार किया कि उन्होंने गलत कानूनी सलाह मिलने के बाद हाल ही में इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर खरीदे गए नए घर पर कम कर का भुगतान किया था। उनकी यह स्वीकारोक्ति कम स्टाम्प ड्यूटी को लेकर कई सप्ताह से मीडिया में गहन कवरेज के बाद आई है। इसके साथ ही विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी ने उन्हें बर्खास्त करने की मांग की। रेनर ने कहा, मैं स्वीकार करती हूं कि वकीलों पर भरोसा करने के कारण गलती हुई। उन्होंने प्रावधानों को नहीं समझा। मैंने खरीद के समय उचित स्टाम्प शुल्क का भुगतान नहीं किया।

हॉट माइक से लीक हुई पुतिन और जिनपिंग की बातचीत

इंसानों की उम्र बढ़ाने की संभावना पर कर रहे थे चर्चा

बीजिंग, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीन के समकक्ष शी जिनपिंग जब बुधवार को कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे थे, तो एक हॉट माइक ने उनकी बातचीत रिकॉर्ड कर ली, जिसमें वह अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन ट्रांसप्लांट) और इंसानों की उम्र 150 साल तक बढ़ाने की संभावना पर बात कर रहे थे। यह पल तब आया जब पुतिन और जिनपिंग उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ मिलकर एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थे। इस प्रतिनिधिमंडल में दो दर्जन से ज्यादा विदेशी नेता शामिल थे। ये सभी बीजिंग में आयोजित एक सैन्य परेड देखने पहुंचे थे। यह भव्य सैन्य परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित की गई थी।

1.9 अरब बार देखी गई कार्यक्रम की सीसीटीवी कवरेज : चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के लाइवस्ट्रीम में यह पल रिकॉर्ड हुआ, जिसमें सीजीटीएन, एपी और रॉयटर्स सहित अन्य मीडिया ने भी प्रसारित किया। चीन के रेडियो और टेलीविजन प्रशासन ने बताया कि इस कार्यक्रम की सीसीटीवी कवरेज को 1.9 अरब बार ऑनलाइन देखा गया और 40 करोड़ से ज्यादा लोगों ने देखा।

तीनों नेताओं में क्या बातचीत हुई? : जैसे ही पुतिन और जिनपिंग, किम जोंग उन के साथ परेड देखने के लिए तियानानमेन के मंच की ओर बढ़ रहे थे, तो पुतिन के अनुवादक की चीनी भाषा में आवाज सुनाई दी, जिसमें वह कह रहे थे- बायोटेक्नोलॉजी लगातार विकसित हो रही है। इसके बाद एक अस्पष्ट हिस्से के बाद अनुवादक ने कहा, मानव अंगों का बार-बार प्रत्यारोपण किया जा सकता है। जितना अधिक आप जीते हैं, उतने ही युवा होते जाते हैं और (आप) भी प्राप्त कर सकते हैं। शी जिनपिंग उस समय कैमरे में नहीं दिख रहे थे, लेकिन उन्हें चीनी भाषा में जवाब देते हुए सुना गया- कुछ लोगों का अनुमान है कि इस सदी में इंसान 150 तक जी सकते हैं।

किम जोंग उन मुस्करा रहे थे और पुतिन व शी की ओर देख रहे थे। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह बातचीत उनके लिए अनुवाद की जा रही थी या नहीं। सीसीटीवी क्लिप में पुतिन की आवाज रूसी भाषा में साफ-साफ सुनाई नहीं दी। रूसी सरकार ने इस पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। चीन के विदेश मंत्रालय और सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने भी रॉयटर्स के सवालों का जवाब नहीं दिया।

कार्यक्रम में मौजूद थे 50 हजार से अधिक लोग : जैसे ही शी ने बोलना शुरू किया, वीडियो में दृश्य बदल गया और तियानानमेन स्क्वायर का दूर का शॉट दिखाया गया और ऑडियो धीमा हो गया। करीब तीस सेकंड बाद ही शी, पुतिन और किम दोबारा कैमरे में दिखाई दिए, जब वे परेड देखने के लिए मंच की ओर सीढ़ियों से ऊपर जा रहे थे। कार्यक्रम में पचास हजार से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। अपने संबोधन में शी जिनपिंग ने कहा कि दुनिया अभी शांति या युद्ध के विकल्प के बीच खड़ी है। उन्होंने हाइपरसोनिक मिसाइलों और नौसैनिक ड्रोन जैसे अत्याधुनिक हथियारों का निरीक्षण भी किया।

चीन और रूस के बीच कई समझौते : पुतिन रविवार को चीन पहुंचे थे, जहां उन्होंने चीन की मेजबानी में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित 20 से अधिक वैश्विक नेता शामिल हुए। पुतिन और शी ने उर्जा से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक 20 से अधिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने एक नई गैस पाइपलाइन बनाने पर भी सहमति जताई। हालांकि गैस के दाम और वित्त जैसे अहम बिंदुओं पर कोई जानकारी नहीं दी गई।

ट्रंप को बड़ा झटका, जज ने पलट दिया हार्वर्ड की फंडिंग में कटौती वाला फैसला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने ट्रंप सरकार के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को दी जाने वाली 2.6 अरब डॉलर की रिसर्च फंडिंग में कटौती की गई थी। यह हार्वर्ड के लिए बड़ी जीत है। जज एलिसन बरोज ने कहा कि यह कटौती गलत थी और इसे सिर्फ इसलिए किया गया क्योंकि हार्वर्ड ने सरकार की कुछ मांगों को मानने से इनकार कर दिया था।

पूरा विवाद समझिए : ट्रंप सरकार ने हार्वर्ड पर आरोप लगाया था कि वह परिसर में यहूदी-विरोधी गतिविधियों को रोकने में नाकाम रहा और वहां बहुत ज्यादा उदारवादी विचारों को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रशासन ने 11 अप्रैल को एक पत्र के माध्यम से हार्वर्ड से परिसर में विरोध प्रदर्शनों, अकादमिक नीतियों और प्रवेश प्रक्रियाओं में व्यापक बदलाव की मांग की थी। इस पत्र में छात्रों और शिक्षकों के दृष्टिकोण का ऑडिट करने, मेरिट-आधारित प्रवेश और नियुक्ति नीतियों को लागू करने, और विविधता, समानता और समावेशन कार्यक्रमों को बंद करने जैसे कदमों की मांग की गई थी।

हार्वर्ड ने 14 अप्रैल को इन मांगों को ठुकरा दिया, जिसके तुरंत बाद ट्रंप प्रशासन ने 2.2 अरब डॉलर की रिसर्च फंडिंग को फ्रीज कर दिया। मई में शिक्षा सचिव लिंडा मैकमोहन ने घोषणा की कि हार्वर्ड नई फंडिंग के लिए पात्र नहीं होगा, और बाद में प्रशासन ने हार्वर्ड के साथ कॉन्ट्रैक्ट्स को रद्द करना शुरू कर दिया।

न्यायिक फैसला : जज बरोज ने अपने 84 पेज के आदेश में कहा कि ट्रंप प्रशासन ने यहूदी-विरोधी गतिविधियों का हवाला देकर रिसर्च फंडिंग को अवैध रूप से रोकने के लिए फर्जी कहानी बनाई। जज ने अपने फैसले में कहा कि सरकार ने यहूदी-विरोधी गतिविधियों का बहाना बनाकर हार्वर्ड की फंडिंग रोकी, जो गलत था। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने कानून के नियमों का पालन नहीं किया। जज ने आदेश दिया कि हार्वर्ड की सारी फंडिंग बहाल की जाए और भविष्य में ऐसी कटौती न हो, जो हार्वर्ड के अधिकारों का उल्लंघन करे।

हार्वर्ड की प्रतिक्रिया : हार्वर्ड के अध्यक्ष एलन गार्बर ने यहूदी-विरोधी भावनाओं से लड़ने की प्रतिबद्धता जताई, लेकिन कहा कि कोई भी सरकार निजी विश्वविद्यालयों को यह तय करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती कि वे क्या पढ़ाएं, किसे प्रवेश दें या नियुक्त करें, और किन क्षेत्रों में रिसर्च करें। वाइट हाउस की प्रवक्ता लिज हस्टन ने जज बरोज को ओबामा द्वारा नियुक्त कार्यकर्ता जज करार देते हुए फैसले की निंदा की और कहा कि सरकार तत्काल अपील करेगी। उन्होंने दावा किया कि हार्वर्ड ने अपने छात्रों को उत्पीड़न से बचाने में विफलता दिखाई और परिसर में भेदभाव को पनपने दिया। हस्टन ने कहा, हार्वर्ड को करदाताओं के धन का संवैधानिक अधिकार नहीं है और वह भविष्य में अनुदानों के लिए अयोग्य रहेगा।

किम के बाद बेटी जू बन सकती हैं सत्ता की दावेदार, पिता के साथ चीन जाने से अटकलें हुईं तेज

प्योंगयाग, एजेंसी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन एक ऐसी शख्सियत हैं जिनके आसपास की दुनिया हमेशा रहस्यमयी बनी रहती है। वहां की अंदरुनी राजनीति के बारे में भी बाहरी दुनिया को बहुत कम जानकारी होती है। यहां की सत्ता केवल किम परिवार के हाथों में ही रही है। उत्तर कोरिया के मौजूदा नेता किम जोंग उन इसी परंपरा को आगे बढ़ाते नजर आ रहे हैं। अटकलें लगाई जाने लगी हैं कि उनके बाद उत्तर कोरिया की सत्ता उनकी बेटी किम जू ए के हाथों में होगी। इन अटकलों को इस बात से और बल मिला कि किम जोंग उन चीन के सैन्य परेड में शामिल होने गए तो अपनी इस किशोर बेटी को भी साथ ले गए।

विदेश के किसी कार्यक्रम में जू ए की यह पहली मौजूदगी थी। नवंबर 2022 में वह पहली बार अपने पिता के साथ किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखीं थी। यह वह समय था जब उत्तर कोरिया ने अपनी सबसे बड़ी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण का सफल प्रदर्शन किया था। परीक्षण स्थल पर किम जोंग बेटी का हाथ पकड़े दिखे थे। उसके बाद से जू अपने पिता के साथ देश में ही कई महत्वपूर्ण और समारोहों में दिखती रही हैं।

परिवार की चौथी पीढ़ी की नेता होंगी : विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की यात्रा से किम जोंग अपनी बेटी को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाकर भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं। वह यह संदेश देना चाहते हैं कि सत्ता आगे भी परिवार में ही रहेगी। अगर ऐसा होता है तो वह परिवार की चौथी पीढ़ी की नेता होंगी। हालांकि, पुरुष प्रधान देश में किसी महिला को नेता के रूप में स्वीकारना आसान नहीं होगा। किम जोंग की स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर कई बार रिपोर्टें आ चुकी हैं।

पीएम मोदी को रूस और चीन के करीब ला रहा व्हाइट हाउस, ट्रंप के पूर्व सलाहकार जॉन बोल्टन का बयान

वॉशिंगटन , एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने गुरुवार (स्थानीय समय) को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की। उन्होंने भारत पर लगाए गए 50 टैरिफ को लेकर ट्रंप पर निशाना साधा और उन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस और चीन के करीब लाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ट्रंप की टैरिफ नीति ने पिछले अमेरिकी प्रशासन की दशकों की मेहनत पर पानी फेर दिया है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बोल्टन ने एक पोस्ट में कहा, व्हाइट हाउस ने पीएम मोदी को रूस और चीन के करीब लाकर अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया है। बीजिंग ने खुद को अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के विकल्प के रूप में पेश किया है। उन्होंने ट्रंप की टैरिफ नीति की आलोचना करते हुए कहा कि इसने भारत को तत्कालीन सोवियत संघ (रूस) के साथ शीत युद्ध के संबंधों से दूर करने और चीन से बढ़ते खतरे से निपटने के दशकों के पश्चिमी प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है।

जिनपिंग को पूर्व में भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप देने का अवसर दिया : इससे पहले सोमवार (स्थानीय समय) को एक्स पर कई पोस्टों में बोल्टन ने ट्रंप पर अपने आर्थिक दृष्टिकोण से रणनीतिक लाभ को खतरे में डालने का आरोप लगाया था। साथ ही उन्होंने यह भी सुझाव दिया था कि इस नीति ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पूर्व में भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप देने का अवसर दिया है।

विनाशकारी टैरिफ नीति से दशकों के प्रयासों को ध्वस्त किया : बोल्टन ने अपने एक पोस्ट में कहा, पश्चिम ने दशकों से भारत को सोवियत संघ या रूस के साथ शीत युद्ध के लगाव से दूर करने की कोशिश की है और चीन की ओर से उत्पन्न खतरे के प्रति भारत को आगाह किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी विनाशकारी टैरिफ नीति से दशकों के प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है। एक अन्य पोस्ट में लिखा था, डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कूटनीतिक कदमों को व्यापक रणनीतिक संदर्भ में देखने की अनिच्छा ने शी जिनपिंग को पूर्व को फिर से स्थापित करने का अवसर दिया है।

50 फीसदी टैरिफ की आलोचना की : जॉन बोल्टन एक पूर्व अमेरिकी सरकारी अधिकारी हैं, जिन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति बनने के पहले कार्यकाल में उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (2018-19) के रूप में कार्य किया था। बाद में त्कालीन प्रशासन की विदेश नीति पर ट्रंप के साथ मतभेदों के कारण उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिका की ओर से भारतीय आयातों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद (जिसमें नई दिल्ली की ओर से रूसी कच्चे तेल की खरीद के कारण 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ भी शामिल था) बढ़ते आर्थिक तनाव के कारण नई दिल्ली वैश्विक अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है।

चीन में साथ आए थे पीएम मोदी, जिनपिंग और पुतिन : यह टिप्पणी चीन के तियानजिन में 25वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्ष परिषद शिखर सम्मेलन के समापन के बाद आई है, जिसके दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने शिखर सम्मेलन से इतर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

चीन से किम जोंग का जूठा गिलास ले गए बॉडीगार्ड्स पुतिन से मुलाकात के बाद फिंगरप्रिंट भी मिटाए

सीक्रेट जानकारी लीक होने का खतरा

बीजिंग, एजेंसी। नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने बुधवार को चीन की राजधानी बीजिंग में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। डेली मेल के मुताबिक, इस मुलाकात के बाद किम जोंग के गार्ड्स उनका जूठा गिलास अपने साथ ले गए। उन्होंने उस कुर्सी-टेबल को भी सावधानी से साफ कर दिया, जिस पर किम बैठ थे। रूसी पत्रकार अलेक्जेंडर युनाशेव ने बताया कि मीटिंग के बाद कुर्सी, टेबल और आस पास की चीजों को इस तरह साफ किया कि उन पर किम का कोई निशान नहीं छूट जाए।

एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि ये रूस और चीन की जासूसी से बचने की कोशिश हो सकती है या फिर किम अपनी हेल्थ की जानकारी छिपाना चाहते हैं। किसी नेता के फिंगर प्रिंट और मल-मूत्र से उसके डीएनए और हेल्थ से जुड़ी सीक्रेट जानकारी पता की जा सकती है।

सीक्रेट जानकारी लीक होने का खतरा : फिंगरप्रिंट से किसी भी इंसान के सीक्रेट दस्तावेज तक पहुंच हासिल की जा सकती है। फिंगरप्रिंट का इस्तेमाल फोन, लैपटॉप, और सीक्रेट ठिकानों में एंट्री के लिए भी होता है। किसी भी देश के नेता का स्वास्थ्य 'टॉप सीक्रेट' माना जाता है। अगर ये जानकारी बाहर आ जाए तो दुश्मन देश उसकी कमजोरियों का फायदा उठा सकते हैं।

विदेशी एजेंसियां स्वास्थ्य रिपोर्ट लीक कर यह छवि बना सकती हैं कि राष्ट्रपति कमजोर या बीमार हैं। इससे घरेलू राजनीति और जनता का भरोसा डगमगा सकता है। यही वजह है कि दुनिया के कई देशों की सिक्योरिटी एजेंसी विदेश दौरे पर अपने नेता के फिंगरप्रिंट साफ कर देती हैं और उनके मल-मूत्र वापस ले जाती है।

कोरोना के बाद पहली बार चीन पहुंचे किम जोंग : पत्रकार युनाशेव के मुताबिक, किम और पुतिन की मुलाकात अच्छी रही। दोनों नेता खुश थे और बाद में साथ में चाय पीने गए। किम ने पुतिन से कहा- अगर मैं रूस के लिए कुछ कर सकता हूं, तो मुझे खुशी होगी।

पुतिन ने उत्तर कोरिया को यूक्रेन में सैनिक भेजने के लिए शुक्रिया कहा। कोविड-19 के बाद किम जोंग का यह पहला चीन दौरा था। यहां उन्होंने पुतिन के साथ चीन की विक्ट्री डे परेड में हिस्सा लिया।

हैती में गिरोहों से निपटेगा 5550 सैनिकों वाला नया बल, अमेरिका और पनामा ने यूएनएससी के सामने रखा प्रस्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और पनामा ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से आग्रह किया है कि हैती में बढ़ती हिंसा को रोकने के लिए 5,550 सदस्यों वाले एक नए अंतरराष्ट्रीय बल को मंजूरी दी जाए और इस बल को गिरोहों के सदस्यों को हिरासत में लेने की शक्ति भी दी जाए। दोनों देशों ने यूएनएससी के सामने एक मसौदा रखा है, जिसमें हैती में पहले से तैनात केन्या के अगुवाई वाले बल को बदलने की बात कही गई है। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

राजधानी के 90 फीसदी हिस्से पर कब्जा कर चुके गिरोह : सबसे पहले केन्या के सैनिक जून 2024 में हैती पहुंचे थे। बल में शुरुआत में सैनिकों की संख्या ढाई हजार होनी थी, लेकिन फंड की कमी के कारण इस संख्या को फिहलाल एक हजार से भी कम रखा गया है। हैती में 2021 में राष्ट्रपति जोवेनेल मोइज की हत्या के बाद से गिरोहों की ताकत काफी बढ़ गई है। ये गिरोह अब राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस के नब्बे फीसदी हिस्से पर कब्जा कर चुके हैं और गांवों तक अपना नेटवर्क फैला चुका हैं। इन गिरोहों के सदस्य लूटपाट, अपहरण, यौन हिंसा और दुष्कर्म जैसे अपराधों में शामिल हैं। राष्ट्रपति की हत्या के बाद से हैती में कोई निर्वाचित राष्ट्रपति नहीं है।

छह पन्नों के मसौदे में क्या कहा गया? : छह पन्नों के मसौदे में हैती का धन्यवाद किया गया है कि उसने इस अंतरराष्ट्रीय बल का नेतृत्व किया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की फरवरी में कही गई बात को दोहराया गया है कि यह बल गिरोहों के बढ़ते प्रभाव को रोकने में विफल रहा है, इसलिए इसे और मजबूत करने की जरूरत है। अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने 28 अगस्त को कहा था कि अमेरिका एक नए गिरोह दमन बल के लिए संयुक्त राष्ट्र की मंजूरी चाहता है। यह मसौदा प्रस्ताव कहता है कि यह नया बल हैती सरकार के सहयोग से एक साल तक काम करेगा और उसे गिरोहों के जुड़े लोगों को पकड़ने और हिरासत में लेने की शक्ति होगी। इस बल में 5,500 वर्दी पहने सैनिक और पचास नागरिक होंगे, जिनका वेतन स्वैच्छिक योगदान से दी जाएगी। हालांकि, इसमें यह नहीं बताया गया हैकि केन्या या कोई अन्य देश सैनिक या पुलिस बल देगा या नहीं। प्रस्ताव में कहा गया है कि यह बल स्वतंत्र रूप से खुफिया आधारित कार्रवाई कर गिरोहों को अलग करने, खत्म करने और उन्हें रोकने का काम करेगा, ताकि नागरिकों के खिलाफ हिंसा, मानवाधिकार हनन और हैती की संस्थाओं को कमजोर होने से रोका जा सके। यह नया बल हवाई अड्डों, बदरगाहों, स्कूलों, अस्पतालों जैसी महत्वपूर्ण जगहों की सुरक्षा भी करेगा और हैती की पुलिस व सेना के साथ मिलकर काम करेगा।

एलन मस्क की बेटी विवियन विल्सन बोलीं- लोग सोचते हैं कि मेरे पास बहुत पैसा है, लेकिन मैं बहुत गरीब हूं

वााशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक, दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की बेटी विवियन विल्सन ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें अरबपति की बेटी मानकर बेहद अमीर समझते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि वह कंगाल हैं और साधारण जिंदगी जी रही हैं। 21 वर्षीय विवियन मॉडलिंग के क्षेत्र में कदम रख रही हैं। उन्होंने द कट मैग्जीन से बातचीत में बताया कि वह तीन रूममेट्स के साथ रहती हैं क्योंकि यह सस्ता पड़ता है। उन्होंने साफ कहा, लोग सोचते हैं कि मेरे पास बहुत पैसा है, लेकिन मेरे पास लाखों-करोड़ों डॉलर नहीं हैं।

अमीर पिता से दूरी : विवियन ने स्वीकार किया कि उनकी मां आर्थिक रूप से संपन्न हैं और उनके पिता एलन मस्क अकल्पनीय रूप से धनी हैं, लेकिन उन्होंने खुद को इस अमीरी से अलग रखा है। उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत ज्यादा अमीर बनने की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, मेरे पास रहने की जगह है, दोस्त हैं, खाने को है और थोड़ा-बहुत खर्च करने लायक पैसा भी। मेरी उम्र के ज्यादातर लोगों की तुलना में मैं भाग्यशाली हूं।

बचपन और पढ़ाई : इंटरव्यू में विवियन ने अपने विशेषाधिकारों से भरे बचपन पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक ऐसे प्राइवेट हाई स्कूल में पढ़ाई की जहां अधिकतर नेपो बेबीज पढ़ते थे। उनकी क्लास में हॉलीवुड सितारों ग्वेनेथ पाल्ट्रो और क्रिस मार्टिन की बेटी एपल भी थीं।

विवियन ने यह भी बताया कि उन्हें बचपन से ही कई भाषाएं सिखाई गईं जिनमें कोरियन, चीनी, जापानी और स्पेनिश शामिल हैं। उन्होंने कनाडा और जापान दोनों जगह कॉलेज में पढ़ाई की, लेकिन पढ़ाई अधूरी छोड़ दी। उनका कहना था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव के चलते उनमें मोटिवेशन की कमी हो गई।

मॉडलिंग और नई पहचान : विवियन अब एक एजेंट से जुड़ चुकी हैं और हाल ही में टीन वोग के कवर पर नजर आईं। हालांकि उन्होंने माना कि उन्हें फेमस होने की आदत नहीं है। उन्होंने कहा, मैंने बहुत समय तक आम इंसान की तरह दिखने के लिए संघर्ष किया। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे सिर्फ स्पष्ट कारणों (एलन मस्क की बेटी) से न जानें।

उन्होंने यह भी कहा कि भले ही उन्हें शोहरत से ज्यादा लगाव नहीं है, लेकिन इसकी वजह से मिलने वाला पैसा उन्हें पसंद है। विवियन ने कहा, मुझे कभी-कभी अपनी पुरानी जिंदगी की सादगी याद आती है। लेकिन मैं यह भी मानती हूं कि फेमस होने से पैसे आते हैं, और यह मुझे अच्छा लगता है।

पिता से कटु संबंध : गौरतलब है कि विवियन, मस्क की 14 संतानों में सबसे बड़ी हैं। वर्ष 2022 में उन्होंने कानूनी रूप से अपना नाम और जेंडर बदल लिया था और तब से उन्होंने अपने पिता से सारे संबंध तोड़ दिए हैं। उन्होंने कई बार सोशल मीडिया पर मस्क की आलोचना की है और एक बार तो उन्हें पैथेटिक मैन-चाइल्ड भी कहा था।

पिपंल्स, फटी एड़ियां और होंठों का कालेपन दूर करने में फायदेमंद है अनानास

अनानास एक ऐसा फल है, जो खाने में स्वादिष्ट और सेहत के लिए फायदेमंद होने के साथ- साथ आपकी त्वचा को स्वस्थ एवं सुंदर बनाए रखने में भी मदद कर सकता है। जी हां शायद त्वचा पर अनानास का इस्तेमाल करना कोई जानता हो, लेकिन पौष्टिक तत्वों से भरपूर अनानास को सिर्फ खाया या जूस बनाकर पिया ही नहीं जा सकता, बल्कि अपनी त्वचा एवं बालों पर मास्क बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए यहां हम आपको त्वचा पर अनानास के इस्तेमाल करने का तरीका बता रहे हैं, जो कील-मुंहासों से लेकर आपकी फटी एड़ियों को सही करने का भी बेहतर विकल्प हो सकता है। अनानास में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और मिनरल्स त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो त्वचा को स्वस्थ और जवां बनाए रखने में मदद करता है।

पिंपल्स के लिए

पिंपल्स की समस्या से लगभग हर कोई परेशान रहता है। फर्क सिर्फ इतना है कि कुछ लोगों के चेहरे पर कील-मुंहासे ज्यादा होते हैं और कुछ के कभी-कभार। चेहरे पर पिंपल्स न केवल आपकी सुंदरता पर दाग के समान होते हैं, बल्कि कई बार यह काफी तकलीफदायक भी होते हैं। ऐसे में पिंपल्स की समस्या में अनानास फायदेमंद साबित हो सकता है। अनानास में मौजूद विटामिन-सी मुहांसों से निजात पाने में असरदायक है। इसके अलावा इसमें मौजूद ब्रोमेलिन विटामिन-सी के असर को बढ़ाता है। इसके लिए आप सबसे पहले एक पका अनानास लें और उसका रस निकाल लें। अब आप इस रस को रूई की मदद से रात को सोने से पहले पिंपल्स पर लगाएं और सुबह उठकर चेहरे को साफ पानी से धो लें। पिंपल्स होने पर आप रोजाना ऐसा करें आपको कुछ ही दिनों में फायदा नजर आएगा और आप बाकी लोगों को भी यह नुक्शा जरूर बताएंगे।

त्वचा को रखे हाइड्रेट

अनानास कील-मुहासों को दूर करने के साथ आपकी त्वचा को हाइड्रेट रखने में भी मदद करता है। यह आपकी त्वचा को हाइड्रेट एवं चमकदार बनाए रखता है, जिससे त्वचा रूखी और बेजान नहीं लगती। इसके लिए आप अनानास को अच्छे से छीलकर कुछ टुकड़े मिक्सर में डालें। इसके बाद आप इसमें अंडे की जर्दी और 2 चम्मच दूध मिलाएं और पेस्ट तैयार कर लें। अब इस तैयार पेस्ट को अपनी त्वचा पर लगाएं और इसे 20 मिनट तक लगा रहने दें और फिर पानी से चेहरा धो लें। यह आपकी त्वचा को तरोताजा एवं हाइड्रेट रखेगा।

जवां त्वचा पाएं

अनानास आपकी त्वचा में निखार लाने एवं त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है। अनानास शरीर में कोलेजन सिंथेसिस को बढ़ावा देता है। कोलेजन की सही मात्रा होने से त्वचा में लचीलापन आता है। इसके अलावा, इसमें मौजूद विटामिन-सी और अमीनो एसिड डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करते हैं। जवां त्वचा पाने के लिए आप अनानास का खाने के साथ इसका जूस पी सकते हैं। इसके अलावा आप इसका फेस मास्क भी बना सकते हैं। इसके लिए आप अनानास को छीलकर कुछ टुकड़े मिक्सर में डालें और इसका पेस्ट बना लें। अब इसमें आप 1 चम्मच शहद और चाहें, तो एलोवेरा जेल डाल लें और इससे बना पेस्ट अपने चेहरे पर लगाएं। 20 मिनट रखने के बाद चेहरे को साफ पानी से धो लें।

फटे होंठ करें मुलायम

फटे होंठों को मुलायम बनाने में अनानास मददगार है। यह आपके होंठों को मॉश्चराइज रखता है, जिससे होंठ रूखे नहीं रहते। इसके लिए आप अनानास के रस में थोड़ा-सा नारियल का तेल मिलाएं और रोजाना रात को साने से पहले अपने होंठों पर लगाएं। रोजाना इसका इस्तेमाल करें, इससे आपके फटे होंटों की समस्या दूर होगी।

फटी एड़ियों के लिए अनानास और शहद

फटी एड़ियों की समस्या से काफी लोग परेशान रहते हैं, जिसके लिए लोग दर्द में राहत पाने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। लेकिन दर्द ही नहीं, बल्कि फटी एड़ियों के कारण आपको अपने पैरों को छुपाना पड़ता है। ऐसे में आप ऐसी सैंडल का चयन करते हैं, जिनमें आपकी एड़ियां न दिखें, लेकिन अब आपको इसकी जरूरत नहीं है, क्योंकि हम आपको इसके लिए उपाय बता रहे हैं। अगर आप भी फटी एड़ियों से परेशान हैं, तो अनानास बेहतर विकल्प हो सकता है। फटी एड़ियों से राहत पाने के लिए अनानास के एक टुकड़े पर शहद एवं चीनी मिलाकर लगाएं और इसे एड़ियों पर रगड़ते हुए स्क्रब करें। इसके अलावा, आप इन तीनों चीजों का पेस्ट बनाकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि आप रोजाना 10 से 15 मिनट के लिए ऐसा करते हैं, तो आपकी एड़ियां साफ हो जाएंगी।

बिना चोट के रक्तस्राव को कतई न करें नजरअंदाज

यदि बिना कोई चोट लगे नाक और मसूड़ा समेत शरीर के बाहर और भीतर के किसी अंग से खून निकल रहा है और इलाज के बाद भी यदि खून का निकलना बंद नहीं हो रहा है, तो इसको लेकर संजीदा हो जाएं। तुरंत ही बिना लापरवाही किए परार्मस के लिए डॉक्टर के पास पहुंचे और तुरंत कुछ जरूरी जांच कराएं। इसके साथ ही इससे संबंधित दवाईयां भी शुरू करें, चूंकि यह हीमोफिलिया के लक्षण हैं।

हीमोफिलिया ज्यादातर आनुवांशिक बीमारी है। यह कभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं होती है और इससे पीड़ित लोगों को जीवनभर इलाज की जरूरत होती है। इसलिए हीमोफिलिया के इलाज में विशेष एहतियात बरतने की जरूरत है। इसके इलाज में मरीज को भावात्मक सहयोग की जरूरत पड़ती है। मरीज के साथ मित्रवत व्यवहार जरूर करना चाहिए। यह जानकारी हिमेटोलॉजी विभाग की डॉ. सोनिया नित्यानंद और डॉ. रुचि गुप्ता ने दी।

विशेषज्ञों ने जांच करने के तरीके के बारे में बताया

विशेषज्ञों ने एक वर्कशाप में गोरखपुर, मेरठ, दिल्ली, कश्मीर, उदयपुर और देहरादून मेडिकल कॉलेज से आए पैथालॉजिस्ट और लैब टेक्निशियनों को हीमोफिलिया की जांच के बारे में जानकारी दी। पीजीआई के हिमेटोलॉजी विभाग के डॉ. अंशुल गुप्ता, डॉ. रुचि गुप्ता और डॉ. दिनेश चंद्रा ने इन्हें बेसिक और स्पेशल जांच के सैंपल लेने से लेकर इनकी जांच की विधि बताई। इनमें प्रोथ्रोम्बिन टाइम (पीटी), एक्टीवेटेट पार्शियल थ्रोम्बोप्लास्टिन टाइम , कम्पलीट ब्लड काउंट (सीबीसी), फिब्रिनोजेन, फैक्टर एएसएसएवाई, मिक्सिंग स्टडी समेत अन्य कई जांचों के बारे में बताया। इन्हें लैब में सैम्पल के जरिए जांच कर दिखाई भी गई। डॉ. रुचि गुप्ता ने बताया कि जांच में जितनी जल्दी पुष्टि हो जाती है, उतनी जल्द मरीज का इलाज शुरू हो जाता है।

रेसिपी

आलू कचौड़ी

सामग्री

■ आलू: 7-8 उबले हुए ■ अदरक: 1/2 इंच (कद्दूकस किया हुआ) ■ हरी मिर्च: 2 (बारीक कटी) ■ हरी धनिया: बारीक कटी हुई ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ गरम मसाला: 1/4 चम्मच ■ जीरा पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच ■ धनिया पाउडर: 1/4 चम्मच ■ अमचूर: 1/2 छोटा चम्मच ■ नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

आलू की कचौड़ी बनाने के लिए सबसे पहले बाउल में मैदा या आटा ले लेंगे। अब इसमें नमक, हल्का सा घी मिलाकर आटा गूंथ लेंगे। अब इसे थोड़ी देर सेट होने के लिए रख दें। स्टफिंग बनाने के लिए पैन में तेल गरम करें। अब इसमें जीरा डालें। इसके बाद बारीक कटी हरी मिर्च, कद्दूकस किया अदरक डालें। हल्का सा भुन जाएं तब इसमें आलू डाल दें। अब इसमें लाल मिर्च, गरम मसाला, अमचूर, नमक और हरी धनिया डालकर अच्छे से भुन लें। तैयार है कचौड़ी के लिए स्टफिंग। अब आटे की छोटी-छोटी लोईयां बनाएं और इसमें आलू की ये स्टफिंग भरें और अच्छे से लॉक कर हल्का सा बेल लें। अब कढ़ाही में तेल गर्म करें और इन कचौड़ी को मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तल लें।

हॉट एंड सॉर सूप

सामग्री

■ गाजर: 1(कद्दूकस की हुई) ■ पत्तागोभी: 1/2 कप (बारीक कटी) ■ फूलगोभी: 2 कप (कद्दूकस की हुई) ■ बीन्स: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ हरा प्याज: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ शिमला मिर्च: 1/2 कप (बारीक कटी) ■ मशरूम: 1/2 कप (बारीक कटा) ■ हरी मिर्च: लंबी कटी, ■ अदरक: 1 छोटा चम्मच (बारीक कटी), ■ लहसुन: 1 छोटा चम्मच (कद्दकस की हुई) ■ सोया सॉस: 1 छोटा चम्मच ■ सफेद सिरका: 1 छोटा चम्मच ■ कॉर्न फ्लोर: 1 चम्मच ■ 4 कप पानी ■ नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

कढ़ाही में तेल या बटर डालकर गर्म करें। अब इसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालकर भुनें। गाजर, बीन्स, पत्तागोभी, फूलगोभी डालकर भुनें और थोड़ी देर बाद मशरुम और थोड़ी हरी प्याज डालें। अब पानी डालकर अच्छी तरह उबालें और साथ ही नमक और काली मिर्च भी डाल दें। सोया सॉस, चिली सॉस और विनेगर मिलाकर गैस बंद कर दें। बचे हुए हरे प्याज से गॉर्निश कर गरमा गरम सूप सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगाा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2578

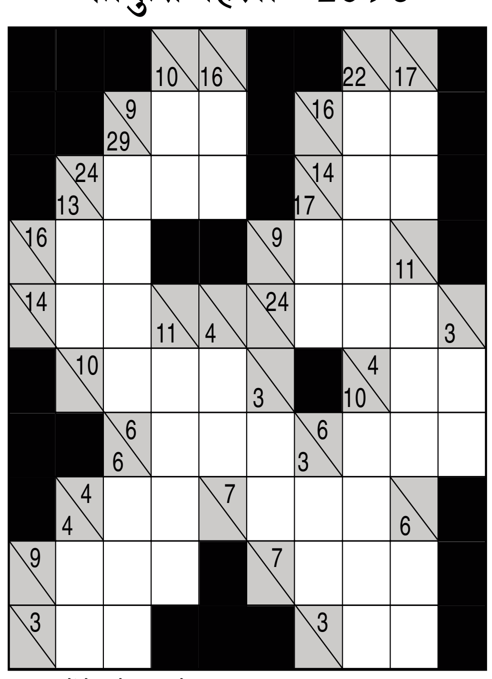

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

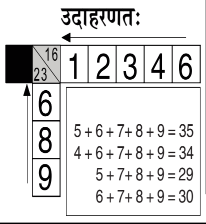

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 2577 का हल

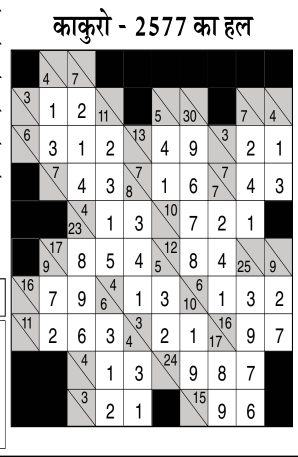

लॉफिंग ज़ोन

पहला दोस्त (दूसरे दोस्त से)- क्या तुम कोई ऐसा शब्द बता सकते हो, जिसमें 1000 से भी ज्यादा लेटर हो?

दूसरे दोस्त (पहले दोस्त से)- अरे इसका जवाब तो बिल्कुल आसान है 'पोस्ट ऑफिस'.

☺ ☺ ☺

दो पागल आपस में बात कर रहे थे. एक ने हवा में मुट्ठी लहराते हुए कहा- क्या तुम बता सकते हो कि इसमे क्या है?

पहले ने कहा- शायद ताजमहल.

दूसरे ने मुस्कराकर कहा- ओह! मुट्ठी बंद करने के बाद भी तुमने देख ही लिया.

☺ ☺ ☺

चिड़ियाघर में हाथी के बाड़े के बाहर दो पहरेदार जोर-जोर से रो रहे थे. एक व्यक्ति ने उनसे रोने का कारण पूछा तो एक ने कहा- हाथी मर गया है.

व्यक्ति - ओह, लगता है आप दोनों हाथी को बहुत चाहते थे.

तभी दूसरे ने झट से कहा- ऐसी कोई बात नहीं है. हम तो इसलिए रो रहे हैं, क्योंकि हाथी की कब्र खोदने का काम हमें दिया गया है.

☺ ☺ ☺

दो दोस्तों में किसी बात पर तू-तू-मै-मै हो गई. पहला ने दूसरे से कहा- 'मै बेइज्जती कराने यहां नहीं आया हूं.'

दूसरे ने कहा- 'तो आमतौर पर आप कहां जाते है?'

फिल्म वर्ग पहेली- 2578

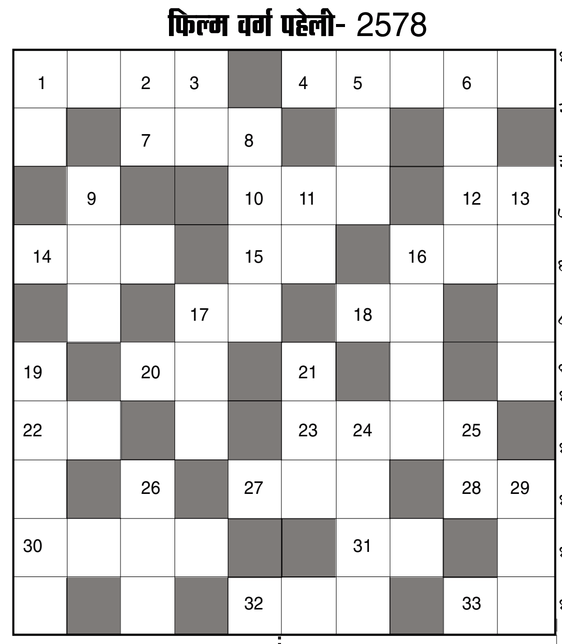

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2577

सूडोकु -2578

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2577 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 2578

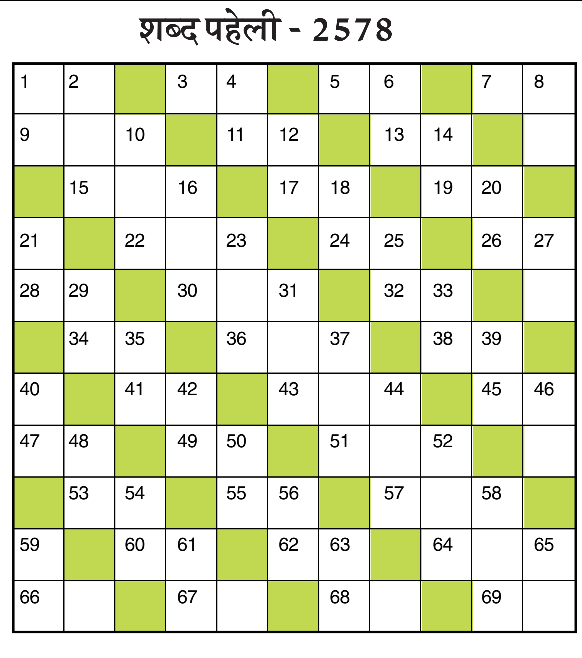

बाएँ से दाएँ

1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का विलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टौंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली - 2577 का हल

मध्य प्रदेश अंतरिक्ष तकनीक में नई उड़ान भरने को तैयार, स्पेस टेक पॉलिसी-2025 का ड्राफ्ट जारी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश विकसित स्पेस टेक ईकोसिस्टम सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए, इसी विजन को साकार करने के लिए मध्य प्रदेश स्पेस टेक पॉलिसी-2025 बनाई गई है। स्पेस टेक पॉलिसी में अंतरिक्ष तकनीक का उपयोग कृषि, जल संसाधन प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन और सुशासन में किये जाने के संबंध में भी स्पष्ट दिशा-निर्देश शामिल किये गए हैं। इससे प्रदेश की जनता को सीधे लाभ होगा और प्रदेश भारत की उभरती स्पेस इकोनॉमी में अपना महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित कर सकेगा। मध्य प्रदेश सरकार ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए 'मध्य प्रदेश स्पेस टैक पॉलिसी-2025' का ड्राफ्ट सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किया है। इस नीति का उद्देश्य प्रदेश को भारत का अगला प्रमुख स्पेस टैक हब बनाना और वैश्विक स्पेस इकोनॉमी में भारत की हिस्सेदारी को बढ़ाना है। सरकार ने नागरिकों, उद्योग जगत, स्टार्टअप्स और शिक्षाविदों से इस ड्राफ्ट नीति पर सुझाव आमंत्रित किए हैं, जिससे यह नीति प्रदेश की आकांक्षाओं और व्यावहारिक आवश्यकताओं के अनुरूप अंतिम रूप ले सके। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने इस ड्राफ्ट नीति को सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया है। सभी नागरिकों, स्टार्टअप्स, उद्योग जगत और शोध संस्थानों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत करें।

जीएसटी सुधारों पर कांग्रेस हमलावर, सरकार से मांगा हिसाब

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक में आठ साल पुराने ढांचे में बड़े बदलावों की केन्द्र की घोषणा के बावजूद इस फैसले से नाखुश कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि यह कदम बहुत देर से उठाया गया है क्योंकि जीएसटी का मूल डिजाइन शुरू से ही त्रुटिपूर्ण था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कांग्रेस लंबे समय से जीएसटी के सरलीकरण की मांग करती रही है लेकिन मोदी सरकार ने वन नेशन, वन टैक्स को वन नेशन, नाइन टैक्स में बदल दिया। इसमें शून्य, पांच, बारह, अठारह और अट्ठाईस फीसदी के टैक्स स्लैब रखे गए, साथ ही 0.25, 1.5, तीन और छह फीसदी की विशेष दरें भी लागू की गई जिससे व्यवस्था और जटिल हो गई। खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने 2019 और 2024 के अपने घोषणापत्रों में जीएसटी 2.0 की मांग की थी जिसमें तर्कसंगत दरें और सरल कर व्यवस्था शामिल थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जीएसटी के जटिल नियमों के कारण एमएसएमई और छोटे कारोबारियों को भारी नुकसान हुआ है। 28 फरवरी 2005 को संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार ने संसद में जीएसटी की औपचारिक घोषणा की थी और 2011 में जब वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी जीएसटी विधेयक लेकर आए थे तब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इसका विरोध किया था।

बाढ़ से नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्र की दो टीमों ने पंजाब में शुरू किया सर्वे

चंडीगढ़। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने अमृतसर पहुंचे। उन्होंने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की। राज्यपाल ने उन्हें पांच जिलों, अमृतसर, पठानकोट, गुरदासपुर, तरन तारन और फिरोजपुर की बाढ़ रिपोर्ट सौंपी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आपदा की इस घड़ी में केंद्र सरकार पूरी तरह से पंजाब वासियों के साथ है और हर संभव मदद की जाएगी। बाढ़ से नुकसान का आकलन करने के लिए केंद्र सरकार की दो टीमों ने आज से ही सर्वे शुरू किया है। शिवराज ने बताया कि अब तक 1400 गांवों के प्रभावित होने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि वह खुद इन गांवों का दौरा करेंगे और लोगों से मिलकर उनकी परेशानियां समझेंगे। साथ ही फसलों और संपत्ति को हुए नुकसान का भी जायजा लेंगे। अमृतसर पहुंचने पर चौहान के साथ पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां, पूर्व मंत्री कुलदीप धालीवाल ने मुलाकात करके पंजाब सरकार की तरफ से बाढ़ के संबंध में रिपोर्ट दी। केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू, भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़, राष्ट्रीय सचिव तरूण चुघ समेत अन्य कई नेताओं ने भी शिवराज चौहान के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में केंद्र सरकार पंजाब के साथ खड़ी है।

जीएसटी में बदलाव मध्यमवर्गीय परिवारों को दिवाली का उपहार - अश्विनी वैष्णव

सोहणा (हरियाणा)। केन्द्रीय सूचना प्रौद्योगिकी, इलैक्ट्रॉनिक्स, रेल एवं सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली में हुए बदलावों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मध्यमवर्गीय परिवारों को त्योहार के पहले दिया गया तोहफा बताया और कहा कि इससे देश के गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों में खुशी की लहर आयी है। वैष्णव ने राष्ट्रीय राजधानी से लगे हरियाणा के सोहणा में आयोजित एक कार्यक्रम के इतर मीडिया से बातचीत में यह टिप्पणी की और बुधवार को जीएसटी में महत्वपूर्ण बदलावों का स्वागत करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया। वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय लिया है जो हमारे मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए एक बहुत बड़ी खुशी की खबर है।

यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए बातचीत और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता : भारत

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र /नई दिल्ली । भारत ने यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को सुलझाने के लिए बातचीत और कूटनीति की आवश्यकता पर जोर दिया है। भारत ने ईंधन की कीमतों सहित युद्ध के परिणामों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि दक्षिण के देशों को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने यूक्रेन युद्ध की समाप्ति के प्रयासों के प्रति समर्थन व्यक्त किया। हरीश ने महासभा को बताया, 'हमने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अलास्का में शिखर बैठक का समर्थन किया। हम अलास्का शिखर सम्मेलन में हुई प्रगति की सराहना करते हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति की शांति पहल पर ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 15 अगस्त

को अलास्का में मिले।हरीश ने कहा, 'भारत शांति की दिशा में हाल के सकारात्मक घटनाक्रमों का स्वागत करता है।' उन्होंने कहा कि भारत संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के लिए राजनयिक प्रयासों का समर्थन करने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की, रूस के राष्ट्रपति पुतिन और यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत शांति की संभावनाओं को बढ़ावा देती है। दरअसल, पुतिन से मिलने से पहले जेलेंस्की ने शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी से बात की थी। यूक्रेनी नेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा था कि उन्होंने पीएम मोदी को बताया कि वह रूसी नेता से मिलने के लिए तैयार हैं। जेलेंस्की और पुतिन के बीच मुलाकात ट्रंप की शांति योजना का अगला चरण है। यूक्रेन पर असेंबली के दौरान हुई डिबेट में हरीश ने कहा, 'स्थायी शांति के लिए सभी पक्षों की पूर्ण भागीदारी और प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा, 'हमने वाशिंगटन में यूक्रेनी राष्ट्रपति और यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा किए गए कूटनीतिक प्रयासों पर भी ध्यान दिया।'पुतिन से मुलाकात के तीन दिन बाद ट्रंप ने जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं को शिखर सम्मेलन के बारे में जानकारी दी।

जैसलमेर बॉर्डर पर संदिग्ध युवक गिरफ्तार, पाकिस्तान के रास्ते सऊदी जाने की कोशिश

एजेंसी

जैसलमेर। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान सीमा से लगे राजस्थान के इलाकों में सुरक्षा एजेंसियां लगातार अलर्ट पर हैं। सीमा से सटे गांवों और क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। इसी सतर्कता के बीच जैसलमेर जिले के पोछिना क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के रहने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ के अनुसार गिरफ्तार युवक की पहचान 30 वर्षीय लालचंद शेख के रूप में हुई है। वह इंटरनेशनल बॉर्डर से करीब 15 किलोमीटर दूर संदिग्ध परिस्थितियों में पकड़ा गया। जब उससे बॉर्डर क्षेत्र में आने का कारण पूछा गया तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पूछताछ में उसने बताया कि वह पाकिस्तान के रास्ते सऊदी अरब जाने की कोशिश कर रहा था, जहां उसका भाई मजदूरी करता है। बीएसएफ की टीम ने उसे हिरासत में लेकर म्याजलार पुलिस को सौंप दिया है। अब मामले की गहन जांच के लिए उसे संयुक्त

जांच समिति के हवाले किया जाएगा। जैसलमेर में बीते कुछ महीनों में कई जासूसी और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, ऐसे में सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ कर उसके इरादों और संपर्कों की तहकीकात कर रही हैं।

मराठा आंदोलन पर संजय राउत बोले, 'जब दोनों पक्ष संतुष्ट हैं तो तीसरे को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए'

एजेंसी

मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता और सांसद संजय राउत ने कहा है कि जब मांग करने वाले और मांगों को मंजूर करने वाले दोनों पक्ष संतुष्ट हैं, तो किसी तीसरे पक्ष को अनावश्यक रूप से हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। संजय राउत शुक्रवार सुबह मुंबई में मीडिया से बात कर रहे थे।

पिछले दिनों, मनोज जरांगे पाटिल मराठा आरक्षण की मांग को लेकर आजाद मैदान में भूख हड़ताल पर थे। सरकार की ओर से उनकी अधिकांश मांगें मान लेने के बाद मनोज जरांगे ने भूख हड़ताल खत्म कर दी।हालांकि, मामले में अभी भी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इस बारे में पूछे जाने पर संजय राउत ने कहा कि मीडिया को इस मुद्दे पर ज्यादा जोर नहीं देना चाहिए या इसे ज्यादा लंबा नहीं खींचना चाहिए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक समाधान निकाला। मराठा समुदाय के नेता मनोज जरांगे ने उस समाधान को स्वीकार कर लिया है और वे संतुष्ट हैं। राउत ने यह भी कहा, 'मनोज जरांगे पाटिल अपने

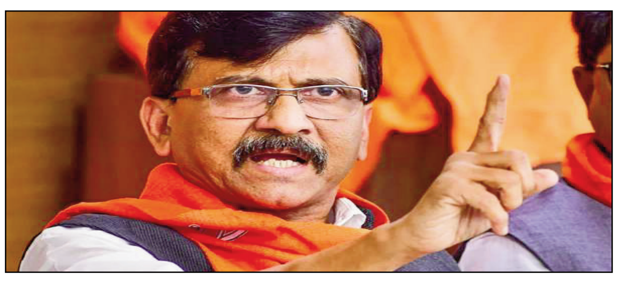

गांव पहुंच गए हैं। मैंने उनका बयान सुना। इसमें अनावश्यक तनाव पैदा करने का कोई मतलब नहीं है। इससे महाराष्ट्र को नुकसान होगा। ओबीसी समुदाय भी संतुष्ट है कि उनकी मांगें मान ली गई हैं, मराठा समुदाय संतुष्ट है, तो हम इस पर चर्चा करके माहौल क्यों खराब करें? जो भी ऐसा कर रहा है, उसे महाराष्ट्र को नुकसान पहुंचाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।' इस दौरान, संजय राउत महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ करते नजर आए। उन्होंने कहा, 'फडणवीस का संयम सराहनीय है। उन्होंने कहीं भी अपना संयम नहीं खोया।' एकनाथ शिंदे ने कहा था कि राज ठाकरे के साथ उनकी दोस्ती कम हो गई है। इस बारे में पूछे जाने पर संजय राउत ने कहा कि उनकी दोस्ती का एकमात्र उद्देश्य यह था कि दोनों भाई (उद्धव ठाकरे-राज ठाकरे) एक साथ न आएं। उनकी दोस्ती इसलिए शुरू हुई थी ताकि वे हमेशा अलग-थलग और दूर रहें। लेकिन, अब यह 'दूध का दूध, पानी का पानी' हो गया है।

सीबीआई को मिली बड़ी सफलता, भगोड़े हर्षित बाबूलाल जैन को यूएई से लाया गया वापस

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गुजरात पुलिस, विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ मिलकर बड़ी सफलता हासिल की। केंद्रीय जांच एजेंसी ने यूएई से वांछित भगोड़े हर्षित बाबूलाल जैन का प्रत्यर्पण किया। टैक्स चोरी, अवैध जुआ और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में हर्षित बाबूलाल जैन वांछित है। इससे पहले सीबीआई ने गुजरात पुलिस के अनुरोध पर 9 अगस्त 2023 को इंटरपोल के माध्यम से हर्षित बाबूलाल जैन के खिलाफ इंटरपोल से रेड नोटिस जारी करवाया था। आरोपी को यूएई से भारत लाया गया और अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुक्रवार को उसे गुजरात पुलिस को सौंप दिया गया। इंटरपोल की ओर से वांछित भगोड़ों पर नजर रखने के लिए दुनिया भर की सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को रेड नोटिस भेजे जाते हैं। देश में इंटरपोल के लिए राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो के रूप में सीबीआई, इंटरपोल चैनलों के माध्यम से सहायता के लिए भारतपोल के माध्यम से देश की सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के

साथ समन्वय करती है। पिछले कुछ वर्षों में इंटरपोल चैनलों के माध्यम से समन्वय करके 100 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया गया है। इससे पहले सीबीआई ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, चंदौसी शाखा के प्रबंधक और फील्ड ऑफिसर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। दोनों अधिकारी शिकायतकर्ता से 30 हजार रुपए की अवैध मांग कर रहे थे। सीबीआई ने 2 सितंबर को दर्ज मामले में बताया कि शिकायतकर्ता और उसकी बहन चंदौसी में रेडीमेड कपड़ों की दुकान चलाते हैं। व्यापार विस्तार के लिए शिकायतकर्ता की बहन ने 'मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना' के तहत 3 लाख रुपए के ऋण के लिए आवेदन किया था। बैंक ने 2.70 लाख रुपए का ऋण मंजूर किया, जिसमें से 1,82,500 रुपए जारी कर दिए गए, लेकिन शेष राशि रोक दी गई।

मुंबई पुलिस को बम विस्फोट की धमकी, मैसेज में दावा- '34 गाड़ियों में 400 किलो RDX'

एजेंसी

मुंबई । मुंबई पुलिस को अनंत चतुर्दशी के अवसर पर 34 गाड़ियों में बम लगाए जाने की धमकी मिली है। ये धमकी व्हाट्सएप मैसेज के माध्यम से मिली है, जिसके बाद पुलिस सतर्क हो गई है। बताया जा रहा है कि धमकी भरा यह मैसेज मुंबई ट्रैफिक पुलिस के व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर भेजा गया, जिसमें दावा किया गया कि 34 गाड़ियों में बम लगाए गए हैं और 400 किलो आरडीएक्स के विस्फोट से पूरा मुंबई शहर हिल जाएगा।

इस मैसेज में 'लश्कर-ए-जिहादी' नामक संगठन का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि 14 पाकिस्तानी आतंकवादी भारत में घुस चुके हैं और इस विस्फोट से 1 करोड़ लोगों की जान जा सकती है। मुंबई पुलिस ने इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ पुलिस

अधिकारी ने बताया कि जिस व्हाट्सएप नंबर से यह मैसेज भेजा गया, उसे ट्रेस करने का काम शुरू कर दिया गया है। मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, मुंबई पुलिस हमेशा अलर्ट पर रहती है और हमारी नजर हर चीज पर है। जनता को घबराने की जरूरत नहीं है, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सब कुछ शांत है। ऐसा पहली बार नहीं है जब इस तरह की धमकी दी गई है। 22 अगस्त को मुंबई के गिरगांव स्थित इस्कॉन मंदिर को एक धमकी भरा ईमेल मिला था। धमकी भरा ईमेल इस्कॉन मंदिर की आधिकारिक ईमेल आईडी पर आया था। सूचना के बाद मौके पर पुलिस और बम निरोधक टीम पहुंची और पूरे मंदिर परिसर की गहन जांच की गई। हालांकि, जांच के दौरान किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु या गतिविधि नहीं पाई गई थी। इससे पहले, ईमेल के जरिए मुंबई के एक होटल को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। मुंबई के वरली स्थित 'फोर सीजन' होटल को एक अज्ञात शख्स की ओर से धमकी भरा ईमेल भेजा गया था। होटल प्रशासन ने तुरंत मेल की जानकारी मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को दी। ईमेल में तमिलनाडु पुलिस के लिए यूनियन बनाने की मांग की गई थी।

छत्तीसगढ़ के रायपुर एनआईटी-एफआईईई को राष्ट्रीय इन्क्यूबेटर पुरस्कार

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के एनआईटी, रायपुर और फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (एफआईईई) को राष्ट्रीय इन्क्यूबेटर पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। संस्थान को इस पुरस्कार से चौथे भारत उद्यमिता शिखर सम्मेलन में सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन 13 सितंबर को नई दिल्ली के संसद मार्ग स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में होगा। यह जानकारी राज्य सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने दी। राज्य जनसंपर्क विभाग ने बताया कि भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में एनआईटी रायपुर-एफआईईई के उत्कृष्ट योगदान के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है। संस्थान को यह सम्मान राज्य में 35 से आधिक नये स्टार्टअप्सको मार्गदर्शन और उन्हें उत्कृष्ट तकनीकी सहयोग के लिए मिलेगा। भारत उद्यमिता शिखर सम्मेलन का आयोजन भारतीय उद्यमी संघ (ईएआई) और एंटरप्राइजिंग जोन-ईजेड द्वारा किया जा रहा है, जो भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेशन केंद्र है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर संस्थान को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में लगातार स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिल रहा है। यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ में तेजी से बदल रहे औद्योगिक वातावरण को प्रोत्साहित करेगा। एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय इन्क्यूबेटर पुरस्कार मिलना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। स्टार्टअप्स के पोषण और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एनआईटी रायपुर-एफआईईई की टेक्नोलॉजी आधारित गतिविधियां हमारे राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

राजगीर में भूटान के प्रधानमंत्री ने रायल भूटानी बौद्ध मंदिर का उद्घाटन किया

एजेंसी

पटना। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने राजगीर में 70 फीट ऊंचे रायल भूटानी बौद्ध मंदिर का उद्घाटन किया। यह मंदिर भारत और भूटान के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मैत्री का प्रतीक है। उद्घाटन समारोह में भूटान के राजा, प्रमुख बौद्ध भिक्षु जे खेपों, केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरण रिजिजू और बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार भी मौजूद रहे।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि यह सिर्फ एक मंदिर नहीं है, बल्कि यह भारत और भूटान के बीच शांति, मैत्री और सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है। आप लोग सौभाग्यशाली हैं कि भगवान बुद्ध की धरती पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सहयोग से ही इस भव्य मंदिर का निर्माण संभव हो पाया है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा, भारत और भूटान न केवल भौगोलिक रूप से निकट हैं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक संबंध भी गहरे हैं। यह मंदिर आने वाली पीढ़ियों के लिए इन संबंधों की प्रेरणा बनेगा।

बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने भी खुशी व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को इस परियोजना के लिए बधाई दी। यह मंदिर आने वाले समय में न केवल एक धार्मिक स्थल के रूप में बल्कि भारत-भूटान मैत्री के प्रतीक स्थल के रूप में भी जाना जाएगा। मंत्री सुनील कुमार ने मंदिर को नालंदा की बौद्ध विरासत का आधुनिक विस्तार बताते हुए राज्य सरकार की ओर से इस पहल की सराहना की। उल्लेखनीय है कि इस मंदिर का शिलान्यास बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा 11 नवम्बर 2018 को किया गया था। अब, इसके उद्घाटन के साथ यह भारत और भूटान के बीच मजबूत होते रिश्तों का प्रतीक बन गया है। इस समारोह में भूटानी नागरिकों, बौद्ध भिक्षुओं, राजगीर के स्थानीय लोगों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।

17,000 फीट की बर्फीली चोटी पर फंसे विदेशी नागरिक, सेना ने बचाया

लद्दाख। लद्दाख की बर्फ से ढकी खतरनाक चोटी पर दो विदेशी नागरिकों के फंसने का एक गंभीर मामला सामने आया है। ये कोरियाई नागरिक 17,000 फीट से अधिक ऊंचाई वाली चोटी पर मौजूद थे। सेना ने इसका पता लगने पर बिना देरी किए रात के अंधेरे में ही एक अत्यंत संवेदनशील व साहसिक ऑपरेशन चलाया। यह अभियान भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर की आर्मी एविएशन यूनिट ने सफलतापूर्वक संपन्न किया। कड़ी मेहनत के बाद दोनों विदेशी नागरिकों को बचा लिया गया। फिलहाल, दोनों अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनका इलाज चल रहा है। सेना के इस मिशन के तहत दक्षिण कोरिया के नागरिक ह्यून वू किम और उनकी पत्नी को सुरक्षित निकाला गया। विदेशी दंपति लद्दाख स्थित कोंगमारुला दर्रे में फंसे हुए थे। सेना के मुताबिक, 4 सितंबर की रात लद्दाख में तैनात भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर को एक आपातकालीन संदेश मिला।

हिमाचल में बारिश का कहर: 355 मौतें, 49 लापता, 1208 सड़कें ठप, 3787 करोड़ का नुकसान

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में जारी बारिश और भूस्खलन ने अब तक भारी तबाही मचाई है। राज्य में वर्षाजनित हादसों में अब तक 355 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग अभी भी लापता हैं और 416 घायल हुए हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से जारी जिलावार आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज्यादा 58 लोगों की मौत मंडी जिले में हुई है। कांगड़ा में 50, चंबा में 43, शिमला में 38, कुल्लू में 31, किन्नौर में 28, सोलन में 25, उना में 21, बिलासपुर और सिरमौर में 18-18, हमीरपुर में 16 और लाहौल-स्पीति में 9 लोगों की जान गई है। इसके अलावा बरसात के कहर से 3,136 पशु और 25 हजार से ज्यादा पोल्ट्री पक्षियों की मौत हो चुकी है। प्रदेश में हुई लगातार भारी बारिश और भूस्खलनों से हजारों घर जमींदोज हो गए हैं। अब तक 5,194 कच्चे-पक्के मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं, जिनमें 1,012 पूरी तरह ढह गए। 447 दुकानें और 4,510 पशुशालाएं भी धराशायी हो गई हैं। राज्य सरकार ने सार्वजनिक संपत्ति को हुए नुकसान का प्रारंभिक आकलन 3787 करोड़ रुपये लगाया

है। इसमें अकेले लोक निर्माण विभाग को 2252 करोड़, जलशक्ति विभाग को 1238 करोड़ और ऊर्जा विभाग को 139 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

4 नेशनल हाइवे व 1208 सड़कें ठप

राज्य में सड़कों और यातायात व्यवस्था की हालत बदतर बनी हुई है। गुरुवार शाम तक चार नेशनल हाइवे और 1208 अन्य सड़कें पूरी तरह अवरुद्ध रहीं। बंद पड़े नेशनल हाइवे में किन्नौर का एनएच-05, कुल्लू का एनएच-03 और एनएच-305, लाहौल-स्पीति का एनएच-505 और मंडी का एनएच-03 शामिल हैं। अकेले मंडी जिले में 287 सड़कें बंद हैं, जबकि कुल्लू में 230, शिमला में 211, चंबा में 192 और कांगड़ा में 41 सड़कें यातायात के लिए ठप हैं। बारिश से बिजली और पानी की आपूर्ति पर भी बड़ा असर पड़ा है। प्रदेश में 1885 ट्रांसफार्मर खराब हो चुके हैं। इनमें सबसे अधिक 999 ट्रांसफार्मर कुल्लू में, 259 शिमला में, 307 मंडी में, 130 सिरमौर में और 136 सोलन में बंद पड़े हैं। इसी तरह 824 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं, जिनमें 348 शिमला, 187 चंबा, 93 सिरमौर और 78 मंडी में ठप हैं।

मॉनसून सीजन के दौरान प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला भी लगातार जारी रहा है। अब तक प्रदेश में 130 भूस्खलन, 95 फ्लैश फ्लड और 45 बादल फटने की घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं। लाहौल-स्पीति में सबसे ज्यादा 26 बार भूस्खलन और 56 बार फ्लैश फ्लड की घटनाएं हुई हैं, जबकि मंडी जिला बादल फटने की 19 घटनाओं के साथ सबसे आगे रहा है। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों के दौरान सोलन जिले के धर्मपुर में सबसे अधिक 74 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। करसोग में 69, कसौली में 67, कंडाघाट में 59, नैनादेवी में 58, भुंतर में 55, बिलासपुर में 50, सराहन और शिमला में 47-47 और काहू में 45 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई।

चंद्रग्रहण से होगी पितृपक्ष की शुरुआत और अंत आंशिक सूर्यग्रहण से

एजेंसी

भोपाल। हिन्दू पंचाग के अनुसार इस साल रविवार, 07 सितम्बर को पितृपक्ष के आरंभ की पूर्णिमा पर पूर्ण चंद्रग्रहण की खगोलीय घटना होने जा रही है, जिसे भारत में देखा जा सकेगा। इस पूर्ण चंद्रग्रहण के बाद 21 सितम्बर को पितृमोक्ष अमावस्या पर आंशिक सूर्यग्रहण की घटना होगी, लेकिन इसे भारत में नहीं देखा जा सकेगा। इस तरह वैश्विक स्तर पर इस साल पितृपक्ष के आरंभ और अंत दोनों तिथियों पर ग्रहण की घटना होगी। यह जानकारी नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने एक कार्यक्रम के दौरान दी। घारु ने बताया कि पितृपक्ष में दो ग्रहण पड़ने के संबंध में सोशल मीडिया में प्रसारित किया जा रहा है कि 122 सालों बाद पितृपक्ष की शुरुआत और अंत ग्रहण की घटनाएं से होने जा रही हैं। इसके लिये 122 साल पहले सन 1903 में हुए दो ग्रहणों का उदाहरण दिया जा रहा है कि तब ये ग्रहण पितृपक्ष के आरंभ और अंत मे थे, जबकि वास?तविकता यह है कि सन 1903 में 21 सितम्बर को पितृमोक्ष अमावस्या को तो पूर्ण सूर्यग्रहण था और इसके 15 दिन बाद 06 अक्टूबर 1903 को आंशिक चंद्रग्रहण हुआ था, लेकिन 06 अक्टूबर को तो शरद पूर्णिमा थी और पितृपक्ष समाप्त हुए 15 दिन बीत चुके थे। इस तरह 122 साल पहले हुई घटना के गलत तथ्य प्रस्तुत कर आज की स्थिति में वैज्ञानिक तथ्यों पर ग्रहण लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष का आरंभ और समापन पर ग्रहण की घटना कोई दुर्लभ नहीं है। इसके पहले भी इस प्रकार की घटना वर्ष 2006 में हुई थी, जबकि पितृपक्ष के आरंभ में 07 सितंबर 2006 भाद्रपद पूर्णिमा पर आंशिक चंद्रग्रहण था, जो कि भारत में दिखा भी था। इसके 15 दिन बाद पितृमोक्ष अमावस्या 22 सितम?बर 2006 को वलयाकार सूर्यग्रहण था, जो कि भारत में नहीं दिखा। उन्होंने बताया कि इसके पहले 1978 में भी यह हो चुका है। तब पितृपक्ष का आरंभ 16 सितम्बर 1978 को पूर्ण चंद्रग्रहण से होकर 02 अक्टूबर 1978 को आंशिक सूर्यग्रहण के साथ समापन हुआ था।

हॉकी एशिया कप 2025: फाइनल में जगह बनाने के लिए चीन से भिड़ेगा भारत, करना होगा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

राजगीर (एजेंसी)। फाइनल में जगह बनाने से एक कदम दूर भारतीय पुरूष हॉकी टीम को एशिया कप 2025 में शनिवार, 6 सितंबर को सुपर 4 चरण के आखिरी मैच में आत्मविश्वास से ओतप्रोत चीन के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इससे पहले पांच बार की चैम्पियन दक्षिण कोरिया से 2 -2 से ड्रॉ के बाद भारत ने दूसरे सुपर 4 मैच में मलेशिया को 4 -1 से हराया। इस जीत से चीन के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले हरमनप्रीत सिंह की टीम का मनोबल बढ़ा होगा।

वहीं भारत दो मैचों में चार अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि चीन और मलेशिया के तीन अंक है। दूसरी तरफ कोरिया एक अंक लेकर फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है। सुपर 4 चरण से शीर्ष दो टीमें फाइनल में जायेंगी और भारत के लिये एक ड्रॉ भी काफी होगा। कोरिया के खिलाफ औसत प्रदर्शन के बाद भारत ने मलेशिया के खिलाफ बेहतर खेल दिखाया हालांकि शुरूआत बहुत अच्छी नहीं रही। भारत ने शुरूआती गोल गंवा दिया लेकिन इसके बाद शानदार वापसी की।

इसके साथ ही मलेशिया पर मिली जीत के बारे में मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा कि अभी भी यह टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं है और भारतीय खिलाड़ियों को पता है कि उनसे अपेक्षायें बहुत ज्यादा है। सवाल यह है कि वे अपेक्षाओं पर कैसे खरे उतरें और इसका जवाब भी आसान है कि बारीकियों पर ध्यान देकर अपने प्रदर्शन में और सुधार किया जाये।

बता दें कि, टूर्नामेंट में अभी तक मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद और राजिंदर सिंह ने मिडफील्ड में अच्छा खेल दिखाया है। मलेशिया के खिलाफ फॉरवर्ड पंक्ति से उनका तालमेल कमाल का था। हार्दिक ने खास तौर पर तेज ड्रिबलिंग और अकेले गेंद लेकर दौड़ते हुए कई मौके बनाये। बरसों से भारतीय हॉकी की सेवा कर रहे मनप्रीत ने दिखा दिया कि अभी भी उनके भीतर जीत की भूख कम नहीं हुई है। उन्होंने न सिर्फ मौके बनाये बल्कि गोल के सूत्रधार भी रहे।

अभिषेक, सुखजीत सिंह और मनदीप सिंह ने आक्रमण का जिम्मा बखूबी संभाला और आगे भी इस लय को कायम रखना चाहेंगे। भारत को हालांकि सर्कल के भीतर मिले हर मौके को भुनाना होगा और इसके लिये हड़बड़ाने से बचना जरूरी है। पेनल्टी कॉर्नर कोच फुल्टोन की परेशानी का सबब होगा। अच्छी शुरूआत के बाद कप्तान हरमनप्रीत पेनल्टी कॉर्नर भुनाने में नाकाम रहे। जुगराज सिंह, संजय और अमित रोहिदास का भी यही हाल था। मलेशिया के खिलाफ छह में से एक ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल हो सका और वह भी रिबाउंड पर था। दूसरी ओर पूल चरण में भारत से 3 . 4 से

हारने के बाद से चीन ने अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया है। लिहाजा भारतीय टीम को एहतियात बरतनी होगी क्योंकि मामूली सी गलती से अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिये सीधे क्वालीफाई करने की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है। सुपर 4 चरण के एक अन्य मैच में मलेशिया का सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

भारत/पाक: नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भिड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और चोट से उबर चुके पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम इस महीने के आखिर में टोक्यो में होने वाली 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगे। नदीम के चिकित्सक असद अब्बास ने गुरुवार को बताया कि पेरिस 2024 ओलंपिक चैंपियन पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और प्रतियोगिता के लिए तैयार हैं। अब्बास ने टेलीकॉम एशिया को बताया, 'अरशद पूरी तरह से ठीक हो गए हैं और मैंने उनके ठीक होने और प्रगति पर नजर रखी है। मुझे यकीन है कि वह नीरज और भाला फेंक स्पर्धा में भाग लेने वाले अन्य सभी एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार होंगे।' उल्लेखनीय है कि विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर तक टोक्यो में आयोजित होगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा का क्वालीफिकेशन 17 सितंबर को और फाइनल अगले दिन होगा। जापान नेशनल स्टेडियम में नीरज चोपड़ा बनाम अरशद नदीम पेरिस 2024 के बाद उनका पहली बार आमना-सामना होगा। पेरिस 2024 के बाद से नदीम ने केवल एक बार प्रतिस्पर्धा की है, मई में कोरिया गणराज्य के गुमी में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 86.40 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में पिछले महीने डायमंड लीग जीतने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर, दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के पूर्व ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट के भी भाग लेने की उम्मीद है।

बीसीसीआई ने जर्सी प्रायोजन की राशि बढ़ायी

-400 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई होने का अनुमान

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम जर्सी के प्रायोजन की राशि बढ़ा दी है। इससे अब जर्सी का प्रायोजन करना और महंगा हो जाएगा। बीसीसीआई ने द्विपक्षीय सीरीज में जर्सी प्रायोजन के लिए प्रति मैच 3.5 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय टूर्नामेंट के लिए प्रति मैच 1.5 करोड़ रुपए कर दिए हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दरें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा स्वीकृत प्रतियोगिताओं पर लागू होंगी। ये राशि वर्तमान दरों से अधिक है। पहले द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.17 करोड़ रुपए और बहुपक्षीय मैचों के लिए 1.12 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाता था। 'ड्रीम 11 के जर्सी प्रायोजक के रूप में हटने के बाद अब बोर्ड ने प्रायोजन की राशि बढ़ायी है। बीसीसीआई को जर्सी प्रायोजन राशि बढ़ाने से 400 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई होने का अनुमान है। ये नई दरें आगामी एशिया कप के बाद से ही अमल में आयेंगी। अब बोर्ड संभावित रूप से प्रति मैच 400 करोड़ रुपए से अधिक कमा सकता है। अंतिम आंकड़ा हालांकि बोली के परिणाम के आधार पर अधिक हो सकता है। ड्रीम 11 के हटने के बाद बीसीसीआई ने मंगलवार को बोलियां आमंत्रित कीं थीं हालांकि इसमें कुह शर्तें भी रखी गयीं थीं। बोर्ड की ओर से बोलियों को लेकर ये शर्त लगायी गयी है कि समूह का ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी आदि से कोई संबंध नहीं होना चाहिये। न ही इसमें संलग्न किसी भी व्यक्ति का कंपनी में किसी भी प्रकार से निवेश होना चाहिये। भारतीय टीम अभी यूएई में 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप में बिना किसी मुख्य प्रायोजक के खेलेगी, क्योंकि बोर्ड ने बोली जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर तय की है। इससे पहले केन्द्र सरकार के गेमिंग एप पर प्रतिबंध के बाद टीम के प्रयोजक ड्रीम 11 से करार समाप्त हो गया था।

रोहित शर्मा ने यो-यो टेस्ट में हासिल किए 19.4 अंक, कोहली का रिकॉर्ड टूटा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के प्रत्येक सदस्य को यो-यो टेस्ट से गुजरना पड़ता है, जिसे पहली बार विराट कोहली के कप्तानी कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। यह एक बहु-चरणीय फिटनेस टेस्ट है जो किसी खिलाड़ी की सहनशक्ति और फिटनेस के स्तर को मापता है और BCCI ने गंभीर की निगरानी में इसे फिर से शुरू करने का फैसला किया। विराट कोहली को छोड़कर लगभग सभी भारतीय खिलाड़ी बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) पहुंचे और अपना फिटनेस टेस्ट दिया। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने 19.4 अंकों के साथ अपना फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। लेकिन क्या सच में रोहित ने 19 अंकों का आंकड़ा पार कोहली के यो-यो स्कोर को पीछे छोड़ दिया हैं?

रोहित शर्मा के 19 अंकों के आंकड़े को पार करने की सभी अफवाहें झूठी हैं, क्योंकि BCCI की सख्त नीतियां हैं और क्रिकेटरों को अपने स्कोर कहीं भी उजागर करने की अनुमति नहीं है। वास्तव में, यहां तक कि शासी निकाय (BCCI) भी अपने स्कोर किसी को नहीं बताता है। अगर कोई अपना यो-यो टेस्ट स्कोर उजागर करता है, तो खिलाड़ी को दंडित किया जाता है और उसे बाहर भी किया जा सकता है। ऐसे में यह कहना कि रोहित ने यो-यो टेस्ट में 19 अंक के आंकड़े को पार कर लिया है, यह गलत होगा क्योंकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि सामने नहीं आई है।

एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित शर्मा, शुभमन गिल, हार्दिक पांड्या और अन्य सहित लगभग सभी भारतीय क्रिकेटरों ने या तो पूरी तरह या आंशिक रूप से फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। जहां सभी भारतीय खिलाड़ियों ने बेंगलुरु में अपने टेस्ट पूरे कर लिए, विराट कोहली ने BCCI से आज्ञा लेकर लंदन में अपने परिवार के साथ टेस्ट दिया और कथित तौर पर इसे पास कर लिया है।

एशिया कप के लिए सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम दुबई पहुंची

दुबई । सूर्यकुमार यादव की कप्तान में भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए दुबई पहुंच गयी है । कप्तान सूर्यकुमार के साथ ही ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए दुबई पहुंचे थे । इस बार सारे खिलाड़ी अलग-अलग शहरों से होते हुए दुबई पहुंचे । सूर्यकुमार के अलावा ऑलराउंडर शिवम दुबे, बैटिंग कोच सितांशु कोटक, हार्दिक पंड्या पहले चरण में यहां पहुंचे । वहीं हर्षित राणा, कुलदीप यादव, रिंकू सिंह और अभिषेक शर्मा दूसरे चरण में यहां पहुंचे । इसके बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर भी दुबई एयरपोर्ट पर नजर आये । भारतीय क्रिकेट टीम यहां अपने अभियान की शुरुआत यूएई के खिलाफ 10 सितंबर से होने वाले मैच से करेगी और उसके बाद 14 सितंबर को वह दुबई में पाकिस्तान से खेलेगी । भारतीय टीम का इस टूर्नामेंट के लिए कोई कोई अभ्यास मैच नहीं रखा गया है । भारतीय टीम ने अंतिम बार कोई टी-20 मैच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले फरवरी में इंग्लैंड से खेला था । भारतीय कोच गौतम गंभीर का मानना है कि अभ्यास मैचों की जगह इंट्रा-स्क्वाड मैचों को खेलना लाभदायक रहेगा ।

भारतीय टीम इस प्रकार है - सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, संजू सैमसन, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और हर्षित राणा रिजर्व खिलाड़ी - प्रसिद्ध कृष्णा, वॉशिंगटन सुंदर, रियान पराग, ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल ।

युकी भांबरी की यूएस ओपन के सेमीफाइनल में हार, फिर भी हुए मालामाल

न्यूयॉर्क । यूएस ओपन के मेन्स डबल्स सेमीफाइनल में भारत के युकी भांबरी और उनके न्यूजीलैंड साथी माइकल वीनस को ब्रिटिश जोड़ी के खिलाफ हार झेलनी पड़ी । कड़े मुकाबले में ब्रिटिश जोड़ी सालिसबरी और स्कुप्स्की ने एख सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 6-7, 7-5,6-4 से जीत दर्ज कर ली और फाइनल में जगह बना ली । इस जीत के साथ ही ब्रिटिश जोड़ी ने फ्लशिंग मीडोज में हार्ड कोर्ट ग्रैंड स्लैम इवेंट के फाइनल में जगह बना ली । पहले सेट में दोनों टीमें 3-3 की बराबरी पर थीं, इसके बाद भारत और कीवी जोड़ी ने बढ़त बनाई और आखिरकार सेट को टाई-ब्रेक तक ले गई । भांबरी और वीनस ने पहला सेट टाई-ब्रेक जोरदार अंदाज में 7-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी भांबरी-वीनस की जोड़ी की शुरुआत अच्छी रही लेकिन सालिसबरी और स्कुप्स्की ने वापसी कर मैच को एक और टाई ब्रेक तक पहुंचाया और इस बार ब्रिटिश जोड़ी ने जीत हासिल कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया । निर्णायक तीसरा सेट ब्रिटिश जोड़ी के नाम रहा जिन्होंने 6-4 से जीत अपने नाम की । भांबरी और वीनस ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत मार्कोस गिरोन और लर्नर टिएन को 6-0, 6-3 से हराकर की थी । दूसरे राउंड में भी उनका प्रदर्शन दमदार रहा जहां उन्होंने गोंजालो एस्कोबार और मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला को 6-1, 7-5 से मात दी ।

भांबरी-माइकल पैसों की बरसात- फिलहाल, युकी भांबरी और माइकल वीनस को यूएस ओपन पुरुष डबल्स के सेमीफाइनल तक बेहतरीन सफर के लिए 2,50,000 अमेरिकी डॉलर यानी करीब 2.20 करोड़ रुपये की इनामी राशि मिली ।

दलीप ट्रॉफी- पंत की जगह टीम इंडिया में चुने गए इस खिलाड़ी ने खेली शानदार पारी, 3 रन से चूका दोहरा शतक

नई दिल्ली । तमिलनाडु के विकेटकीपर बल्लेबाज नारायण जगदीसन दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में दोहरे शतक से महज 3 रन से चूक गए । साउथ जोन की ओर से खेल रहे नारायण ने नॉर्थ जोन के खिलाफ मुकाबले में 197 रन की शानदार पारी खेली। जगदीसन के प्रथम श्रेणी में शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें इंग्लैंड दौरे पर आखिरी टेस्ट मैच के लिए ऋषभ पंत की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया था। आखिरी टेस्ट से पहले पंत को पैर में चोट लग गई जिस वजह से जगदीशन भारतीय स्क्वाड में चुने गए। लेकिन उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ प्लेइंग-11 में खेलने का मौका नहीं मिला । जगदीशन ने दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में दूसरे दिन की शुरुआत नाबाद 148 रन के स्कोर से की। उन्होंने पहले दिन अपना 11वां प्रथम श्रेणी शतक लगाया । दूसरे दिन के पहले सत्र में उन्होंने शानदार 197 रन बनाए लेकिन तीन रन से दोहरा शतक चूक गए । जगदीशन पहले ही प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दो दोहरे शतक लगा चुके है । जगदीशन ने रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन की 13 पारियों में 56 की औसत से 674 रन बनाए थे । जिसमें दो शतक और 5 अर्धशतक शामिल थे। पिछले सीजन ही जगदीशन ने रणजी ट्रॉफी में लगातार 200+ का स्कोर बनाया। रेलवे के खिलाफ 245* रन बनाने के बाद चंडीगढ़ के खिलाफ 321 रन का अपना व्यक्तिगत सर्वोच्च स्कोर भी बनाया। दाएं हाथ के बल्लेबाज जगदीशन का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में औसत अब 49.58 है और अगर पंत और जुरेल दोनों समय पर ठीक नहीं हो पाते हैं तो वह भारत के लिए डेब्यू भी कर सकते है ।

महिला हॉकी एशिया कप 2025 : भारतीय महिला हॉकी टीम की बेहतरीन शुरुआत, थाईलैंड को 11-0 से दी पटखनी

हांग्जो (एजेंसी)। चीन के हांग्जो शहर में महिला हॉकी एशिया कप 2025 का आगाज हो गया है। इस दौरान भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने अभियान की शुरुआत थाईलैंड को 11-0 से हराकर बेहतरीन जीत के साथ की। गोन्गशु कैनाल स्पोर्ट्स पार्क हॉकी फील्ड में खेले गए इस मैच में भारत ने आक्रामक खेल दिखाते हुए थाईलैंड को एकतरफा अंदाज में हराया। भारतीय महिला टीम इस साल एफआइएच प्रो लीग के यूरोप फेज में आखिरी स्थान पर रही थी, लेकिन एशिया कप में उनसे बेहतरीन शुरुआत की।

महिला एशिया कप से पहले मैच में निचली रैंकिंग वाली थाईलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत करना खिलाड़ियों के लिए अच्छा है। अनुभवी गोलकीपर सविता और ड्रैग फ्लिकर और स्टार

फारवर्ड दीपिका के चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने से भारतीय टीम कमजोर दिखाई दे रही थी। लेकिन मुमताज खान, उडिता और ब्यूटी डुंग डुंग के शानदार खेल के कारण भारतीय टीम ने एक आसान जीत अपने नाम की।

भारत ने शुरू से ही अपना दबदबा बनाए रखा और शानदार गोल दागे। मुमताज खान, इडता, ब्यूटी डुंग डुंग ने दो-दो गोल किए जबकि संगीता कुमार, नवनीत कौर, लालरेमसियामी, शर्मिला देवी और रुतुजा दादासो पिसाल ने एक-एक गोल किया। भारत ने पहले ही हाफ में 5-0 की बढ़त हासिल की। इसके बाद दूसरे हाफ में भारत का आक्रमण और तेज हुआ और खेल खत्म होते-होते टीम इंडिया ने 11 गोल कर दिए।

भारतीय टीम पूल बी में है जहां उसके साथ जापान, थाईलैंड और सिंगापुर शामिल हैं। जबकि पूल ए में मेजबान चीन, कोरिया, मलेशिया और चीनी ताइपे शामिल हैं। ये टूर्नामेंट 5 से 14 सितंबर तक चलेगा। थाईलैंड के बाद अब भारत का सामना कल यानी 6 सितंबर को जापान के साथ और 8 सितंबर को सिंगापुर से होगा।

महिला विश्वकप के उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगी श्रेया : आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बॉलीवुड अभिनेत्री श्रेया घोषाल आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 के उद्घाटन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगी । महिला विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से करेंगे । विश्व कप 30 सितंबर से 2 नवंबर तक खेला जाएगा । इसमें 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं । विश्व कप भारत के चार शहरों और श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा । भारत में मैच गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और मुंबई में खेला जाएगा । श्रेया भारत और श्रीलंका के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच से पहले गुवाहाटी में होने वाले उद्घाटन समारोह में अपना कार्यक्रम पेश करेंगी । घोषाल ने इस टूर्नामेंट का आधिकारिक गीत ब्रिंग इट होम भी रिकॉर्ड किया है । गौरतलब है कि विश्व कप का पहला मुकाबला 30 सितंबर को भारत और श्रीलंका के बीच गुवाहाटी में खेला जाएगा । इस इवेंट के लिए टिकटों की ब्रिकी भी शुरु हो गयी है । इस साल इस आईसीसी वैश्विक आयोजन के लिए टिकटों की कीमतें काफी कम रखी गयी हैं । भारत में सभी लीग मैचों के टिकटों की कीमत पहले चरण में केवल 100 रुपये है । आईसीसी ने कहा कि कम कीमत रखने का कारण स्टेडिमय में लोगों की भीड़ खींचना है । महिला क्रिकेट वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रहा है और कम कीमत से इसकी ओर रुझान बढ़ेगा ।

मेसी के घरेलू मैदान पर डबल से अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को हराया

ब्यूनस आयर्स । लियोनेल मेसी ने अपने आखिरी घरेलू विश्व कप क्वालीफायर में दो गोल दागे जिससे अर्जेंटीना ने गुरुवार को वेनेजुएला पर 3-0 से जीत हासिल की । 8 बार के बैलन डी' ओर विजेता मेसी, जो वार्मअप के दौरान भावुक हो गए थे, ने 39वें मिनट में जूलियन अल्वारेज के काउंटरअटैक क्रॉस पर गोलकीपर राफेल रोमो के ऊपर से शॉट मारकर मेजबान टीम को बढ़त दिला दी । स्थानापन्न लुटारो मार्टिनेज ने निको गोंजालेज के बाएं बाईलाइन से कट-बैक के बाद डाइविंग हेडर से बढ़त दोगुनी कर दी । मेसी ने थियागो अल्माडा के साथ मिलकर 12 गज की दूरी से साइड-फुटिंग गोल करके स्कोर 3-0 कर दिया । 38 वर्षीय अर्जेंटीना के कप्तान ने 89वें मिनट में रोमो के ऊपर से गेंद को चिप करके अपनी हैट्रिक पक्की कर ली थी, लेकिन उन्हें ऑफसाइड करार दे दिया गया। मेसी, जिन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि यह क्वालीफ़ाइंग अभियान लगभग उनका आखिरी अभियान होगा, को अंतिम मिनटों में 80,000 से ज्यादा प्रशंसकों ने उनका नाम लेकर सलाम किया । एस्टाडियो मोनुमेंटल में हुए इस परिणाम के साथ अर्जेंटीना दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में शीर्ष पर 10 अंकों की बढ़त के साथ एक मैच का दिन शेष रहते पहुंच गया है । वेनेजुएला, जो अपने पहले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश में है, 10 टीमों की तालिका में सातवें स्थान पर बना हुआ है, जिससे उसे प्लेऑफ में जगह मिल जाएगी । अगले मंगलवार को होने वाले क्वालीफ़ायर के अंतिम दौर में, अर्जेंटीना का सामना ग्वायाकिल में इक्वाडोर से होगा, जबकि वेनेजुएला माटुरिन में कोलंबिया की मेजबानी करेगा ।

पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा का बड़ा आरोप, कहा-कप्तान के पसंदीदा खिलाड़ियों को ही मिलता है मौका

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत के अनुभवी लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने बृहस्पतिवार को क्रिकेट के हर प्रारूप से संन्यास ले लिया और उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान दो अलग दौर का सामना किया। पहला दौर महान स्पिनर अनिल कुंबले की जगह लेने के साथ उनसे की जाने वाली अपेक्षाओं के भारी दबाव से निपटने में बीता तो दूसरा दौर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के आने से हुई प्रतिस्पर्धा से निपटने का रहा। इसमें से ऑफ स्पिनर अश्विन जहां महेंद्र सिंह धोनी की योजना का हिस्सा रहे तो वहीं जडेजा विराट कोहली की रणनीति के अनुकूल रहे। लेकिन लेग ब्रेक गेंदबाजी करने वाले और शानदार गुगली फेंकने वाले मिश्रा को अश्विन और जडेजा के साथ तीसरे विकल्प के रूप में काफी कम इस्तेमाल किया जाता।

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद एक विशेष साक्षात्कार में मिश्रा ने कहा,

'यह बहुत निराशाजनक था। कभी आप टीम में होते हैं, कभी बाहर। कभी आपको प्लेइंग इलेवन में मौका मिलता है, कभी नहीं। बेशक, यह निराशाजनक है, और इसमें कोई शक नहीं कि मैं कई बार निराश हुआ।' उन्होंने कहा, 'लेकिन फिर आपको याद आता है कि आपका सपना भारत के लिए क्रिकेट खेलना है। आप राष्ट्रीय टीम के साथ हैं, और लाखों लोग वहां पहुंचने के लिए इतनी मेहनत कर रहे हैं। आप भारतीय टीम के 15 खिलाड़ियों में से एक हैं। इसलिए, मैंने सकारात्मक रहने की कोशिश की।'

प्रतिभा के बावजूद मिश्रा ने स्वीकार किया कि भारतीय टीम में अंदर-बाहर रहना मानसिक रूप से कठिन था। उन्होंने आगे कहा, 'जब भी मैं निराश होता था, मैं सोचता था कि मैं कहां सुधार कर सकता हूं। चाहे वह मेरी फिटनेस हो, बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, मैंने हमेशा बेहतर होने पर ध्यान केंद्रित किया। जब भी मुझे भारतीय टीम के लिए खेलने का मौका मिला, मैंने अच्छा प्रदर्शन किया, और मैं इससे बहुत खुश हूं। मैं कड़ी मेहनत से कभी पीछे नहीं हटा।'

मिश्रा ने कहा, 'मैं कहूंगा कि मेरे लिए सबसे निर्णायक क्षण 2008 के IPL में ली गई हैट्रिक थी, जहां मैंने मैच में 5 विकेट भी लिए थे। उसके बाद मैंने भारतीय टीम में वापसी की। उससे पहले, मैं घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा था, हर सीजन में 35-45 विकेट ले रहा था, लेकिन मैं राष्ट्रीय टीम में वापसी नहीं कर पाया। उस आईपीएल हैट्रिक ने मेरे लिए चीजें बदल दीं। मैंने पिछले साल सैयद मुश्ताक अली में भी अच्छा प्रदर्शन किया था और 25 विकेट लिए थे, जिससे मुझे IPL अनुबंध (दिल्ली डेयरडेविल्स) हासिल करने में मदद मिली। उस हैट्रिक के बाद मैं लगातार भारतीय टीम में वापसी करता रहा और टी-20 में मेरा करियर भी शुरू हो गया। इसलिए, 2008 में पाँच विकेट वाली वह हैट्रिक मेरे जीवन का एक निर्णायक क्षण होगी।'

मिश्रा ने विभिन्न कप्तानों द्वारा गेंदबाजों के अपने पसंदीदा चयन के बारे में अपना दृष्टिकोण रखा और यह भी कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा, 'कुछ खिलाड़ी कप्तान के पसंदीदा होते हैं। लेकिन इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। आपको बस जब भी मौका मिले खुद को साबित करना होता है। जैसा कि मैंने कहा, ये चीजें मायने नहीं रखतीं। कभी-कभी कोई खिलाड़ी जो आपसे बेहतर प्रदर्शन करता है, उसे ज्यादा पसंद किया जाता है, लेकिन जब आप अच्छा प्रदर्शन करने लगते हैं, तो सब कुछ बदल जाता है।'

उन्हें आईपीएल में विदेशी खिलाड़ियों की तुलना में भारतीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना हमेशा ज्यादा चुनौतीपूर्ण लगता था। मिश्रा ने कहा, 'जब भी मैंने किसी जाने-माने भारतीय खिलाड़ी का विकेट लिया, मुझे गर्व महसूस हुआ। वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा, युवराज सिंह, गौतम गंभीर या विराट कोहली जैसे खिलाड़ी - ये ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी पल खेल का रुख बदल सकते हैं। आप अपने कौशल से किसी विदेशी खिलाड़ी को परेशान कर सकते हैं, लेकिन इन खिलाड़ियों को आप अच्छी तरह जानते हैं। जब आप उनका विकेट लेते हैं, तो आपको एक अलग, बहुत सकारात्मक एहसास होता है। मैं कहूंगा कि सभी भारतीय बल्लेबाज़ों के सामने गेंदबाज़ी करना स्पिनर के लिए मुश्किल होता है।'

सबालेंका और अनिसिमोवा के बीच होगी यूएस ओपन में खिताबी भिड़ंत

न्यूयॉर्क । शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका और उभरती हुई अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा बीच यूएस ओपन में महिला एकल वर्ग में खिताबी भिड़ंत होगी । बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने अपनी विशिष्ट दृढ़ता और मानसिक शक्ति का परिचय देते हुए एक सेट से पिछड़ने के बाद चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर तीसरी बार यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश किया । गुरुवार रात दो घंटे तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी पेगुला को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया । पेगुला ने न्यूयॉर्क के शोरगुल में उत्साहित दर्शकों के बीच पहला सेट जीतकर पासा पलटने की चेतावनी दी । अमेरिकी खिलाड़ी ने पेगुला ने सबालेंका की सहज गलतियों का फायदा उठाया और दो बार सर्विस ब्रेक करके 6-4 से पहला सेट अपने नाम कर लिया । इसके बाद बेलारूसी खिलाड़ी ने ऑफ-कोर्ट ब्रेक के बाद नए दृढ़ संकल्प के साथ वापसी की ।

छोरियाँ चली गाँव में दिल और चुनौतियाँ जीत रही हैं कृष्णा श्रॉफ

फिटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा श्रॉफ छोरियाँ चली गाँव में शक्ति और शालीनता दोनों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के अर्थ को नए सिरे से परिभाषित कर रही हैं। यह शो जहां शारीरिक कौशल, मानसिक रणनीति और भावनात्मक मजबूती की परीक्षा लेता है, वहीं कृष्णा अपनी खासियत से सबका ध्यान खींच रही हैं — गहरी दोस्ती और फोकस प्रतिस्पर्धी भावना के बीच संतुलन बनाने की अपनी दुर्लभ क्षमता के लिए उभर कर सामने आई हैं। एरिका पैकार्ड के साथ उनका दोस्ती का रिश्ता बेहद मजबूत है, जबकि सुमुखी सुरेश (जिन्होंने निजी कारणों से शो छोड़ दिया) के साथ उनकी आपसी समझ और सम्मान, उनके स्वाभाविक जुड़ाव को दर्शाते हैं। फिर भी, कृष्णा ने इन संबंधों को कभी अपने फ़ैसलों या जीत के इरादे पर हावी नहीं होने देतीं। वह स्पष्ट सोच वाली हैं और पूरी तरह समर्पित, यह साबित करते हुए कि मजबूत रिश्ते और शानदार खेल दोनों एक साथ संभव हैं। वह जीत के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन अपनी ईमानदारी से समझौता किए बिना।

अपनों से आगे बढ़कर कृष्णा ने हर किसी के साथ सार्थक रिश्ते बनाए हैं। अंजुम फ़कीह को वह बड़ी बहन कहती हैं और हाल ही में बाहर हुई रमीत संधू के साथ भी उनके पल बेहद सच्चे और दिल से जुड़े रहे। कृष्णा एक ऐसी गर्मजोशी और समावेशिता लाती हैं जिसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल है। चाहे टीम टास्क हो या व्यक्तिगत चुनौती, कृष्णा दूसरों को आगे बढ़ने का मौका देती हैं, बिना किसी को अलग-थलग महसूस कराए या प्रतियोगिता को निजी बनाएं बिना।

यही समावेशी और संतुलित दृष्टिकोण है, जो उन्हें प्रतिद्वंद्वियों के बीच भी शांत प्रशंसा दिलाई है। तेज़-तर्रार माहौल के बावजूद, कृष्णा अपने व्यवहार में लगातार सम्मानजनक और जमीन से जुड़ी हुई रहती हैं — चाहे वह अनिता हसनंदानी के साथ हो, डबल धमाल सिस्टर्स सुरभि-समृद्धि की जोड़ी के साथ, या फिर डॉली जावेद और वाइल्ड कार्ड एंट्री माएरा मिश्रा के साथ। एक ऐसा शो जिसमें अक्सर ड्रामा देखने को मिलती है, वहां कृष्णा स्पष्ट सोच और चरित्र की मिसाल बनकर उभरती हैं।

दोस्ती और निष्पक्ष प्रतिद्वंद्विता, दोनों के लिए जगह बनाए रखने की उनकी क्षमता दुर्लभ है और कृष्णा इसे बिना किसी का सम्मान घटाए बखूबी निभा रही हैं। भले ही वह अपनी शारीरिक ताकत के लिए पहचानी जाती हों, लेकिन 'छोरियां चली गांव' में उनकी असली चमक उनके दबाव में भी उनका शालीन व्यवहार ही सबका ध्यान खींच रहा है।

नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक का पंजाबी फिल्म और टीवी पर राज

पंजाबी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री में आज कई ऐसे कलाकार हैं जिन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा से लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक ऐसे ही दो नाम हैं जो पंजाबी सिनेमा और टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखते हैं। दोनों ने अपने अभिनय के दम पर पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री को मजबूती दी है और साथ ही दर्शकों का मनोरंजन भी किया है। पंजाबी भाषा और संस्कृति को बढ़ावा देने में इन दोनों का योगदान काफी महत्वपूर्ण है। जहां नीरू बाजवा को पंजाबी सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में गिना जाता है, वहीं रुबीना दिलैक ने टीवी और फिल्मों दोनों में अपनी छाप छोड़ी है। दोनों कलाकारों ने न केवल पंजाबी फिल्मों में काम किया, बल्कि टेलीविजन पर भी अपनी अच्छी-खासी मौजूदगी दर्ज कराई है। उनकी फिल्मों और सीरियल्स ने पंजाब की संस्कृति, लोगों के जीवन और पारिवारिक रिश्तों को खूबसूरती से पेश किया है। इसी वजह से वे पंजाबी सिनेमा और टीवी की जानी-मानी हस्तियां बन चुकी हैं।

नीरू बाजवा का जन्म 26 अगस्त 1980 को कनाडा के सरे शहर में हुआ था। वह एक भारतीय परिवार से ताल्लुक रखती हैं। नीरू ने अपने करियर की शुरुआत 1998 में हिंदी फिल्म मैं सोलह बरस की से की थी, लेकिन बाद में उन्होंने पंजाबी फिल्मों में ज्यादा काम किया और वहां उन्हें काफी सफलता मिली। नीरू की पंजाबी फिल्मों में जट्ट एंड जूलियट, सरदार जी, लौंग लाची, शादा जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं। उन्होंने पंजाबी सिनेमा में अपनी खास जगह बनाई और तीन बार पीटीसी पंजाबी फिल्म पुरस्कार भी जीता। पंजाबी फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए उन्हें फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला।

नीरू ने सिर्फ अभिनय ही नहीं किया, बल्कि पंजाबी फिल्मों के निर्देशन और प्रोडक्शन में भी हाथ आजमाया है। 2017 में उन्होंने पंजाबी फिल्म सरगी का निर्देशन किया, जो उनकी बहन रुबीना बाजवा की शानदार फिल्म थी। नीरू का योगदान सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, उन्होंने हॉलीवुड की अलौकिक थ्रिलर फिल्म इट लिव्स इनसाइड (2023) के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छवि बनाई। नीरू बाजवा ने टीवी में भी काम किया, जिसमें अस्तित्व...एक प्रेम कहानी, जीत, बंदूकें गुलाब, और हरी मिर्ची लाल मिर्ची जैसे सीरियल शामिल हैं। वह हाल ही में रिलीज हुई अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में भी नजर आईं।

रुबीना दिलैक की बात करें, तो उनका जन्म 26 नवंबर 1989 को हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में हुआ। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद मॉडलिंग और अभिनय की ओर रुख किया। रुबीना ने टीवी इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत की, लेकिन पंजाबी फिल्मों में अपनी पहचान बनाई। टीवी सीरियल छोटी बहू में उनके अभिनय को काफी पसंद किया गया। इसमें उन्होंने राधिका नाम की लड़की का किरदार निभाया, जो घर-घर में मशहूर हुआ। इसके बाद वह सास बिना ससुराल, शक्ति-अस्तित्व के एहसास की, पुनर्विवाह- एक नई उम्मीद, देवों के देव...महादेव, जीनी और जूजू जैसी सीरियल्स में नजर आईं। उन्होंने बिग बॉस 14, फियर फैक्टर- खतरों के खिलाड़ी 12, और झलक दिखला जा 10 सहित कई रियलिटी शो किए। वह बिग बॉस 14 की विजेता भी रहीं। उन्होंने चल भज्ज चलें जैसी पंजाबी फिल्मों में काम किया। रुबीना ने कई पुरस्कारों के लिए नामांकन हासिल किए और कई बार जीत भी हासिल की है। टीवी और फिल्मों दोनों में उनकी लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।

नीरू बाजवा और रुबीना दिलैक की मेहनत और लगन ने पंजाबी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री को मजबूती दी है। दोनों पंजाबी सिनेमा और टीवी की चमकती हुई हस्तियां हैं।

कनिका मान ने दिया लूट मुबारक के लिए निमंत्रण!

पंजाबी और टीवी जगत की मशहूर अभिनेत्री कनिका मान ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक खास पोस्ट की, जिसने उनके फैंस का जोश हाई है। ये पोस्ट उनकी आने वाली फिल्म लूट मुबारक का आधिकारिक पोस्टर है, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठाया गया है। कनिका मान ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लूट मुबारक फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें फिल्म का नाम गुरमुखी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखा हुआ है। पोस्टर में मुख्य कलाकार हरीश वर्मा और कनिका मान के नाम भी नजर आ रहे हैं। साथ ही फिल्म के निर्माता, निर्देशक और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी भी साझा की गई है। यह फिल्म 20 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में ड्रामा, बदला और प्यार देखने को मिलेगा।

कनिका मान ने अपने कैप्शन में लिखा है, वाहेगुरु जी! जब हमारे दिल उन लोगों के लिए दुखते हैं जो विपदा का सामना कर रहे हैं, तब हम अपनी नई फिल्म एक छोटे से संदेश के रूप में साझा करते हैं, जो बताती है कि कहानियां सिर्फ मनोरंजन का जरिया नहीं होतीं, बल्कि वे हमें जोड़ती हैं, हमें ताकत देती हैं और दुखों को कम करने में मदद करती हैं। सोशल मीडिया पर उनके फैंस इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और आने वाली फिल्म के लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। बता दें कि कनिका हाल ही में पंजाबी फिल्म जॉम्बीलैंड में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ बिन्नू ढिल्लों, अंगीरा धर, जी खान गुरी, धनवीर सिंह और जस्सा ढिल्लों समेत कई कलाकार अहम किरदार में हैं। यह फिल्म भारत की पहली पंजाबी जॉम्बी कॉमेडी है, जिसे लेखक-निर्देशक थापर ने बनाया था। वहीं इसे नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस के बैनर तले नीरज रुहिल और सुभव शर्मा द्वारा निर्मित किया गया। यह फिल्म पांच भाषाओं पंजाबी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज हुई थी।

यूएनएफपीए की ब्रांड एंबेसडर बनीं कृति सेनन

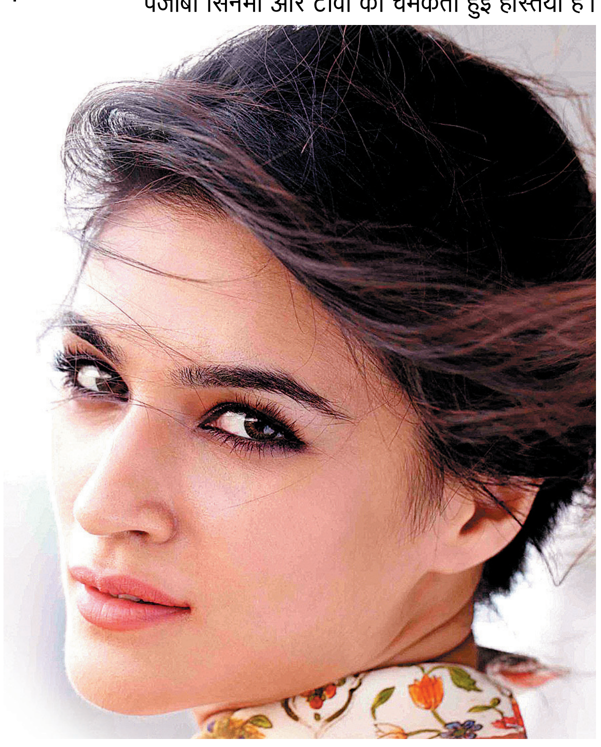

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई है। वो संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की ब्रांड एंबेसडर बनाई गई हैं। यह संयुक्त राष्ट्र संघ की एक संस्था है जिसका कार्य महिला, पुरुष और बच्चों के अधिकार, स्वास्थ्य और समान अवसर के साथ सुखी जीवन को बढ़ावा देना है। ब्रांड एंबेसडर बनने के बाद उन्होंने अपनी भूमिका के बारे में बात की और बताया कि कैसे अपने करियर की शुरुआत में उन्हें लैंगिक असमानता का सामना करना पड़ा। कृति सेनन ने बॉलीवुड में वेतन असमानता के बारे में भी बात की। सेनन ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। ये बहुत बड़ा सम्मान है और उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी। मैं इसके लिए बहुत उत्सुक हूं, क्योंकि मुझे हमेशा से ये लगता था कि मैं कुछ ऐसा बदलाव ला सकूं जो मेरे दिल के करीब हो। मेरा मानना है कि लैंगिक असमानता बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। ये बहुत बड़ा मुद्दा है, फिर चाहे बात जेंडर बेस्ड वायलेंस की हो या गर्ल चाइल्ड एजुकेशन की हो। मुझे खुशी है कि मैं यूएनएफपीए के साथ मिलकर ऐसे लोगों के लिए अब कुछ कर पाऊंगी, उनका साथ दे पाऊंगी। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं अपने देश का वैश्विक स्तर पर प्रतिनिधित्व करना चाहती थी, अपनी आवाज के जरिए ऐसे मुद्दों को उठाना चाहती थी, जिससे लोगों के जीवन खुशहाल बन सकें।

मेरा उद्देश्य विवाद पैदा करना नहीं, सिर्फ सच दिखाना है

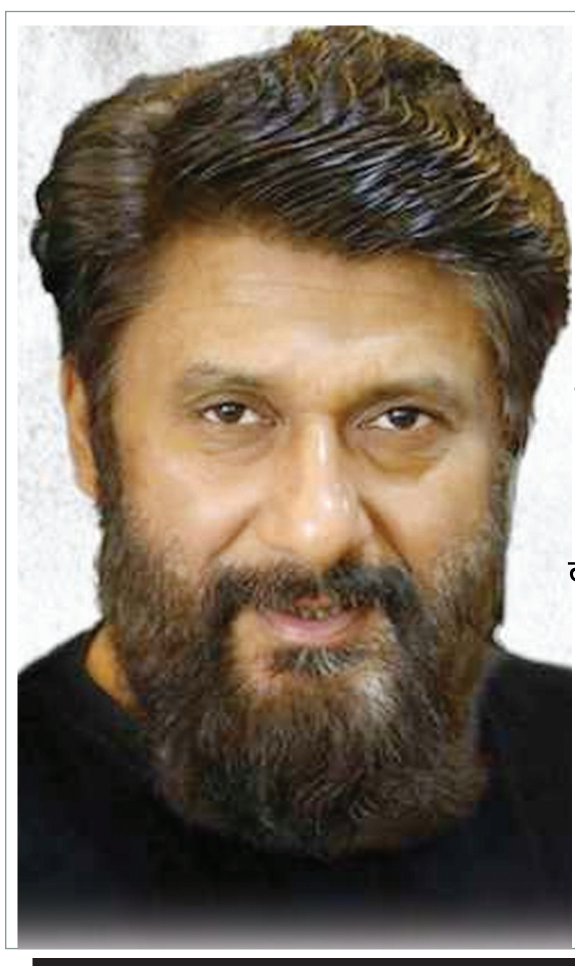

डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स जल्द रिलीज होने वाली है। रिलीज से पहले फिल्म को लेकर काफी विवाद हुआ। इसके अलावा फिल्म काफी समय से कोई ना कोई वजह से सुर्खियों में भी बनी हुई है। विवेक अग्निहोत्री फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर बातचीत की।

द बंगाल फाइल्स का आइडिया कहां से आया?

जब हमने द कश्मीर फाइल्स बनाई थी, तब हमने सिर्फ एक फिल्म नहीं बनाई थी। हमने एक मूवमेंट शुरू किया था और उस मूवमेंट का नाम था – राइट टू ट्रुथ। हमारी टीम का मानना है कि हर भारतीय को यह हक है कि उसे सच पता चले और सच हमेशा किताबों में या अखबारों में नहीं लिखा होता। कभी-कभी सच को छिपा दिया जाता है, ताकि लोग उसे न जान सकें। द कश्मीर फाइल्स बनाने के बाद, हमने तय किया कि अगली फिल्म बंगाल पर होनी चाहिए। क्योंकि बंगाल का इतिहास बहुत गहरा और जटिल है।

द बंगाल फाइल्स में क्या दर्शक आपसे द कश्मीर फाइल्स से बेहतर की उम्मीद कर सकते हैं?

दर्शक हमेशा उम्मीद करते हैं और मैं उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करती हूं। द बंगाल फाइल्स में मेरा किरदार बिल्कुल अलग है। यह किरदार मुझे एक नई चुनौती देता है और मुझे लगता है कि दर्शक जब इसे देखेंगे तो चौंक जाएंगे क्योंकि यह रोल पहले किए गए मेरे सभी किरदारों से बिलकुल अलग है।

जब आप द बंगाल फाइल्स बना रहे थे, तो क्या आपको लगा था कि फिर से पिछली फिल्मों जैसा विवाद होगा?

विवाद होना मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। विवाद तब होता है जब आप सच बोलते हैं। अगर मैं सिर्फ मनोरंजन की फिल्में बनाऊं, तो शायद कभी विवाद न हो। लेकिन जब आप सच्चाई पर उंगली रखते हैं, तो कई लोगों को तकलीफ होती है और वही लोग विवाद खड़ा करते हैं। लेकिन मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। क्योंकि मैं जानता हूं कि मेरा मकसद सिर्फ सच को सामने लाना है और मुझे लगता है कि जनता भी यही चाहती है- सच जानना। तो चाहे विवाद हो या न हो, मैं अपनी राह से पीछे नहीं हटूंगा।

आपको कभी लगता है कि विवाद आपकी फिल्मों को नुकसान पहुंचाता है?

विवाद फिल्मों को नुकसान नहीं पहुंचाते। बल्कि कभी-कभी विवाद ही लोगों को फिल्म देखने थिएटर तक खींच लाते हैं। लेकिन मेरा उद्देश्य विवाद पैदा करना नहीं है। मेरा उद्देश्य सिर्फ सच दिखाना है। अब अगर सच से विवाद होता है, तो यह समाज की जिम्मेदारी है कि वह इसका सामना करे।

विवेक आपने कहा था कि ट्रोल्स अब आपको परेशान नहीं करते। लेकिन क्या कभी उनकी बातें आपको चोट पहुंचाती हैं?

पहले पहुंचती थी। लेकिन अब मैंने समझ लिया है कि जो सच बोलता है, उसे गालियां भी मिलती हैं और अगर मैं सच की वजह से गालियां खा रहा हूं, तो यह मेरे लिए सम्मान है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की भूमिका में नजर आएंगे धनुष

साउथ एक्टर धनुष ही फिल्म कलाम: जल्द द मिसाइल मैन ऑफ इंडिया में पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक ओम राउत का मानना है कि धनुष से बेहतर इस किरदार को कोई और नहीं निभा सकता है। निर्देशक ओम राउत ने कहा... धनुष एक बेहतरीन एक्टर हैं। मुझे खुशी है कि उन्होंने यह भूमिका निभाने के लिए हामी भरी है। मैं व्यक्तिगत रूप से उन्हें बहुत मानता हूं और इस फिल्म में उनके साथ काम करने को लेकर उनसे बेहतर इस फिल्म और इस उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि किरदार को और कोई नहीं निभा सकता।

पकाएं-खिलाएं लाइफ बनाएं

इस समय देश और दुनिया में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री दिन दूनी-रात चौगुनी तरक्की कर रही है। इससे लोगों को लिए रोजगार के नए-नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2014 तक हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री से जुड़े रोजगारों में 20 फीसदी तक इजाफा हो सकता है।

अनेक राहें

होटल मैनेजमेंट स्नातकों के लिए रोजगार की कई राहें उपलब्ध हैं। ऐसे लोग चाहें तो होटल इंडस्ट्री के अलावा एयरलाइन, क्रूज लाइन, टूर्स एंड ट्रैवल्स, रेस्त्रां, बार, फास्ट फूड श्रंखला, कैटरिंग इंडस्ट्री (संस्थानों, रेलवे व अस्पतालों में), हाईवे मोटेल्स, मनोरंजन पार्क व मॉल्स, मल्टीप्लेक्स, होटल व टूरिज्म इंस्टीट्यूट्स में रोजगार पा सकते हैं। इसके अलावा खुद रोजगार भी स्थापित किया जा सकता है।

मौजूदा परिदृश्य

हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में उच्च टर्नओवर एक मुख्य चुनौती है। आज नियोक्ताओं को ऐसे कर्मचारी मुश्किल से मिलते हैं जो बुनियादी 'सॉफ्ट स्किल्स' से लैस हों, जिसकी ग्राहक सेवा प्रधान इंडस्ट्री में सफलता के लिए बहुत जरूरत होती है। हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री के दिनोंदिन तरक्की करने के साथ इस क्षेत्र में बेहतर व तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारी और खासकर युवा शेफ तथा फूड-एंड-बेवरेज प्रोफेशनल्स की मांग काफी बढ़ गई है। आज हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री से जुड़े कई अंतरराष्ट्रीय शीर्ष ब्रांड हमारे देश में आ रहे हैं। इसके साथ-साथ शेफ के लिए भी अवसरों में इजाफा हो रहा है जो हॉस्पिटैलिटी व फूड इंडस्ट्री में फूड एंड बेवरेज सेक्टर की रीढ़ तैयार करते हैं।

देखा जाए तो आज शेफ का पेशा उन दिनों से बहुत आगे निकल चुका है जब वे अपनी रेसिपी व किचन को दुनिया की नजरों से बचाकर रखते थे। आज के शेफ युवा और जोशीले शख्स होते हैं जो लगातार अपनी नॉलेज को अपडेट करते रहते हैं और ऐसे प्रोडक्ट तैयार करते हैं जिनसे ब्रांड वैल्यू तैयार होती है। आज शेफ को होटल का चेहरा माना जाता है। देश में पाककला इंडस्ट्री के तीव्र विकास के साथ कुकिंग भी घरेलू किचन की चहारदीवारी से बाहर निकल आया है। अब यह सिर्फ महिला का अधिकारक्षेत्र नहीं रह गया है।

शेफ एक ऐसा आर्टिस्ट होता है, जिसे कुकरी की कला में महारत हासिल होती है और जो दूसरों को भी इसकी ट्रेनिंग दे सकता है। एक दक्ष शेफ न सिर्फ नए-नए व्यंजन ईजाद करता है, जो बेहद स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि अपनी मधुर मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा करते हुए अपने साथ-साथ कारोबार की तरक्की में भी भागीदार बनता है।

रोजगार की संभावनाएं

इस पेशे में कॅरियर संबंधी अवसरों की कोई सीमा नहीं है। किसी दक्ष शेफ को होटल, रेस्त्रां, एयर कैटरिंग यूनिट्स, फूड प्रोसेसिंग कंपनियों, कंफैक्शनरीज, क्रूज लाइनर, कारपोरेट कैटरिंग में आसानी से रोजगार मिल सकता है। इंडस्ट्री में होने वाले उतार-चढ़ावों से शेफ का पेशा प्रभावित नहीं होता क्योंकि अच्छे खाने के शौकीन लोग लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाए बगैर कभी नहीं रह सकते। आप चाहें तो अपना रोजगार भी स्थापित कर सकते हैं। इसके अलावा छोटे-बड़े फूड आउटलेट्स में प्रोफेशनल शेफ की काफी मांग होती है।

कार्यक्षेत्र

भोजन तैयार करने के अलावा किसी आहार-गृह के मुख्य शेफ को विभिन्न तरह के मेन्यू तैयार करने का जिम्मा भी सौंपा जाता है जो ग्राहकों के टेस्ट के अनुरूप हों। यह शेफ ही है जो आगे चलकर पकाए जाने वाले भोज्य पदार्र्थो का ऑर्डर देता है और बाकी किचन स्टाफ की निगरानी भी करता है। सबसे अहम बात, शेफ को स्वादिष्ट लजीज भोजन का जबरदस्त प्रेमी होना चाहिए। किसी शेफ की गुणवत्ता इस बात से इंगित होती है कि वह कितना जायकेदार भोजन तैयार कर सकता है। उसे अलग-अलग तरह की पाककलाओं में दक्ष होना चाहिए। शेफ को कोल्ड किचन, हॉट किचन या बेकरी कंफैक्शनरी जैसे विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों को चुनते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

विकास में सहभागी

कह सकते हैं कि चमकदार सफेद टोपी के नीचे एक सौम्य मुस्कराते चेहरे के साथ-साथ लोगों की स्वाद कलिकाओं को उत्तेजित करने के लिए लजीज व्यंजनों को पकाने का हुनर इस पेशे के लिए जरूरी है। यह एक ऐसा पेशा है, जिसमें आपको अवसर, सम्मान, ग्लैमर, प्रसिद्धि और पैसा सब कुछ मिल सकता है। यदि यह कहा जाए कि शेफ बनना अपने आप में बड़े गौरव की बात है तो गलत नहीं होगा। पहले की बात और थी, जब इस पेशे को लोग दोयम दर्जे का समझते थे। तब से लेकर अब तक किचन का माहौल और शेफ का नजरिया भी काफी हद तक बदल गया है। आज अनेक युवा शेफ बनने की ओर उन्मुख हो रहे हैं। आज के ज्यादातर शेफ किसी होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट से पढ़कर निकले होते हैं, जिन्हें इस पेशे के बारे में सारी जानकारी होती है। यह मल्टीटास्किंग का दौर है। यानी आज एक शेफ अलग-अलग तरह की पाक शैली के व्यंजन पकाने में समान रूप से दक्ष होता है।

इस दौर में पाककला संबंधी शोज और पत्र-पत्रिकाओं की बढ़ती लोकप्रियता के साथ शेफ भी अब पब्लिक फिगर बन गए हैं। यदि आप भी लजीज व्यंजन पकाने और खिलाने के शौकीन हैं तो मानकर चलिए कि हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में आपके लिए बेहतरीन अवसरों की कमी नहीं है, बस जरूरत है सही दिशा में कदम आगे बढ़ाने की।

बेहतर शेफ बनने हेतु जरूरी बातें

- खान-पान सामग्री संबंधी अच्छा ज्ञान।
- फूड इंडस्ट्री की मौजूदा मांग के बारे में समग्र जानकारी।
- इस बात की पूरी जानकारी होना कि किस मौसम में कौन सी भोजन सामग्री (फल, सब्जियां, मसाले इत्यादि) उपलब्ध होती हैं।
- नई-नई बातों को सीखने व अपनाने की ललक।
- आप ऐसे बदलाव करने में सक्षम हों जो समाज या आबादी के एक खास हिस्से की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरी कर सकें।
- नए-नए प्रयोगों के प्रति सकारात्मक नजरिया रखना।

संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस एंड होटल मैनेजमेंट, देहरादून।
- होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट स्टडीज, नवी मुंबई।
- सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग, भुवनेश्वर।
- हाई-केट्स कॉलेज ऑफ होटल मैनेजमेंट, पुणे।
- हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म, शिमला।
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, पानीपत।
- क्राइस्ट कॉलेज, बेंगलुरु।
- कैम्बे इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, गांधीनगर।

फॉरेंसिक एकाउंटेंट्स की माँग

दिन-ब-दिन बढ़ते कॉरपोरेट घोटालों से फॉरेंसिक एकाउंटेंट्स के लिए रोजगार के अवसर समूची दुनिया में तेजी से बढ़े हैं। इनका काम आम एकाउंटेंट्स से भिन्न होता है।

कंपनियों का महज लेखा-खाता तैयार करने तक ही इनका काम सीमित नहीं है बल्कि इन्वेस्टर्स, शेयर होल्डर्स, इनकम टेक्स विभागों आदि को धोखा देने के इरादे से तैयार जाली एकाउंट्स का पता लगाना और दोषी लोगों तक पहुँचने में मदद करने का भी इनका काम है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश में इस वक्त 6 हजार से अधिक फॉरेंसिक एकाउंटेंट्स की जरूरत है।

फॉरेंसिक एकाउंटेंट्स मोटे तौर पर दो क्षेत्रों में अपना योगदान देते हैं, ये हैं इन्वेस्टीगेटिव एकाउंटिंग और कानूनी मामलों में सबूत जुटाने में मदद करना। इतना ही नहीं, कॉरपोरेट फ्रॉड्स की रोकथाम और नुकसान कम करने में भी इनकी अहम भूमिका नकारी नहीं जा सकती है।

बहुचर्चित सत्यम घोटाले के बाद न सिर्फ कॉरपोरेट जगत इस बारे में सचेत हुआ है बल्कि आम शेयरधारक और सरकारी तंत्र भी काफी जागरूक हो गए हैं। नामी कंपनियों में फुलटाइम अथवा अनुबंध आधार पर मोटी फीस की एवज में इस प्रकार के एक्सपर्ट्स को नियुक्त करने का एक नया ट्रेंड ही चल पड़ा है।

एकाउंटस का समस्त कामकाज अब पूरी तरह कंप्यूटर एवं सॉफ्टवेयर आधारित हो चुका है। ऐसे में महज एकाउंटस का जानकार होना इस क्षेत्र में करियर निर्माण के लिए पर्याप्त नहीं कहा जा सकता है। रोज इससे संबंधित नए सॉफ्टवेयरों का विकास देश-विदेश में किया जा रहा है।

इसी कारण स्वयं को इन समस्त तकनीकियों और एकाउंटस के गुरों से अवगत रखना सफलता की ऊँचाइयाँ छूने की अनिवार्य शर्त कही जा सकती है। अमूमन इन प्रोफेशनलों को इन्वेस्टीगेटिव एजेंसियों, पुलिस और अन्य कानूनी पेशेवरों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करना पड़ता है इसलिए लॉ का ज्ञान इन्हें आगे बढ़ने में अतिरिक्त सहायता प्रदान करता है।

रिसर्च का हाईटेक क्षेत्र

फोटोनिक्स

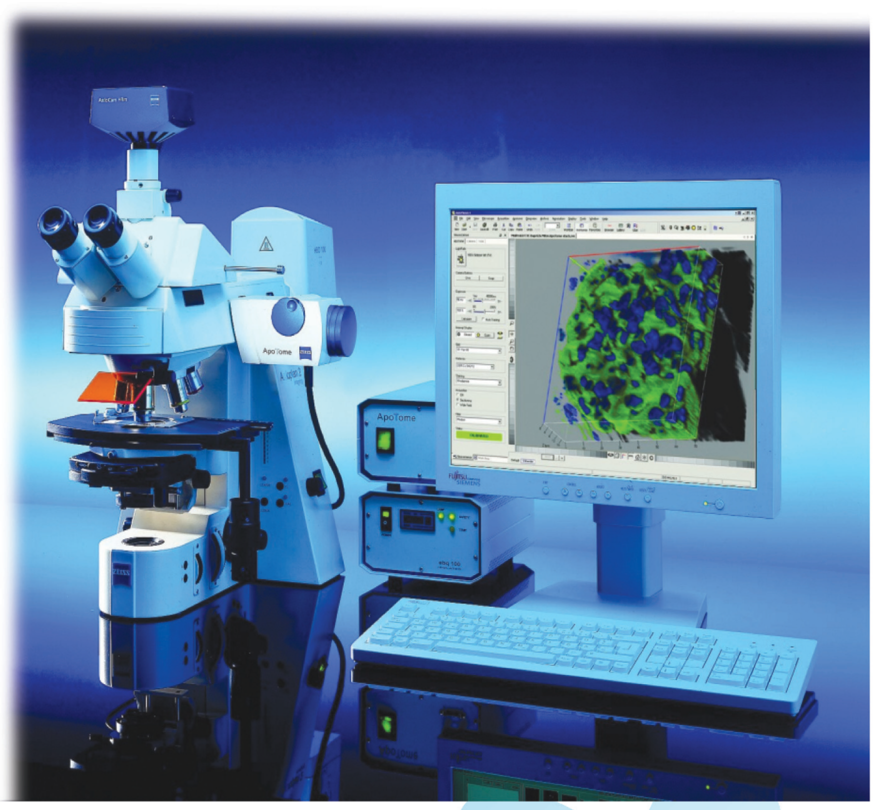

फोटोनिक्स यानी प्रकाश का उपयोग कर सूचना को हासिल करना, आगे पहुंचाना और प्रोसेस करना। यह रिसर्च का हाईटेक क्षेत्र है। इसका विकास ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक्स के फ्यूजन से हुआ है। फिजिक्स की इस शाखा में फोटॉन यानी प्रकाश के मूल तत्व का अध्ययन होता है। लेसर गन, ऑप्टिकल फाइबर्स, ऑप्टोमेट्रिक इंस्ट्रुमेंट्स आदि पर रिसर्च भी इसी के तहत होती है।

फोटोनिक्स क्यों? : इस अगली पीढ़ी यानी 21वीं सदी की तकनीक माना जाता है। ठीक उसी तरह जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स को 20वीं सदी की तकनीक माना जाता है। हालांकि फोटोनिक युग की शुरूआत 60 के दशक में लेजर की खोज के साथ ही हो गई थी। इसने 70 के दशक में टेलिकम्युनिकेशन में अपना असर दिखाया। इसके नेटवर्क ऑपरेटर्स ने फाइबर ऑप्टिक्स डाटा ट्रांसमिशन का तरीका अपना लिया। इसीलिए काफी पहले ही गढ़ा जा चुका शब्द फोटोनिक्स आम प्रचलन में आया 80 के दशक में।

यह कहां प्रयोग होता है? : अभी कुछ सालों से टेलिकम्युनिकेशन, कंप्यूटिंग, सुरक्षा और कई अन्य प्रक्रियाओं में फोटोनिक्स का उपयोग आधारभूत तकनीक के रूप में होने लगा है। इससे न सिर्फ काम की स्पीड कई गुना बढ़ जाती है बल्कि वह प्रभावशाली भी हो जाता है। इसका उपयोग बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायलॉजी, मेडिसिनल साइंस, सर्जरी और लाइफ साइंस में भी होता है। अब औद्योगिक उत्पादन, माइक्रोबायलॉजी, मेट्रोलॉजी में भी इसका उपयोग होने लगा है।

यह कोर्स कौन करे? : वही, जिसकी गहरी रुचि विज्ञान और इसकी बारीकियों में हो। इसकी गुत्थियां सुलझाने में मजा आता हो। फोटोनिक्स विशेषज्ञ के रूप में आप किसी फर्म में इंजीनियर, वैज्ञानिक और टेक्नीशियन का काम कर सकते हैं। किसी विश्वविद्यालय या शासकीय अनुसंधान विभाग में भी बतौर प्रोफेशनल ऑफीसर कॅरियर बना सकते हैं।

क्या गुण चाहिए? : विज्ञान से गहरा लगाव और फिजिक्स व मैथमेटिक्स में गहरी पकड़ की जरूरत है। इसके साथ चाहिए रचनात्मकता। यही गुण आपको बार-बार कुछ नया करने के लिए प्रेरित करेगा। बढ़िया कम्युनिकेशन स्किल भी काफी जरूरी है।

शैक्षणिक योग्यता : फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स विषय के साथ न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों से बारहवीं पास करने वाले छात्र फोटोनिक्स और ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स में ग्रेजुएट कोर्स करने के पात्र हैं। फिजिक्स, मैथ्स, एप्लाइड फिजिक्स या इलेक्ट्रॉनिक्स में ग्रेजुएट फोटोनिक्स या ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स में एमएससी कर सकते हैं। इस क्षेत्र में एमटेक, एमफिल या पीएचडी भी की जा सकती है। इनके लिए योग्यता होगी फिजिक्स या फोटोनिक्स में एमएससी। इसके अतिरिक्त कुछ डिप्लोमा कोर्स भी उपलब्ध हैं। इन्हें करके फोटोनिक्स टेक्नीशियन बना जा सकता है। ये कोर्स सामान्यतया दो साल की अवधि वाले होते हैं।

रोजगार के मौके : फोटोनिक्स में दक्ष लोगों की दुनिया भर में मांग है। इसका विशेषज्ञ इंजीनियर, टेक्नीशियन या टेक्नोलॉजिस्ट के तौर पर काम कर सकता है। सरकारी और औद्योगिक रिसर्च लैब में रिसर्च ऑफीसर बनने के भी खूब मौके हैं। उत्पादन, डिजाइन, सिस्टम्स, एप्लीकेशंस और डेवलपमेंट आदि क्षेत्रों में भी काम केभरपूर मौके हैं।

आकर्षक वेतन : शिक्षा और अनुभव के आधार पर वेतन कम-ज्यादा हो सकता है। शुरूआत में 20000 से 25000 रुपए मासिक वेतन मिलता है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि देशों में फोटोनिक्स रिसर्चर या साइंटिस्ट का सालाना पैकेज 36000 से 1.17 लाख डॉलर यानी 16.50 लाख से 54.50 लाख तक होता है।

प्रमुख इंस्टीटच्यूट्स

- द इंटरनेशनल स्कूल ऑफ फोटोनिक्स कोचीन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कोचीन-22, केरल
  फोनः 484-2575396, 2577550, 2575848
  वेबसाइटः photonics.cusat.edu, cusat.ac.in
- इंडियन इंस्टीटच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मद्रास डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, इंडियन इंस्टीटच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मद्रास,
  चेन्नई- 600036 फोनः 044-22574851
  वेबसाइटः physics.iitm.ac.in
- मनीपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन,
  मनीपाल-576104, कर्नाटक
  फोनः 0820-2571978
  वेबसाइटः admissions.manipal.edu
- इंडियन इंस्टीटच्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली
  डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, दिल्ली-110016 फोनः 011-2659 1361
  वेबसाइटः web.iitd.ac.in optoelectronics/inde&.htm
- द डिपार्टमेंट ऑफ फिजिक्स, ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी
  द ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, कैनबरा एसीटी 0200, ऑस्ट्रेलिया
  इंटरनेशनल टीः +61 261255111
  वेबसाइटः photonics.anu.edu

रियल एस्टेट जोखिम

डिस्काऊंट्स के पीछे का सच क्या है?

रियल एस्टेट मार्कीट में अनेक डिवैल्पर्स लुभावने और भारी डिस्काऊंट्स की पेशकश करते रहते हैं। जहां कुछ डिवैल्पर्स का उद्देश्य वास्तव में अधिक से अधिक ग्राहकों को आकर्षित करना होता है, वहीं कुछ डिवैल्पर्स द्वारा दिए जाने वाले भारी डिस्काऊंट्स के लालच में पड़ने वाले खरीदारों को बड़ा घाटा भी उठाना पड़ सकता है।

रियल एस्टेट मार्कीट आश्चर्यों से भरा है। ऐसे में खुद को इससे जुड़े जोखिमों से अवगत करके आप काफी हद तक नुक्सान से बच सकते हैं। आइए आपको रियल एस्टेट मार्कीट में दिए जाने वाले डिस्काऊंट्स से जुड़े कुछ जोखिमों से अवगत करवाएं-

पहली परिस्थिति

डिवैल्पर ने अर्नैस्ट मनी अदा कर स्थानीय किसानों के साथ एग्रीमैंट्स किए हैं परंतु भूमि अधिग्रहण पूरा करने के लिए उसे धन की जल्द आवश्यकता है। चूंकि फाइनैंस कम्पनियां भूमि अधिग्रहण के लिए धन मुहैया नहीं करवाती हैं और हो सकता है कि डिवैल्पर का कर्जा लौटाने का इतिहास अच्छा न हो, ऐसे में वह अपार्टमैंट्स को मार्कीट में भारी डिस्काऊंट्स पर बेचना शुरू कर देता है ताकि उसे भूमि अधिग्रहण के लिए पैसा मिल जाए।

जोखिमः हो सकता है कि डिवैल्पर नियत समय में पूरे पैसे एकत्र न कर सके। यहां भूमि को लेकर विवाद भी पैदा हो सकता है। ऐसे में खरीदार का पैसा फंस सकता है क्योंकि उसका न तो भूमि पर अधिकार है और अपना पैसा वापस पाने में उसे काफी मुश्किल हो सकती है।

दूसरी परिस्थिति

भूमि पर डिवैल्पर का स्वामित्व है और वह भूमि के स्वीकृत प्रयोग में बदलाव करवाना चाहता है परंतु प्रोजैक्ट को आगे बढ़ाने के लिए उसके पास धन की कमी है। वह प्रोजैक्ट स्थल पर दीवारें खड़ी करके और थोड़ा-बहुत सौंदर्यीकरण करने के बाद मार्कीट में लुभावनी स्कीम्स के साथ अपार्टमैंट्स की बुकिंग शुरू कर देता हैं। इसके लिए वह आकर्षक बुकलैट्स और पम्फलैट्स आदि वितरित करके खरीदारों को लुभाता है ताकि धन इकट्ठा किया जा सके।

जोखिमः इस प्रकार के डिवैल्पर्स के पास प्रबंधन में कम अनुभव हो सकता है जिससे इन्हें सरकारी विभागों और अधिकारियों से स्वीकृतियां आदि हासिल करने में कठिनाई हो सकती है। इससे प्राजैक्ट पूरा होने में देरी होगी। इससे बजट बढ़ जाता है जिसका बोझ कीमत वृद्धि के रूप में खरीदार पर ही डाल दिया जाता है। इस स्थिति में फंसे खरीदार शुरूआत में निवेश किए धन को बचाने के लिए बाद में कितनी भी अतिरिक्त कीमत अदा करने को मजबूर हो जाते हैं।